{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 12 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 166
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | - | 76,863.71 |
| निफ्टी | - | 23,866.85 |
| सोना | - | 1,63,310 |
| चांदी | - | 2,90,000 |
| डॉलर | - | 92.22 |

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### 'भारत टैक्सी' सेवा का विस्तार देश के अन्य राज्यों तक करने की योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि कोऑपरेटिव सेक्टर की राइड-हेलिंग सेवा भारत टैक्सी को अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुकाओं तक विस्तार दिया जाएगा। राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री क्रिश्न पाल गुर्जर ने बताया कि इस सेवा की शुरुआत ड्राइवरों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि इस सेवा की बुकिंग मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से की जा सकती है और इसमें सुरक्षा तथा पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया है। यह सेवा देहली पुलिस के साथ भी इंटीग्रेट की गई है। फिलहाल यह दिल्ली-एनसीआर के साथ गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका जैसे शहरों में संचालित हो रही है।

### आसाराम ने किया रामलला के दर्शन

अयोध्या। अयोध्या पहुंचे नाबालिग से रेप केस में सजायफ्ता आसाराम ने बुधवार को रामलला का दर्शन किया। 3 वाहनों का काफिला आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर के अंदर पहुंचा। उसे विशिष्ट मेहमान की तरह रामलला का दर्शन कराया गया। हनुमानगढ़ी की सीढियां अधिक होने के कारण वे वहां दर्शन करने नहीं जा सका। राममंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल जी ने आसराम को राम मंदिर के बारे में बताया। मंदिर निर्माण की जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला का दर्शन किया। इस दौरान रामलला की मोहिनी सूरत को अपलक निहारता रहा।

### ओडिशा में 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कंधमाल। ओडिशा के कंधमाल जिले के फूलबनी में बुधवार को 10 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (एम) के एक स्टेट कमेटी सदस्य, एक डिविजनल कमेटी सदस्य, दो एरिया कमेटी सदस्य और छह माओवादी कैडर शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरेंडर करने वाले नक्सलियों में सोनू पाटम (उर्फ नीटू), संताई सलाम, लक्ष्मी मडावी (उर्फ अनुपा), सुनील तेलम, मंजुला पुनेम, रामबती आयम, गणेश कुंजाम, सुशीला डूडी, शारिर कुहुदाम और चोडी योडी के नाम शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इन नक्सलियों ने सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है।

### मणिपुर में जनगणना के विरोध में प्रदर्शन

इंफाल। मणिपुर की राजधानी इंफाल में बुधवार को जनगणना प्रक्रिया के विरोध में लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इमा मार्केट में एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों ने जस्ट एंड फेयर डिलिमिटेशन (जेएफडी) से जुड़े मुद्दों को उठाया और नारेबाजी की। उन्हें तितर-बितर करने पुलिस ने हलका बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस के गोले दागे। जानकारी अनुसार आज बुधवार को मणिपुर में जनगणना प्रक्रिया के खिलाफ लोगों ने सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राज्य में जनसंख्या के सही आंकड़ों और अवैध घुसपैठ के मुद्दे को पहले स्पष्ट किया जाना चाहिए।

# स्पीकर ओम बिरला को हटाने का विपक्ष का प्रस्ताव खारिज

### लोकसभा में ध्वनिमत से फैसला...अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में जोरदार बहस...
### चर्चा के दौरान राहुल गांधी बोले - पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं, हमें बोलने से रोका गया
### रविशंकर प्रसाद बोले-पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा

नई दिल्ली। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की तरफ से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया है। इस दौरान विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया, वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने इससे पहले विपक्ष पर करारा हमला भी बोला। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने का फैसला सुनाया। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है।

चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये कौन लोग हैं जो राम को काल्पिनक बताते हैं। टी-20 वर्ल्प कप जीतने पर भारतीय टीम के लिए मेज तक नहीं बजा सके हैं। राहुल को लगता है कि पीएम का पद तो उनके लिए ही है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश माओवादतंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलता है। हमारे सदस्य को संसद के बाहर गद्दार कहा गया था। हम तो आफगानिस्तान से अपने लोगों को वापस लाए। इन लोगों ने सिखों के गले कटवाए। सरेंडर आप लोगों ने किया था चीन को 38 हजार स्क्वयार मीटर जमीन देकर। हमने तो अपने सेना को खुली छूट दी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी टुकड़े टुकड़े गैंग के साथ जाकर खड़े हो गए थे। वोटी-वोटी नोचने वाला बयान इनके नेता ने दिया। राहुल गांधी प्रस्ताव पर साइन नहीं करते, प्रियंका जी भी नहीं करतीं।

### सरकार ने देश को हाईजैक किया- वेणुगोपाल

वेणुगोपाल बोले- सरकार ने देश को हाईजैक किया है। ये देश की संस्थाओं का गलत यूज कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई और दूसरी जांच एजेंसियों का गलत यूज कर रहे हैं। ये स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव नहीं है। ये देश और सदन की डिग्निटी बचाने का प्रस्ताव है। वेणुगोपाल ने कहा- देश के पीएम सदन में क्यों नहीं है। वे स्पीकर के अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए क्यों नहीं आए हैं। हमारे पीएम नेहरू हमेशा सदन में मौजूद रहते थे। आज पीएम मोदी कहां है।वेणुगोपाल बोले- एलओपी को एपस्टीन फाइल्स पर नहीं बोलने दिया गया, इंडिया-यूएस ट्रेड पर नहीं बोलने दिया गया। सरकार ने सरेंडर क्यों किया है। अमेरिका कहता है कि भारत रूस से 30 दिन तक पेट्रोल ले सकता है क्या है सरेंडर करना नहीं है। भारत के पीएम उनसे आदेश क्यों ले रहे हैं। वेणुगोपाल ने कहा- नेता विपक्ष पार्लियामेंट्री सिस्टम का हिस्सा हैं। जब वह खड़े होते हैं, जब वह बोलते हैं तो उन्हें सुना जाता है। लेकिन वह जब भी खड़े होते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। ऐसे कैसे हो सकते है।

### विपक्ष के नोटिस में कई गलतियां, स्पीकर ने ठीक कराई- शाह

अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव के नोटिस में 2026 की जगह 2025 लिखा था। जब विपक्ष के ध्यान में लाया गया तो उन्होंने नोटिस वापस ले लिया। दूसरे नोटिस में सिर्फ गौरव गोगई के रियल साइन थे। सभी विपक्षी सांसदों को जेरोक्स साइन थे। ऐसे में नोटिस खारिज हो सकता है। लेकिन इनमें इतनी गंभीरता नहीं है कि नोटिस नियमों के हिसाब से लाएं। फिर भी स्पीकर के ऑफिस ने विपक्ष को मौका दिया कि गलतियां है। सुधार लो। ये सदन में गंभीरता की बात करती हैं। मोरल ग्राउंड के आधार पर ओम बिरला ने दो-दो बार प्रस्ताव सुधारने का मौका दिया।

### स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव आम घटना नहीं

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा स्पीकर का महत्व सदन, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। जब आप उनकी निष्ठा पर सवाल उठाते हैं, तो आप लोकतंत्र की गरिमा पर सवाल उठाते हैं। आप पीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाइए, हम नहीं कहेंगे की यह अफसोसजनक है। लेकिन स्पीकर के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव आम घटना नहीं है।

### ये सदन कोई मेला नहीं, इसके नियमों के अनुसार चलना होता है

अमित शाह ने कहा कि सदन आपसी विश्वास से चलता है। पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए स्पीकर मध्यस्थता करवाते हैं। ये सदन कोई मेला नहीं है। इसके नियमों के अनुसार चलना पड़ता है। जब आप सदन के नियमों को नजरअंदाज करोगे, तो स्पीकर का दायित्व है कि इसे रोके और टोके। ये अधिकार ये नियम हमने नहीं बनाए। ये नेहरू के समय में बने हैं। अधिकारों के संरक्षण के लिए हम सहमत हैं लेकिन नियमों का क्या। सबको नियमों के अनुसार बोलना पड़ेगा, चाहे वह कोई भी हो। मतभेद तो सभी सदस्यों के हो सकते हैं, लेकिन स्पीकर के फैसलों पर शक नहीं कर सकते। कभी हमें अनुकूल नहीं लगेगा, कभी विपक्ष को अनुकूल नहीं लगेगा। लेकिन स्पीकर की निष्ठा पर सवाल उठाना घोर निंदनीय है। जिसको मध्यस्थता करनी है, उसकी निष्ठा पर आप सवाल करते हो। ये बहुत अफसोस की बात है।

# एलएसी पर ड्रैगन रच रहा भारत को घेरने की साजिश

### अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास बसाए 90 प्रतिशत गांव

नई दिल्ली। भारतीय सेना के उप प्रमुख (रणनीति) जनरल राजीव घई ने चीन को लेकर अहम बात कही और बताया कि कैसे चीन लगातार भारतीय सीमा के पास अपनी सक्रियता को विस्तार दे रहा है। उन्होंने कहा कि चीन ने पूर्वोत्तर के राज्यों में सबसे ज्यादा 72 प्रतिशत शियाओकांग यानी समृद्ध गांवों का निर्माण किया है। इनमें से 90 प्रतिशत गांव अरुणाचल प्रदेश में बने हैं। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से कई बस्तियां उन क्षेत्रों में भी हैं जिन पर दोनों देशों के बीच विवाद है।

जनरल राजीव घई ने इसके साथ ही बांग्लादेश का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ संबंधों की अनिश्चित दिशा ने भारत के रणनीतिक सिलीगुड़ी गलियारे की समस्या को और बढ़ा दिया है, जो तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में चुंबी घाटी के निकट होने के कारण असुरक्षित रहा है। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में भी अच्छी प्रगति की है।

#### चिकेन नेक भारत के लिए सबसे अहम

सिलिगुड़ी कॉरिडोर जो कि पश्चिम बंगाल में स्थित 22 किलोमीटर चौड़ी और 60 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जमीन है, जो कि भारत के उत्तर-पूर्व को शेष भारत से जोड़ती है। इसे चिकेन नेक भी कहा जाता है। चिकन नेक का जिक्र करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि चुंबी घाटी के निकट होने के कारण इसकी भेद्यता और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यह बात किसी से छिपी नहीं है। इसलिए हाल के दिनों में बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों की अनिश्चित दिशा ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है, जो उत्तरी प्रतिद्वंद्वी (चीन) के संदर्भ में पहले से ही मौजूद है। उन्होंने कहा कि इसलिए कॉरिडोर को सुरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है और मुझे लगता है कि यह जानकर सभी को प्रोत्साहन मिलेगा कि इस दिशा में काफी काम और विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने कहा है कि कॉरिडोर के पास काफी संख्या में बल तैनात हैं। बुनियादी ढांचे की बात करें तो, सडक्, रेल और भूमिगत बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में काफी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में अनेक सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद यह क्षेत्र अग्रणी बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने प्रगति की है, शायद उतनी तेज़ी से नहीं जितनी हमारे उत्तरी प्रतिद्वंद्वी ने की है। लेकिन हमने काफी काम किया है।

#### भारत ने शुरू की हैं कई रणनीतिक परियोजनाएं

लेफ्टिनेंट जनरल घई ने आगे कहा कि पूर्वोत्तर में कई रणनीतिक अवसंरचना परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसमें सेला सुरंग, ब्रह्मपुत्र पर बने पुल, असम में रेल और सडक् मार्ग से चलने वाला बोगीबील पुल लोहित नदी पर बना पुल और मोरन राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा है। उन्होंने कहा कि ये केवल विकास परियोजनाएं ही नहीं हैं। यह एक दोहरे उपयोग वाली संपत्ति है जो रसद संबंधी कमजोरियों को कम करती है और सिलीगुड़ी कॉरिडोर को मजबूत करते हुए बलों को तैनात करने की हमारी क्षमता को बढ़ाती है।

#### अनिश्चितता का साया हावी

कॉरिडोर में भूमिगत रेल कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने पहले चरण में 24 किलोमीटर लंबी सुरंग की परिकल्पना की है और यह लगभग 62 किलोमीटर तक जाएगी। इससे रेल लाइन सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नीचे से गुजरेगी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि जमीनी चुनौतियों के बावजूद भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है और अगले पांच वर्षों में यह बाड़ काफी हद तक बनकर तैयार हो सकती है।

# देश में पहली बार इच्छामृत्यु की मिली मंजूरी

### 13 साल से जिंदा लाश, हरीश राणा के लिए मां ने मांगी थी मौत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 31 वर्षीय एक व्यक्ति के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी। यह शख्स 13 वर्षों से अधिक समय से कोमा की स्थिति में था। अब उसकी कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटा दिया गया। निष्क्रिय इच्छामृत्यु किसी मरीज को जीवित रखने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक उपकरणों या उपचार को रोककर या वापस लेकर जानबूझकर मरने देने का काम है।

हरीश राणा 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद सिर में गंभीर चोटों का शिकार

हो गए थे और एक दशक से अधिक समय से कोमा में हैं। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने एम्स को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया, ताकि चिकित्सा उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उपचार बंद करने की प्रक्रिया एक सुनियोजित योजना के साथ हो ताकि राणा की गरिमा बनी रहे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 31 वर्षीय युवक के माता-पिता से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी। कोर्ट ने एम्स-दिल्ली के डॉक्टरों के एक द्वितीयक मेडिकल बोर्ड द्वारा तैयार की गई राणा की मेडिकल हिस्ट्री वाली रिपोर्ट का अध्ययन किया था और टिप्पणी की थी कि यह एक दुखद रिपोर्ट है।

#### रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति की हालत दयनीय

प्राथमिक चिकित्सा समिति ने मरीज की हालत की जांच करने के बाद उसके ठीक होने की संभावना नगण्य होने पर जोर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर को कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति की हालत दयनीय है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2023 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, कोमा में पड़े मरीज के लिए कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने के संबंध में विशेषज्ञ की राय लेने के लिए एक प्राथमिक और एक द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड का गठन करना होगा।

## एनसीईआरटी विवाद : चैप्टर बनाने वाली टीम में शामिल प्रो.मिशेल को बैन करे केंद्र

### दो अन्य सहयोगी सदस्यों को भी प्रक्रिया से बाहर करे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में करप्शन इन द ज्यूडिशियरी नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि एनसीईआरटी के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें।

साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न करे। इसके अलावा, तीनों को नेक्स्ट जनरेशन टेक्स्टबुक्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से भी अलग किया जाए।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने प्रो. डेनिनो और उनकी टीम को चैप्टर की तैयारी और उस करिकुलम में शामिल करने की प्रक्रिया से अलग करने के आदेश दिए है। साथ ही उन्हें किसी भी पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन में सेवा देने से भी रोकने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि पहली नजर में ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है कि प्रोफेसर डेनिनो, दिवाकर और आलोक को न्यायपालिका के बारे में जानकारी नहीं है।

## बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में गैर सनातनी के प्रवेश पर रोक

### मंदिर समिति ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यह फैसला अगले महीने शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

# रूस से 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगा भारत

### मिडिल-ईस्ट तनाव के चलते रिलायंस और आईओसी ने बढ़ाई बुकिंग

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की सप्लाई में आ रही रुकावटों के बीच भारत ने रूस से भारी मात्रा में तेल खरीदने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत करीब 3 करोड़ बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदेगा। रिपोर्ट में बताया कि, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों ने रूसी तेल के एग्रीमेंट किए हैं। हाल ही में अमेरिका ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के शिपमेंट्स खरीदने के लिए भारत को 30 दिन (3 अप्रैल तक) की छूट देने की बात कही थी। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के बाद स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के जरिए होने वाली तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में भारतीय रिफाइनर्स ने उन रूसी जहाजों को सुरक्षित किया है जो पहले से ही एशियाई समुद्र में मौजूद थे, लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल रहे थे। ट्रेडर्स का कहना है कि इंडियन ऑयल ने करीब 1 करोड़ बैरल और रिलायंस ने भी कम से कम 1 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। बाकी बचा हुआ तेल अन्य भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने लिया है।

#### रास्ते में ही जहाजों ने भारत की ओर मोड़ा रुख

शिपिंग डेटा से पता चला है कि मायलो और सारा जैसे कई बड़े तेल टैंकर, जो पहले सिंगापुर की ओर जा रहे थे, उन्होंने अब भारत के बंदरगाहों की तरफ अपना रास्ता मोड़ लिया है। अमेरिकी छूट मिलने के तुरंत बाद इन जहाजों के डेस्टीनेशन बदल दिए गए। रूस ने इस बार यूराल्स, ईएसपीओ और वरान्डे जैसे ग्रेड का तेल ऑफर किया है।

#### सऊदी और इराक से घटाकर फिर रूस पर फोकस

पिछले कुछ महीनों में भारत ने रूस से तेल की खरीद कम कर दी थी और इसकी जगह सऊदी अरब और इराक से ज्यादा तेल लेना शुरू किया था। आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में रूस से आयात घटकर 10.6 लाख बैरल प्रति दिन रह गया था, जो कि 2024 के मध्य में 20 लाख बैरल प्रति दिन से ज्यादा था।

## जंग का असर : दो दिन और चलेगी एलपीजी, रसोई गैस की किल्लत से होटल-रेस्टोरेंट में हाहाकार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजार और रसोई तक पहुँचता दिख रहा है। वैश्विक उथल-पुथल के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और एलपीजी सप्लाई में आ रही दिक्कतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने देशभर में आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसीए) लागू कर दिया है, ताकि एलपीजी और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। वहीं खबरें आ रहीं है कि एलपीजी का सिर्फ दो दिन का स्टॉक बचा और रेस्टोरेंट उद्योग में हाहाकार मचा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी शिकायतें आ रही थीं कि बुकिंग के 4-5 दिनों बाद भी गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो पा रही है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब आवश्यक सेवाओं को गैस आपूर्ति में प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि कुछ गैर-जरूरी उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति को सीमित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि पश्चिम एशिया के संकट का बोझ आम आदमी पर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक संकट के दौरान जनता का भरोसा बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे जनता तक यह संदेश पहुँचाएं कि देश में तेल और गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और हमारी सप्लाई चेन मैनेजमेंट किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। जहाँ तक रसोई गैस की कीमतों में हाल ही में हुई 60 रुपये की वृद्धि का सवाल है, सरकार का कहना है कि यह मौजूदा युद्ध की स्थिति के कारण नहीं, बल्कि पिछले साल की अंडर-रिकवरी की वजह से है।

# घरेलू गैस बुकिंग में देरी से उपभोक्ता परेशान

## एजेंसियों का दावा जिले में गैस की कमी नहीं, कंपनियों के नियम सख्ती से लागू होने से बढ़ा इंतजार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**जिले में इन दिनों घरेलू रसोई गैस को लेकर उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर की विभिन्न गैस एजेंसियों में उपभोक्ताओं से चर्चा करने पर सामने आया कि उन्हें पहले की तरह आसानी से गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है और नई बुकिंग के लिए 25 से 30 दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले गैस सिलेंडर की बुकिंग अपेक्षाकृत जल्दी हो जाती थी, लेकिन अब निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद ही बुकिंग संभव हो रही है, जिससे कई परिवारों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि जिले में गैस की किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि गैस कंपनियों द्वारा देश के मौजूदा हालात को देखते हुए सिलेंडर बुकिंग से संबंधित नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।**

इन दिनों घरेलू गैस की कमी के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस भरवाने के लिए एजेंसियों तक पहुंच रहे उपभोक्ताओं को कई जगह खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। स्थिति को समझने के लिए जब गैस एजेंसियों में जाकर पड़ताल की गई और उपभोक्ताओं से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि एजेंसियों में पर्याप्त गैस उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे नियमित रूप से गैस लेने एजेंसी पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां से उन्हें यह कहकर वापस कर दिया जाता है कि अभी गैस उपलब्ध नहीं है और 20 से 25 दिन बाद ही बुकिंग कर सिलेंडर दिया जाएगा।

### बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है – शवनसिंह

वार्ड क्रमांक 13 निवासी शवनसिंह हनुवत ने बताया कि उनका परिवार बड़ा है और महीने में उन्हें अधिक गैस की आवश्यकता पड़ती है। जब वे गैस लेने एजेंसी पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि 25 दिन के बाद ही गैस की बुकिंग की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि शहर में रहने के कारण अब पहले जैसी सुविधाएं नहीं हैं कि बिना गैस के लंबे समय तक घर का कामकाज चलाया जा सके।

### समय पर गैस सिलेंडर मिलना चाहियें – वंशी बाघ

इसी तरह एक अन्य उपभोक्ता वंशी बाघ ने भी बताया कि वे गैस सिलेंडर लेने एजेंसी पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें गैस उपलब्ध नहीं कराई गई। एजेंसी कर्मचारियों ने उन्हें भी 20 से 25 दिन बाद बुकिंग कराने के बाद ही सिलेंडर मिलने की बात कही। उपभोक्ताओं का कहना है कि घरेलू गैस जैसी आवश्यक सुविधा में इस प्रकार की परेशानी से रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने संबंधित विभाग और गैस एजेंसियों से व्यवस्था सुधारने की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके।

### एजेंसियों में गैस की कोई कमी नहीं है – अनुराग मिश्रा

इस संबंध में गैस एजेंसी संचालक अनुराग मिश्रा ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि एजेंसियों में गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि गैस कंपनियों के पुराने नियमों के अनुसार सिंगल और डबल कनेक्शन धारकों को पिछली डिलीवरी के 25 से 30 दिन बाद ही नई बुकिंग की अनुमति दी जाती है। बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं को ऑनलाइन ओटीपी प्राप्त होता है और उसी के आधार पर गैस सिलेंडर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यह नियम पहले से ही लागू था, लेकिन अब कंपनियों द्वारा इसे सख्ती से लागू कराया जा रहा है। इसी कारण कई उपभोक्ताओं की बुकिंग समय से पहले नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों को ऐसा लग रहा है कि जिले में गैस की कमी हो गई है, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं है।

### पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त उपलब्ध है – रविकांत ठाकुर

इस पूरे मामले को लेकर जब रविकांत ठाकुर, जिला आपूर्ति अधिकारी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण आयात में कुछ रुकावटें आई हैं, जिसे देखते हुए केंद्र सरकार ने एलपीजी गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों के अनुसार अब चिकित्सालयों और शैक्षणिक संस्थानों को छोड़कर अन्य सभी वाणिज्यिक संस्थानों जैसे होटल, मॉल और औद्योगिक इकाइयों को बल्क और पैक्ड कमर्शियल गैस की आपूर्ति नहीं की जाएगी। ऐसे संस्थानों को अपनी ईंधन आवश्यकताओं के लिए वैकल्पिक साधनों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और गैस का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए अब रिफिल बुकिंग पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही स्वीकार की जाएगी, जिससे बाजार में कालाबाजारी और अफरा-तफरी जैसी स्थितियों पर रोक लगाई जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और इसकी आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। वितरक स्तर पर स्टॉक की दैनिक समीक्षा भी की जा रही है। साथ ही जमाखोरी करने वालों और घरेलू गैस का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

# जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन की बैठक संपन्न

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में 11 मार्च को जिला पंचायत सभागृह में जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के समस्त समितियों के सभापति एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अभिषेक सराफ सहित ग्रामीण विकास से जुडे विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे उठाए गए तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिले के अस्पतालों की स्थिति की जानकारी ली गई। इस दौरान कटंगी और लालबर्रा में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी चर्चा हुई और संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए गए। एमपीआरडीसी द्वारा विभागीय सड़कों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरस्वर ने बैठक में कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समय सीमा में कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक में गी से चिल्पी मार्ग का नवीनीकरण कार्य धीमी गति से चलने की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया और इसमें प्रगति लाने कहा गया।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिले में स्वीकृत सड़कों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया की प्रधानमंत्री जनमन योजना में 52 सड़क स्वीकृत हुई है, जिनके कार्य प्रारंभ है एवं 23 पुलिये स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल पुलियों को स्वीकृत किया गया है। सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है और शेष कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है। योजना अंतर्गत सर्वप्रथम धरती आबा योजना के ग्रामो में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिले के विभिन्न विकासखण्डों में बनने वाली सड़कों की ब्लॉक प्रायोरिटी सूची जारी की गई है। इस सूची में कुल 12 सड़कों का चयन किया गया है, जिनकी कुल लंबाई लगभग 28.80 किलोमीटर होगी। योजना के तहत इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इन मार्गों के बनने से अब तक सम्पर्कविहीन गांवों को मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंच में काफी सुविधा मिलेगी।


**आवश्यकता है**
बच्चों को देखने हेतु लड़की की आवश्यकता है
पेमेंट-योग्यतानुसार 12000+रहना, खाना घर में ही, पढ़ाई कम से कम 12वीं अनिवार्य
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520


# लांजी में 18 से 27 मार्च तक भव्य कोटेश्वर महोत्सव, व्यापक तैयारियां जोरों पर

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** धर्म नगरी लांजी में विगत वर्षों से आयोजित होने वाले भव्य कोटेश्वर महोत्सव का आयोजन इस बार भी महाशिवरात्रि पर्व के दौरान होने जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे और कोटेश्वर महोत्सव समिति द्वारा स्पष्ट किया गया है कि महोत्सव 18 मार्च से 27 मार्च तक नगर के वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में आयोजित होगा। तारीखों को लेकर चली आ रही असमंजसता अब दूर हो चुकी है।यह धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक लोक आस्था का प्रमुख उत्सव है, जहां विविध आयोजन जनमानस को आकर्षित करेंगे। क्षेत्र की प्रतिभाओं के अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं को अपनी कला, संगीत और अन्य प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। विगत वर्षों की तरह इस बार भी अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, लोक संगीत, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी।विधायक राजकुमार कर्राहे और समिति सदस्यों द्वारा महोत्सव को सफल बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। लांजी सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह चरम पर है। समिति का उद्देश्य है कि आने वाले श्रद्धालु और दर्शक बिना किसी परेशानी के इस पर्व का भरपूर आनंद ले सकें।

# बिना परमिशन अवैध कॉलोनी काटने वाले कॉलोनाइजर अकुल पाण्डेय के खिलाफ मामला दर्ज

भोपाल। ईओडब्ल्यू जबलपुर के ग्राम भड़पुरा में बिना अनुमति अवैध कॉलोनी रघुकुल वैली का निर्माण करने वाले कॉलोनाइजर अकुल पाण्डेय द्वारा शासन को 98 लाख की आर्थिक क्षति पहुँचानेकी शिकायत की जॉच के बाद आरोपी कॉलोनाइजर अकुल पाण्डेय पिता अम्बरिष कुमार निवासी, आनंदकुंज गढ़ा जबलपुर,(बिल्डर रघुकुल वैली कॉलोनी) के खिलाफ धारा 420 का मामला दर्ज किया गया है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार जांच में पाया गया कि आरोपी अकुल पाण्डेय (निवासी आनंदकुंज, गढ़ा) द्वारा ग्राम भड़पुरा के खसरा नंबर 103, 104, 105/1, 105/2 में रघुकुल वैली नाम से अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। नगर तथा ग्राम निवेश जबलपुर के अनुसार,उक्त भूमि भेड़ाघाट विकास योजना 2021 में कृषि भूमि के रूप में दर्ज है,जहाँ आवासीय कॉलोनी निर्माण की अनुमति नहीं है। आरोपी ने विकास अनुज्ञा हेतु कोई ले-आउट भी प्रस्तुत नहीं किया था। आरोपी ने कॉलोनी विकास के अनिवार्य शुल्कों में लगभग 98 लाख रुपये की चोरी की। जांच के दौरान यह भी साफ हुआ कि आरोपी ने साल 2018 से ही बिना डायवर्सन, बिना स्वीकृत ले-आउट और बिना आवश्यक पंजीकरण के कृषि भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित कर अवैध रूप से बेच दिया। इस प्रक्रिया में न केवल शासन के कोष को क्षति पहुँचाई गई, बल्कि आम जनता (हितग्राहियों) के साथ भी धोखाधड़ी की गई।

# मौसम परिवर्तन के बाद पारा में आया उछाल

## लगातार बढ़ रहा तापमान, भीषण गर्मी की हो रही शुरुवात

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मार्च माह की शुरुवात होते ही अब पारा धीरे धीरे बढ़ने लगा है।जिसके चलते जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में गर्मी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।जहां तापमान में पिछले दिनों की अपेक्षा रोजाना इजाफा देखने को मिल रहा है। जिले में पिछले एक सप्ताह से लगातार बढ़ते जा रहे इस तापमान के चलते अब लोग हलाकान होने लगे हैं वही लोग कूलर और पंखे की बिना नहीं रह पा रहे हैं।आपको बताए कि फरवरी माह के अंत तक मौसम का मिजाज नरम गरम बना हुआ था लेकिन अब गर्मी लगातार अपने पांव पसार रही है जिसके चलते दिन और रात दोनों गर्म होने लगे हैं। नगर मे मंगलवार की तरह,बुधवार को भी तापमान में उछाल देखा गया।जहां गर्म हवाओं के बीच शहर का अधिकतम तापमान 37डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। वहीं मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, और बढ़े हुए तापमान के बीच लू भरी हवाए चलने के संकेत दिए है।

### मार्च में अप्रैल सी भीषण गर्मी का हो रहा एहसास

शहर का तापमान इन दिनों लगातार बढ़ रहा है और रोजाना ही गर्मी में वृद्धि देखी जा रही है लगातार बढ़ती जा रही धूप से निजात पाने के लिए लोग टोपी चश्मा का सहारा ले रहे हैं वहीं अब लोग धूप से बचने के लिए दुपट्टे से मुंह बांधकर घर से निकल रहे हैं। वही ज्यादातर लोग दोपहर के वक्त अपने कार्यालयों या घर में कैद रहने को मजबूर हैं, दोपहर के वक्त नगर के मुख्य मार्गों में सन्नाटा नजर आ रहा है।वही दोपहर में जरूरी काम से निकलने वाले लोग सड़कों के किनारे लगे वृक्ष की छाया का सहारा ले रहे हैं ।तापमान में वृद्धि होने के कारण शाम 4 बजे के बाद धूप कम होने पर शहर की सड़कें, बस स्टैंड, बाजार व अन्य स्थानों में लोगों की चहल पहल देखी जा रही है।जहा धूप से बचने के लिए लोग सुबह और शाम में ही घर से निकलना पसंद कर रहे हैं।

### कूलर खस और मटको की सजने लगी दुकाने

तापमान में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए अब शहर के विभिन्न स्थानों में गरीबों की फ्रिज कहे जाने वाले लाल काले मटके, सुराही सहित कूलर में लगने वाली खस की दुकानें सजने लगी है।वही रसीले फलों की आवक भी तेज हो गई है। गर्मी के आगमन को देखते हुए पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष भी कूलर खस और ठंडे मटको के दाम में इजाफा देखा जा रहा है। शहर के विभिन्न चौक चौराहों में लगी दुकानों में अब तक 60 से 80 रु तक बिकने वाले मटके 120 से 150 रु तक बेचे जा रहे है तो वहीं 40 से 50 रु किलो में बिकने वाली कूलर खस 100 से 110 रु किलो तक बिक रही है।हालांकि इसकी मांग में फिलहाल उठाव नही आया है जिसकी वजह हनीकॉम पैड की आवक बताई जा रही है।जहा हनीकॉम पैड के चलते कूलर में लगने वाली खस और उडुल खस (जड़) आदि की बिक्री काफी कम हो गई है।

### पेयजल पदार्थों की बढ़ी मांग

जैसे जैसे तापमान में इजाफा हो रहा है वैसे वैसे शहर में शीतल पेयजल की मांग भी बढ़ने लगी है कोल्ड ड्रिंक ठंडी पानी की बोतल पानी पाउच ठंडाई मॉकटेल सहित अन्य शीतल पेयजल की मांग में वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही शहर के शासकीय अर्ध शासकीय व निजी कार्यालयों में पानी केन की सप्लाई में इजाफा हुआ है।

### मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि

चुभन दे रही भीषण गर्मी, धूप के थपेड़े और जिले भर में चल रही गर्म हवाओं के चलते लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और लोग बुखार, उल्टी, दस्त सिर दर्द सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी शिकायत लेकर शासकीय व निजी अस्पताल पहुंचने लगे हैं साथ ही अस्पतालों में रोजाना ही मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है।


**आवश्यकता है**
• मैनेजर - 01 पद
• साफ-सफाई कर्मचारी- 02 पद
PART TIME & FULL TIME
Day Shift & Night Shift
पता :- होटल गौरव मेन रोड काली पुतली चौक के पास बालाघाट
Mo.9425138713, 8819924499



**कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगाँवखुर्द**
**जनपद पंचायत किरनापुर जिला बालाघाट( म प्र )**

क्र दिनाक - 11/03/2026

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की स्थावर संपत्ति साप्ताहिक बैठकी/ मवेशी बाजार के फीस संग्रहण/ पट्टा की नीलामी वर्ष 2026-27 के लिए दिनाक 17/03/2026 दिन मंगलवार को समय प्रात: 10:30 बजे से ग्राम पंचायत मोहगाँव खुर्द मे निर्धारित शर्तो के आधार पर किया जाएगा । नीलामी की शर्ते कार्यालीन समय मे देखी जा सकती है । ठेके लेने वाले ईछुक ठेकेदार नीलामी समय पर उपस्थित होकर व निर्धारित अमानत राशि जमा कर बोली बोल सकते है। किन्ही कारणवश नीलामी स्थगित होने पर आगामी तिथि की सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर चस्पा कर / मुनादी कर की जावेगी । नीलामी के संबंध मे अंतिम निर्णय पंचायत का होगा

आवशयक शर्ते - 1. बोलीकर्ता द्वारा बोली पूर्व जमा की गयी अमानत राशि बोली समाप्ति के पश्चात तक बोलीकर्ता को वापस नहीं की जावेगी ।

2. बोलीकर्ता को पंचायत द्वारा निर्धारित प्रारूप मे आवेदन , बोली लगाने के पूर्व फोटो परिचय पत्र , आधार कार्ड ,मोबाईल नंबर वोटर आई डी कार्ड के स्व प्रमाणित छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है ।

सरपंच - श्रीमती योगिता रविन्द्र तरवरे
सचिव - श्री शयामु पाँचे
उपसरपंच - श्री पवन पारधी
सहायक सचिव - श्रीमती रेखा पटले
व समस्त पंचगण
जनपद पंचायत किरनापुर जिला बालाघाट( म प्र )



**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998


# एलपीजी उपभोक्ता परेशान नहीं हो, इस हेतु लगातार प्रयास जारी-खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश में एलपीजी उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नही हो, इस हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि किसी भी स्थिति में वितरक स्तर पर एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी की स्थिति निर्मित नहीं हो। राजपूत ने कहा है कि वर्तमान में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है एवं आपूर्ति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के कारण आयात में हुई रुकावट को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं कि एलपीजी की आपूर्ति एवं विपणन केवल घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को किया जाये। ऑयल कम्पनियों द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिये वितरण प्रणाली में कुछ उपाय शुरू किये गये हैं। अब पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही रिफिल बुकिंग स्वीकार की जा रही है। इसका उद्देश्य कालाबाजारी और अफरा-तफरी को रोकना तथा उपभोक्ताओं को नियमित रूप से समान वितरण सुनिश्चित करना है। इन परिस्थितियों में ऑयल कम्पनियों द्वारा तय किया गया है कि वर्तमान में चिकित्सालय एवं शैक्षणिक संस्थाओं के अलावा किसी और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (होटल, मॉल, वल्क एलपीजी का उपयोग करने वाले औद्योगिक क्षेत्र, फैक्ट्री आदि) को कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई नहीं की जायेगी। जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि जिला स्तर पर खाद्य विभाग तथा ऑयल कम्पनी के अधिकारी और एलपीजी वितरकों के साथ नियमित रूप से बैठक कर वाणिज्यिक और घरेलू सिलेण्डर की उपलब्धता की समीक्षा करें। साथ ही जिले के बड़े वाणिज्यिक उपभोक्ताओं की भी बैठक कर उनके पास उपलब्ध स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं उनकी ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये वैकल्पिक ईंधन आपूर्ति/स्त्रोतों का उपयोग करने की सलाह दी जाये।

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

## छत से नीचे गिरने और सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत- कीटनाशक सेवन में आने से कृषक ने दम तोड़ा

### तीन लोगों का जिला अस्पताल में हुआ पोस्टमार्टम

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला अस्पताल बालाघाट में 11 मार्च को तीन लोगों का पोस्टमार्टम किया गया। जिनमे में हितेश पिता पुष्कर ब्रम्हे 38 वर्ष ग्राम आंवलाझरी थाना भरवेली निवासी की छत से नीचे गिरने से मौत हुई थी वहीं एक अन्य युवक योगेश पिता चमरू लाल ठाकरे 28 वर्ष बैगा टोला पोंडी थाना रूपझर निवासी की सड़क की हादसे में तो, एक कृषक धूप लाल पिता लखन लाल सहारे 43 वर्ष ग्राम तुमड़ीटोला सावंगी थाना वारासिवनी निवासी की कीटनाशक सेवन में आने से मौत हुई थी।

### मकान की छत से गिरने से घायल की मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्कर ब्रम्हे ग्राम आंवलाझरी निवासी की किराना दुकान है। जिसके परिवार दो बेटे और एक बेटी है। एक बेटे और बेटी की शादी हो चुकी है।हितेश की शादी नहीं हुई थी। 10 मार्च की रात्रि 8ः00 हितेश घर में खाना खाने के बाद दूसरे मकान में सोने के लिए चला गया था। इसके कुछ देर बाद आने जाने वालों ने हितेश को मकान की छत के नीचे गिरा हुआ देखें और उसके परिवार वालों को बताएं । खबर मिलते ही पुष्कर ब्रम्हे ने अपने परिवार के साथ जाकर देखा हितेश छत के नीचे गिरा हुआ था और उसके सिर में चोटे आई थी। हितेश को तुरंत ही 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया था। परिजनों ने उसे नगर के ट्राइपॉड अस्पताल ले गए। किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। हितेश का शव जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने परिजनों को पोस्टमार्टम करवाने की सलाह दी । 11 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने हितेश का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये है। संभावना व्यक्त की गई की हितेश की मकान के छत के नीचे गिरने से मौत हो गई।

### सड़क दुर्घटना में घायल की मौत

रूपझर थाना अंतर्गत बैहर रोड ग्राम समनापुर के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक योगेश ठाकरे 28 वर्ष ग्राम बैगा टोला पोंडी थाना रूपझर निवासी की मौत हो गई। बताया गया है कि योगेश ठाकरे के परिवार के लोग खेती किसानी करते हैं। योगेश ठाकरे 5 माह से उकवा माइंस प्राइवेट में काम करने करता था और प्रतिदिन मोटरसाइकिल से आना-जाना करता था। 10 मार्च की रात 11ः30 बजे करीब योगेश ठाकरे मोटरसाइकिल से अपनी ड्यूटी करने उकवा माइंस जा रहा था। तभी बैहर रोड उकवा समीप समनापुर के पास कोई अज्ञात वाहन मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया ।इस दुर्घटना में योगेश ठाकरे गंभीर रूप से घायल होकर रोड किनारे पड़ा हुआ था। जिसके सिर और मस्तक में चोटे आई थी खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और योगेश ठाकरे को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल लाये किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। योगेश ठाकरे की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।11 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने योगेश ठाकरे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

### कीटनाशक सेवन में आने से कृषक की मौत

धूपलाल सहारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। 10 मार्च को धूप लाल सहारे अपने खेत कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद धूप लाल शाम 5ः00 बजे अपने घर आया और खाट में सो गया था। इसके कुछ देर बाद परिवार के लोगों ने धूप लाल को नहाने के लिए उठाये किंतु धूप लाल नहाने नहीं उठा और वह कुछ बोल नहीं पा रहा था जो बेहोशी की हालत में था। जिसे 108 एंबुलेंस से सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती किए थे। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में धूप लाल को मृत घोषित कर दिया गया। 11 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने धूप लाल का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

# बाजार में अव्यवस्थाएं, लोग हो रहे परेशान

### दुकानदारों ने दोनों तरफ आधी सड़क पर किया कब्जा, सड़कों पर लग रही दुकानों से यातायात हो रहा प्रभावित, खरीददार सड़क पर करते है वाहन पार्क, आवागमन में हो रही दिक्कत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**नगर के मुख्य बाजार में आवागमन की व्यवस्था एक बार फिर बिगड़ने लगी है जिससे ना केवल राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बल्कि बाजार में जगह-जगह जाम की स्थिति भी नजर आ रही है त्यौहारो व शादियों के सीजन को देखते हुए जहां दुकानदारों ने दुकान का सामान सड़क तक निकाल कर रख दिया है तो वही सीजनी धंधा करने वाले फुटकर दुकानदारों ने भी सड़क के दोनों तरफ अपनी दुकानें सजा ली है जिससे यातायात बाधित हो रहा है।वहीं नगर में त्यौहार व सीजनी बाजार के लिए अब तक कोई स्थान तय नहीं किया गया है जिसे फुटकर दुकानदार सड़क के दोनों और दुकान लगाकर पहले से छोटे मार्ग को और छोटा कर रहे है। इस तरह नगर में पहले से चरमराई हुई यातायात व्यवस्था अब रोजाना बिगड़ रही है जिस पर नगर पालिका और यातायात प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है।**

### सड़क पर पार्क हो रहे वाहन

त्यौहारो व शादियों के सीजन में सड़क किनारे दुकान लग जाने के चलते जहां एक ओर सड़क दोनों तरफ से सकरी हो गई है तो वहीं दूसरी ओर सड़क किनारे दुकान लगने से ग्राहक सड़क पर ही अपने वाहन पार्क कर रहे हैं जिससे आवागमन करने में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।आपको बताए कि शहरी क्षेत्र से खरीदारी करने बड़ी संख्या में गावो से लोग नगर पहुचते है। ऐसे में सकरे मार्ग के दोनों तरफ से लोगों को आवाजाही में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं उसी सकरे मार्ग में मवेशियों की धमाचौकड़ी बनी रहती है।जिससे जगह जगह ट्रैफिक जाम हो रहा है।

### बेकाबू अतिक्रमण पर नपा नही लगा पा रही लगाम

नगर के बाजारों से लगी सड़कों में यातायात व्यवस्था लगातार बदहाल होती जा रही है।दिन भर व्यस्त रहने वाला, मार्ग पूरी तरह अतिक्रमण से घिर गया हैं। जिससे कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है।वहीं नगर के आम रास्ते भी अब सिमटते नजर आ रहे है। नगर के प्रमुख स्थानों, चौक-चौराहों सहित नगर का गुजरी व इतवारी बाजार भी अतिक्रमण की चपेट में है।जिससे नगर की यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है और सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है। जहा चारों ओर अतिक्रमण पसरा हुआ हैं।जिसपर नपा का कोई ध्यान नही है।

### त्यौहार सीजन में अक्सर बिगड़ती है व्यवस्था

त्यौहारो का सीजन आते ही बाजारों में यातायात व्यवस्था बिगड़ने लगती है। स्थिति यह है कि लोगों का उक्त मार्ग से निकलना तक मुश्किल हो जाता है।इन दिनों बाजार में अब काफी गहमागहमी दिखाई दे रही है।शादियों को लेकर अब लोग खरीदारी में जुट गए हैं। इस कारण दिनभर दुकानों पर भीड़ हो रही है।एक साथ शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों के बाजार में आने के कारण व्यवस्था खराब होने लगी है। जगह ना होने के चलते दुकानों के आगे वाहन खड़े हो रहे हैं।आपको बताए कि पहले बाजार में यातायात व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस बेरीकेड्स लगाकर वाहनों की आवाजाही रोकती थी,लेकिन वर्तमान में ऐसा कुछ नजर नही आ रहा है।वही नपा भी इसपर कोई ध्यान नही दे रही है।ऐसे में हर दिन व्यवस्था बिगड़ती जा रही है।

### आने वाले दिनों में बढ़ सकती है परेशानी

अब शादियों को लेकर दिनोंदिन ग्राहकों की भीड़ बढ़ती ही जाएगी। लोग खरीदी करने के लिए बाजार में पहुंचेंगे तो व्यवस्था काफी खराब होगी।यदि नपा प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने इससे पहले ही कोई स्थाई व्यवस्था कर दी तो हो सकता है कि इस बार ग्राहकों को कुछ राहत मिल सके। हालांकि अभी तक ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा है।

### हाथ ठेले, चार पहिया वाहनों से बिगड़ा यातायात

बाजारों में यातायात व्यवस्था को खराब करने में हाथ ठेलों और चार पहिया वाहनों की अधिक भूमिका रहती है। इनके जगह-जगह पर खड़े रहने के कारण सड़कें गलियों में तब्दील दिखाई देती हैं। जब तक इनके लिए कोई व्यवस्था नहीं कराई जाती तब तक समस्या बनी रहेगी।

### दुकानदार भी सड़क पर सजा रहे सामान

वैसे ही बाजारों की सड़कें सकरी हैं। ऊपर से त्योहार व शादी के समय दुकानदार भी दुकानों का सामान बाहर तक रख देते हैं। ऐसे में व्यवस्था बिगडने् लगती है। सबसे अधिक भीड़ कपड़े से लेकर किराना तक की दुकानों में हो रही है। यही हाल इलेक्ट्रिकल्स की दुकानों का है। इस कारण से सड़कों पर वाहन खड़े दिखाई दे रहे हैं।

### मुख्य मार्ग में हो रही सबसे ज्यादा परेशानी

नगर के बाजार में अव्यवस्थाएं चरम पर है। मार्ग के बीचों-बीच हाथ ठिलिया,व सड़क के दोनों ओर दुकान लगाने के कारण मार्ग काफी सकरी हो जाता है। ऐसे में मार्ग पर दोनों ओर की दुकानों के सामने ग्राहक खड़े रहते है। जिसके चलते यहां से गुजरने वाले पैदल राहगीरों व बाइक चालकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि इससे पहले प्रशासन ने सुचारू रूप से आवागमन को लेकर फुटकर दुकानदारो को सड़क किनारे से हटाया था। लेकिन धीरे-धीरे फुटकर व थोक व्यापारियों ने पुनः मार्ग पर कब्जा कर दुकानें लगा लिए है।

### करीब 6 -7 वर्ष पूर्व हुई थी ताबड़तोड़ कार्यवाही

शहर में इन दिनों आम नागरिक शहर की अव्यवस्था से परेशान हैं, सड़क पर फैले अतिक्रमण के कारण सड़क सकरी है वही वाहनों की पार्किंग नहीं होने से बाजार पहुचने वाले ग्राहक कहीं भी वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। बता दें कि लगभग 6-7 वर्ष पहले जिला प्रशासन,नगर पालिका प्रशासन और राजस्व अमले ने ताबडतोड़ कार्यवाही करते हुए नगर के अतिक्रमण को हटाकर यातायात की सुचारू व्यवस्था की थी लेकिन उस कार्यवाही के बाद अब इस पर विराम लग गया है।

### तो हो सकता है समस्या का समाधान

-सड़क किनारे और बीच में खड़े होने वाले हाथ ठेलों से व्यवस्था बिगड़ती है।कई जगह बीच सड़क पर हाथ ठेले खड़े कर दिए जाते हैं। इनके लिए कोई निर्धारित स्थान होना चाहिए।

-त्यौहारो व शादियों के समय दुकानों का सामान सड़कों पर नहीं रखा जाए तो समस्या बहुत कम होगी।

-सड़क पर पॉलीथिन बिछाकर दुकान लगाने से रोकने पर समस्या से निजात मिल सकती है

-प्रमुख चौराहों से ही वाहनों को बाजार के अंदर जाने से यदि यातायात व पुलिस जवान रोक दें तो स्थिति में काफी सुधार हो सकता है।

-त्यौहारो व शादियो की भीड़ होने से वाहनों की पार्किंग के लिए स्थलों का चयन होना जरूरी है।

-वही त्यौहार व शादी बाजार के लिए स्थान पहले से ही निर्धारित करना चाहिए, ऐसा करने से समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

### 2 दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने की शुरू करेंगे कार्यवाई -कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि यह विषय कलेक्टर साहब की अध्यक्षता में रखा गया था, बीच में अतिक्रमण हटाने के लिए हमने एक टीम भी बनाई थी, लेकिन कर्मचारियों का एक्सीडेंट होने के चलते इस कार्य में विलंब हो गया।हमारी टीम बनी हुई है,बस एक-दो दिन में अवंती बाई चौक से लेकर हनुमान चौक तक सड़क के दोनों किनारो में पसरे अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसकी रणनीति बना ली गई है, 02 दिनों के भीतर कार्यवाही शुरू होगी।

# सेवती-भानेगांव के बीच भीषण सड़क हादसा

### अनियंत्रित कार पुल के डिवाइडर से टकराई, एक की मौत-एक गंभीर घायल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट/किरनापुर।** क्षेत्र के अंतर्गत लांजी रोड़ ग्राम सेवती और भानेगांव के बीच बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रायपुर से बालाघाट की ओर आ रही एक क्विड कार अनियंत्रित होकर नहर के पुल के डिवाइडर से जा टकराई। इस हादसे में कार में सवार दो व्यक्तियों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक राजू पिता माधवराव कोसरे ग्राम चकरवाही बैहर बालाघाट निवासी है जिसे किरनापुर से जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। मृतक दीपक पिता गोपिया सोनवाने वार्ड नंबर 1 बूढी बालाघाट निवासी है। जिसका शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

### रायपुर से लौटते समय देर रात हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक सोनवाने बुधी बालाघाट निवासी जिम का संचालक था जिसके परिवार में एक छोटी बहन है। दीपक सोनवानी की पिछले वर्ष की शादी हुई थी। 10 मार्च को दीपक सोनवाने अपने जीजा राजू कोसरे के साथ कार सीजी 17 केपी 6822 से वाहन के काम से रायपुर छत्तीसगढ़ गए थे। और रायपुर से अपना काम निपटाना के बाद दोनों वापस बालाघाट लौट रहे थे। राजू कोसरे कार चला रहा था। 11 मार्च 2026 की मध्य रात्रि लगभग 2 बजे ग्राम सेवती के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर नहर पुल के डिवाइडर से टकरा गई।जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में दीपक सोनवाने और राजू कोसरे घायल हो गए थे। घटना की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना किरनापुर पुलिस मौके पर पहुंची और 112 वाहन की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया ।इस दौरान एक दीपक सोनवाने की सम्भवतः मौके पर ही मौत हो चुकी थी ।जबकि दूसरे घायल राजू कोसरे किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद राजू को बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। इस घटना की सूचना मिलते ही दीपक सोनवाने परिचित किरनापुर पहुंच चुके थे।

### पुलिस कर रही मामले की जांच

11 मार्च को किरनापुर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतक दीपक सोनवाने के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। वहीं गिरनापुर पुलिस ने इस मामले में कार चालक राजू कोसरे के विरुद्ध धारा 106(1),125(ए), 281 भारतीय न्याय संहिता और धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

## नेवरगांव फोरलेन पर सड़क हादसा, कार भैंसों से टकराई

### बरघाट लौट रहा परिवार बाल-बाल बचा, तीन भैंसें घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार देर शाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में बरघाट निवासी दो भाईयों का परिवार बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार गोंदिया से कार से लौट रहा परिवार नेवरगांव फोरलेन के पास सड़क पर अचानक दौड़ते हुए आई भैंसों से टकरा गया। हादसे में कार को काफी नुकसान पहुंचा, जबकि तीन भैंसें गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 543 पर स्थित नेवरगांव चौराहे के पास की बताई जा रही है। बताया गया कि स्विफ्ट डिजायर कार एमपी-20 सीबी-1866 के चालक नंदराम ठाकुर बरघाट से दो भाइयों के परिवार को गोरेगांव लेकर गए थे। 11 मार्च की शाम वे सभी वापस बरघाट लौट रहे थे। चालक नंदराम ठाकुर के ने बताया की जब वे बालाघाट और लवादा के बीच बने राष्ट्रीय राजमार्ग पर नेवरगांव चौराहे के पास पहुंचे, तभी अचानक सड़क पर दौड़ती हुई भैंसें सामने आ गईं। इससे कार सीधे भैंसों से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों भैंसें सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि कार का आगे का हिस्सा और बोनट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार दो भाइयों का परिवार और वाहन चालक सहित कुल पांच लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं और किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। घटना के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत मदद के लिए हाथ बढ़ाया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम जैसी स्थिति भी बन गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर यह पहली दुर्घटना नहीं है। इससे पहले भी लवादा और गोंदिया के बीच बने इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है।

### पुलिस थाना हट्टा की बड़ी कार्रवाई

## 16 मवेशियों को क्रुरतापूर्वक मारते पीटते महाराष्ट्र कत्लखाने ले जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले में अवैध गौ-तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हट्टा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 नग मवेशियों (बैल) को क्रूरता पूर्वक मारते-पीटते हुए महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनो आरोपी श्यामलाल पिता सत्तेलाल हरदे 50 वर्ष ग्राम भूताहटोला करियादण्ड थाना हट्टा,राकेश कुमार पिता स्व. बृजलाल परते 50 वर्ष ग्राम ग्वारी बैहर थाना बैहर निवासी है। जिनके पास से जप्त 16 नग मवेशी की कीमत डेढ़ लाख रुपए बताई गई।

### जंगल के रास्ते ले जाए जा रहे थे मवेशी

पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि ग्रामीण क्षेत्रों से गौ-वंशीय मवेशियों को अवैध रूप से मारते-पीटते हुए महाराष्ट्र के कत्लखानों की ओर ले जाया जा रहा है। इस मामले को पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा गंभीरता से लेते हुए सभी थाना प्रभारियों को गौ-तस्करी पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे ।10 मार्च 2026 की रात्रि को हट्टा थाने की पुलिस चौकी गोदरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भगतपुर से गोदरी के बीच मेन रोड से कुछ लोग बैलों को निर्दयता पूर्वक मारते पीटते हुए महाराष्ट्र की ओर ले जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची। जहा दो व्यक्ति 16 नग बैलों को डंडों से मारते-पीटते हुए भगतपुर की ओर से लाते हुए दिखे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 1,50,000 रुपये मूल्य के 16 मवेशी (बैल) को जप्त कर लिया तथा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया ।आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 22/2026 धारा 4, 6, 9 मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 तथा धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है ।गिरफ्तार आरोपी श्यामलाल पिता सत्तेलाल हरदे 50 वर्षग्राम भूताहटोला करियादण्ड थाना हट्टा राकेश कुमार पिता स्व. बृजलाल परते 50 वर्ष ग्राम ग्वारी बैहर थाना बैहर निवासी को बालाघाट की अदालत में पेश किया गया

### इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी हट्टा उप निरीक्षक अविनाश राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम के प्र.आर. संजय मोहबे, प्र.आर. अंकेश मेंढेकर, प्र.आर. कमलेश भौतेकर, प्र.आर. नंदकिशोर ठाकुर, आरक्षक कन्हैया टेम्भरे, आरक्षक विष्णुप्रताप सिंह,आरक्षक लक्ष्मीप्रसाद टेकाम, आरक्षक बजरंग पांचे और आरक्षक भूमेश्वर आर्मो की सराहनीय भूमिका रही।

# ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दूसरा गंभीर, जिला चिकित्सालय रिफर

## वाहन मालिक को घटना स्थल पर बुलाने एवं उचित मुआवजा की मांग को लेकर घंटो शव को लेकर ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन

## प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजन व ग्रामीणों का आक्रोश हुआ शांत, पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

**रिपोर्टर।**
**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।**

**लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत जाम स्थित राइस मिल के पास बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक अपने बेटे की शादी के कार्ड बांटने निकला था, लेकिन इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। वहीं मृतक की पहचान साल्हे मो. निवासी 46 वर्षीय सीताराम गुज्जर के नाम से हुई है एवं घायल व्यक्ति खारी निवासी 45 वर्षीय सोहनलाल गौतम है, जिसका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं घटना के बाद मृतक के परिजन व ग्रामीणजनों के द्वारा घटना स्थल पर ही सड़क के ऊपर शव रखकर ट्रक मालिक को घटना स्थल पर बुलाने, उचित मुआवजा एवं चालक पर कठोर कार्यवाही करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसकी जानकारी लगने पर पुलिस प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि पहुंचे और आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों को समझाईश दी किन्तु वे अपनी मांगों पर अड़े रहे और करीब 4 घंटे तक शव पड़ा रहा। जिसके बाद ट्रक मालिक के पहुंचने एवं मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद के रूप में 25 हजार रूपये दिये जाने एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मदद की और शासन से उचित मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया गया। जिसके बाद परिजनों का आक्रोश शांत हुआ। जिसके बाद शव को लेकर लालबर्रा अस्पताल लाया गया और पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए मृत व्यक्ति का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।**

### बेटे की शादी का कार्ड बांटने जा रहा था सीताराम

प्राप्त जानकारी के अनुसार साल्हे मो. निवासी सीताराम गु 'जर 46 वर्षीय के बेटे की शादी आगामी 1 मई को होनी तय थी। बुधवार सुबह करीब 11 बजे सीताराम अपने साथी सोहन गौतम 45 वर्षीय खारी निवासी के साथ मोटरसाइकिल से शादी के कार्ड बांटने बहेगांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जाम के राइस मिल के समीप सेवा सहकारी समिति की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक सवार दूर जा गिरा जबकि दूसरा बाइक समेत ट्रक में फंस गया। सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण सीताराम गुज्जर की मौके पर ही मौत हो गई और सोहन गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद मार्ग से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और घायल को ट्रक के अंदर से बाहर निकालकर एम्बुलेंस की मदद से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाये, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं ट्रक की टक्कर से बाईक सवार की घटना स्थल पर मौत हो जाने के इस हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और आक्रोशित लोगों ने ट्रक चालक की गिरफ्तारी, वाहन मालिक को मौके पर बुलाने और उचित मुआवजे की मांग को लेकर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक शव को सड़क से उठने नहीं दिया। विरोध प्रदर्शन के कारण बहेगांव से जाम मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। जिससे आने-जाने वालों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा।

### हेलमेट होता तो बच सकती थी जान

ट्रक की टक्कर से बाईक सवार की मौत हो जाने एवं एक व्यक्ति के घायल होने की घटना की सूचना मिलते ही वारासिवनी एसडीओपी विवेक शर्मा, थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे व अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर परिजनों को उचित कार्यवाही और मुआवजे का आश्वासन दिया। करीब 4 घंटे चले हंगामे के बाद ट्रक मालिक ने मृतक के परिजन को आर्थिक मदद के रूप में 25000 रूपये नगद दिये है, वहीं जिला पंचायत सभापति, पूर्व सांसद श्री मुंजारे ने भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया है और शासन से उचित मुआवजा दिलवाने आश्वास्त किया है। जब जाकर मृतक व्यक्ति के परिजनों व ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य लेकर आये। वहीं चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार दोनों व्यक्तियों ने हेलमेट नहीं पहना था। यदि सीताराम ने हेलमेट लगाया होता तो सिर में गंभीर चोट नही लगती और उसकी जान बच सकती थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

### कार्ड बांटने जा रहे थे पिताजी - प्रवीण

मृतक व्यक्ति का बेटा प्रवीण गुज्जर ने बताया कि पिताजी सुबह मोटरसाइकिल से शादी का कार्ड बांटने जा रहे थे तभी ट्रक चालक ने उनकी बाईक को जाम के राइस मिल के पास जबदस्त टक्कर मार दी। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई एवं एक व्यक्ति घायल हो गया है जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है। श्री गुज्जर ने बताया कि ट्रक चालक की लापरवाही के कारण उक्त हादसा घटित हुआ है, पुलिस प्रशासन से मांग है, चालक पर कठोर कार्यवाही कर हमें उचित मुआवजा दिलवाये।

### बिना फिटनेस के धडल्ले से भारी वाहन चल रहे है, कार्यवाही करें प्रशासन - डुलेन्द्र

जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने बताया कि साल्हे मो. निवासी सीताराम अपने बेटे की शादी का कार्ड बांटने अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल में मोहगांव जाम से बहेगांव की ओर जा रहे थे। तभी अचानक बहेगांव की ओर से आ रहे धन से भरे ट्रक चालक ने टक्कर मार दी जिससे एक व्यक्ति की घटना स्थल पर मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। इस तरह से बेटे की विवाह के पहले ही पिता का निधन होना परिवार के लिए बहुत दु:खद है। जिला प्रशासन से मांग है कि रेड क्रॉस के माध्यम से मृतक के परिजनों को लगभग 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी जाये और ट्रक मालिक ने 25 हजार रूपये दिया है। श्री ठाकरे ने बताया कि जिस ट्रक से हादसा घटित हुआ है उस ट्रक के दस्तावेज देखने के बाद पता चला कि 2023-24 तक के ही इस वाहन का फिटनेस था, उसके बाद से फिटनेस नही किया गया है, वाहन का इंश्योरेंस है या नही यह जानकारी आरटीओं विभाग से मिलेगा। साथ ही यह भी बताया कि बिना दस्तावेज, बिना फिटनेस के धडल्ले से भारी वाहन चल रहे है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि उन पर कार्यवाही करें और मृत व्यक्ति के परिजनों को मुआवजा दिलवाये।

# ब्लाक मरार माली समाज ने माता सावित्री बाई फुले को किया नमन

## माता सावित्री बाई फुले की मनाई गई पुण्यतिथि, शिक्षा के क्षेत्र में माता फुले के योगदान को किया याद

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित मरार माली समाज के भवन निर्माण प्रस्तावित स्थल में ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा के द्वारा मंगलवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारीगणों एवं सामाजिक बंधुओं ने उनके बताये मार्ग पर चलने और समाज उत्थान का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हाई स्कूल मार्ग महात्मा ज्योतिबाराव फुले की प्रतिमा स्थल चौक से हुआ। जहां सभी सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित हुए और महात्मा ज्योतिबाराव फुले की प्रतिमा एवं माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। जिसके बाद मानपुर स्थित सामुदायिक भवन निर्माण स्थल पर पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ब्लाक मरार माली समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारियों ने महात्मा 'योतिबाराव फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माता सावित्रीबाई फुले को भावभीनी श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया। इस पुण्यतिथि कार्यक्रम के अवसर पर सामाजिक गतिविधियों सहित समाजोत्थान पर चर्चा कर समाज का भवन निर्माण का कार्य जल्द शुरू करने एवं ब्लाक, सर्किल एवं ग्राम समाज कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित किये जाने का भी निर्णय लिया गया है और सभी को संगठित होकर काम करने की बात कही गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक पदाधिकारियों ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष और उनके महान कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता सावित्रीबाई फुले देश की वह प्रथम महिला शिक्षिका थी। जिन्होंने उस दौर में महिलाओं की शिक्षा के लिए संघर्ष किया, जब समाज में इसे वर्जित माना जाता था। आज यदि महिलाएं शिक्षित होकर बड़े प्रशासनिक पदों पर आसीन हैं और देश की प्रथम नागरिक (राष्ट्रपति) जैसे सर्वो च पदों की शोभा बढ़ा रही हैं, तो यह माता फुले के कड़े संघर्षों और प्रयासों का ही प्रतिफल है और हमें इस बात पर गर्व महसूस होता है कि आज की शिक्षित नारी समाज के हर क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही है, जो माता फुले के प्रति स'ची श्रध्दांजलि है। मरार माली समाज ब्लाक अध्यक्ष कैलाश मात्ते ने बताया कि देश की प्रथम शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की मंगलवार को पुण्यतिथि मनाकर उन्हे याद किया गया। साथ ही समाजोत्थान को लेकर भी कई महत्वपूर्ण चर्चाएं की गई है। जिसमें मानपुर में प्रस्तावित समाज के भवन निर्माण कार्य को जल्द प्रारंभ करने, ब्लाक, सर्किल एवं ग्राम के नवीन पदाधिकारियों को प्रशिक्षित कर समाज हित में कार्य करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन देने एवं सामाजिक एकता, समाज को नई दिशा में ले जाने और युवाओं को शिक्षा व स्वरोजगार से जोड़ने का संकल्प लिया गया। साथ ही कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में माता सावित्री बाई फुले के बताये मार्ग पर चलकर समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर ब्लाक मरार माली समाज ब्लाक अध्यक्ष कैलाश मात्ते सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू होगें 13 मार्च से

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** राज्य शिक्षा केन्द्र मध्यप्रदेश ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आईटीई) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस प्रक्रिया के माध्यम से कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के ब'चों को गैर-अनुदान प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में कक्षावार आरक्षित सीटों पर नि:शुल्क प्रवेश दिया जायेगा। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन लॉटरी पध्दति का उपयोग किया जायेगा। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आईटीई) के तहत अशासकीय स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया 13 मार्च से शुरू होने वाली है। वहीं सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश की कार्यवाही गत 9 मार्च से पोर्टल पर स्कूलों और उपलब्ध सीटों के प्रदर्शन के साथ शुरू होगी। अभिभावक 13 मार्च से 28 मार्च तक आरटीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर सकते है और आवश्यकता होने पर त्रुटि सुधार भी कर पायेगें। साथ ही आवेदन के पश्चात 14 मार्च से 30 मार्च 2026 के बीच निर्धारित शासकीय जनशिक्षा केन्द्रों पर मूल दस्तावेजों का सत्यापन करवाना अनिवार्य है। रेंडम प्रक्रिया से ऑनलाइन लॉटरी 2 अप्रैल को की जायेगी। जिसके बाद चयनित आवेदकों को एसएमएस द्वारा सूचना दी जायेगी। श्री तुरकर ने बताया कि आवंटित स्कूल में प्रवेश लेने और मोबाइल ऐप के माध्यम से रिपोर्टिंग करने की अवधि 3 अप्रैल से 15 अप्रैल तक निर्धारित की गई है।

### पात्रता श्रेणी और आवश्यक दस्तावेज

आरटीई योजना के अंतर्गत वंचित समूह में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त जाति, वनभूमि के पट्टाधारी परिवार, दिव्यांग और एचआईवी ग्रस्त बच्चे शामिल हैं। कमजोर वर्ग की श्रेणी में गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) रहने वाले परिवार, अनाथ ब'चे और कोविड-19 के कारण अनाथ हुए ब'चों को रखा गया है। आवेदन के लिए ब'चे की समग्र आईडी, आधार नंबर और निवास का प्रमाण पत्र जैसे मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड या बिजली बिल आवश्यक होगा। जन्म प्रमाण पत्र के रूप में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र या अस्पताल/आंगनवाड़ी का रिकॉर्ड मान्य होगा। वहीं नवीन शिक्षा नीति के अनुसार, सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए आयु की गणना प्री-प्रायमरी कक्षाओं (नर्सरी, केजी-1) के लिए 31 जुलाई 2026 और कक्षा-1 के लिए 30 सितम्बर 2026 की स्थिति में की जायेगी। नर्सरी के लिए न्यूनतम आयु 3 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष 6 माह, केजी-1 के लिए न्यूनतम 4 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष 6 माह, तथा कक्षा- 1 के लिए न्यूनतम 6 वर्ष और अधिकतम 7 वर्ष 6 माह निर्धारित है। सत्यापन के समय आयु के मूल दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आवेदन अपात्र माना जायेगा।

### स्कूलों का चयन और सावधानी

अभिभावक ऑनलाइन आवेदन करते समय न्यूनतम 3 और अधिकतम 10 स्कूलों का विकल्प चुन सकते हैं। प्राथमिकता अपने ही ग्राम या वार्ड के स्कूलों को दी जानी चाहिए, क्योंकि लॉटरी में प्रथम वरीयता स्थानीय निवासियों को ही मिलती है। साथ ही कोई ब'चा पहले से ही इस अधिनियम के तहत किसी निजी स्कूल में पढ़ रहा है, तो वह दोबारा आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होगा।

# 36 सौ किमी. नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर गृहग्राम लोहारा लौटेंगे नरेंद्र बोपचे आज

## भव्य स्वागत, नर्मदा पूजन एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत लोहारा के श्रध्दालु नरेंद्र बोपचे ने अपनी आस्था और संकल्प का परिचय देते हुए लगभग चार माह में 3600 किमी. की माँ नर्मदा पदयात्रा परिक्रमा सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। उन्होंने अपनी नर्मदा परिक्रमा की शुरूआत पवित्र तीर्थ ओंकारेश्वर से की थी और 10 मार्च को पुन: ओंकारेश्वर पहुंचकर विधि-विधान से परिक्रमा का समापन किया। साथ ही नरेन्द्र बोपचे ने अपनी 3600 किमी. की यह यात्रा दादा गुरू भगवान के सानिध्य में पूर्ण की है।

नरेंद्र बोपचे की इस कठिन और आध्यात्मिक यात्रा को क्षेत्र के लोगों द्वारा अत्यंत प्रेरणादायक बताया जा रहा है। माँ नर्मदा की कृपा से पूरी हुई इस पदयात्रा को लेकर उनके गृहग्राम तथा आसपास के क्षेत्रों में भी उत्साह का वातावरण है। नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर 12 मार्च को नरेद्र बोपचे अपने गृह ग्राम लोहारा पहुंचेगें जहां भव्य धार्मिक एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर माँ नर्मदा पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया है, जिसमें क्षेत्र के श्रध्दालुजन शामिल होंगे। जिसमें 12 मार्च को प्रात: 9 बजे नेवरगांव ला. से लोहारा तक पदयात्रा के साथ उनका स्वागत जुलूस निकाला जायेगा तत्पश्चात दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक माँ नर्मदा पूजन एवं हवन कार्यक्रम संपन्न होगा, जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के द्वारा क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

# अन्य शहर जाने कम खर्च पर मरीजों को 108 एम्बुलेंस की मिलेगी सुविधा-विवेक पटेल

## रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई सम्पन्न

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।**

**बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में रोगी कल्याण समिति के बैठक आहूत की गई। जिसमें सिविल हॉस्पिटल की स्वास्थ्य सेवाएं चिकित्सीय सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मरीजो को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने मशीनरी की मरम्मत कार्य करवाने जैसी विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वहीं लगभग २५ करोड़ रुपए की लागत से बन रही १०० बिस्तरीय निर्माणधीन बिल्डिंग का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबधित ठेकेदार को दिए। इस दौरान विधायक विवेक पटेल, एसडीएम कार्तिकेय जयसवाल, बीएमओ सत्यम शर्मा, पुरुषोत्तम देखमुख,मुकेश बरिया,सुदेश गुड्डु सोनी,शैलेन्द्र शेट्टी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।**

### कम खर्च पर मरीजों को मिलेगी सुविधा

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे मरीजों को गम्भीर बीमारी,एक्सीडेंट या अन्य इलाज के लिए शासकीय सिविल अस्पताल में इलाज करवाने आते है और उन्हें किसी कारणवस उन्हें बालाघाट ,गोंदिया,नागपुर, जबलपुर या अन्य स्थानों पर रिफर किया जाता है। उन्हें कम खर्च पर १०८ एम्बुलेंस द्वारा उन स्थानों पर पहुंचाया जाएगा जिससे उन्हें स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

### शराब पीकर ड्यूटी कर रहे डाक्टरों पर तत्काल सस्पेंड करने के दिए निर्देश

बैठक के दौरान अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल ने कहा कि लगातार शराब पीकर ड्यूटी करने की शिकायत मिल रही है। जिससे हॉस्पिटल का माहौल खराब हो रहा है,मरीज परेशान हो रहा है। मरीज को समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। ऐसे शराब पीने वाले डॉक्टर को तत्काल सस्पेंड करने के निर्देश एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल द्वारा बीएमओ सत्यम शर्मा को दिए।

### बचे फंड से तत्काल करवाए सुधार कार्य

शहर एवं ग्रामीणों क्षेत्रों के मरीज शासकीय हॉस्पिटल में अपना इलाज करवाने आता है। जब उन्हें कोई सुविधा नहीं मिलती तो वे निराश होकर वापस चले है और कर्ज लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल में हजारों रुपए खर्च कर ईसीजीएएक्सरे करवाते है। अभी फंड में लगभग ११ लाख रुपए की राशि बची है। उन्हीं राशि से इसी माह तत्काल ठीक करवाए ताकि जल्द से जल्द मरीजों को इसका लाभ मिल सके।

### डॉक्टरों की कमी को पूरा करने रहे प्रयास -विवेक पटेल

विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा की एक्सरे मशीन, ईसीजी मशीन खराब पड़ी है। जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी माह के अंतिम तक हॉस्पिटल में जितनी भी मशीन खराब पड़ी है उनका सुधार कार्य करके शुरू करने के निर्देश दिए है। वहीं कम खर्च पर मरीजों को १०८ एम्बुलेंस की सुविधा मिलेगी। बालाघाट १ हजार रुपए,गोंदिया २ हजार रुपए,नागपुर ५हजार रुपए, छिंदवाडा ७ हजार रुपए और जबलपुर,रायपुर का ७ हजार रुपए डीजल का किराया तय किया गया है। वहीं अभी कुछ डाक्टरों की कमी है मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से चर्चा कर क्षेत्र के हॉस्पिटल में डॉक्टर लाने का प्रयास करेंगे।

# चिखलाबांध में गोंडी धर्म व साहित्य सम्मेलन का हुआ आयोजन

## विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा समाज की परंपराएं हमारी पहचान

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम चिखलाबांध पोलवतुर टोला में प्रकृति शक्ति बड़ा देव पूजन एवं गोंडी धर्म व गोंडी साहित्य सम्मेलन का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी विशेष रूप से शामिल हुए और समाजजनों के साथ बड़ा देव की विधिवत पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख.समृद्धि, शांति और प्रगति की कामना की। कार्यक्रम के दौरान गोंडवाना समाज की समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और गोंडी साहित्य की महत्ता पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की पहचान और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सम्मेलन के माध्यम से समाजजनों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और धर्म से जुड़ने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भुवनलाल कुराम, नेतलाल रामटेके, दीपक ऐडे, तेजलाल चौधरी, पुष्पेंद्र देशमुख, शुभम उईके, नंदकिशोर भलावी, सालिकराम सरोते, ओमकार खंडाते, समारूलाल उईके, रामसिंह वरकड़े, उमनसिंह उईके, रमेश उईके, सुखराम इनवाती, सुन्नूलाल सिरसाम, सुरेश खणाते, सुनील उईके, विजय उईके सहित आयोजन समिति के सदस्यए अतिथि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

### गोंडवाना समाज की परंपराएं हमारी धरोहर-गौरव सिंह पारधी

इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि गोंडवाना समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और गोंडी साहित्य हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करना और आने वाली पीढियों तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं और युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। विधायक पारधी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजक समिति एवं समस्त समाजजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

# गेहूं पंजीयन से चुके किसान चना, सरसो पंजीयन में भी पोर्टल बदहाल

## क्षेत्र के काफी कृषक गेहूं उपज के पंजीयन से चूक गए

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के पंजीयन बंद हो गए हैं। वर्तमान में चना और सरसों का पंजीयन प्रारंभ है ऐसे में क्षेत्र के काफी कृषक गेहूं उपज के पंजीयन से चूक गए हैं। जिसका कारण पंजीयन पोर्टल को बताया जा रहा है की कुछ दिनों तक पोर्टल का सर्वर डाउन रहा और तारीख बढ़ने के बाद बहुत ज्यादा धीमी गति से किसानों का पंजीयन हुआ। जिससे कुछ ही पंजीयन हो पाए बाकी किसानों के फॉर्म सोसायटी में पड़े हुए हैं तो वही कई किसान अपना फार्म उठाकर ले जा लिए है। जिनके सामने अब गेहूं फसल को उचित मूल्य में बाजार में बेचने की समस्या पैदा हो गई है ,क्योंकि बाजार मूल्य की स्थिति काफी दयनीय बताई जा रही है। जिससे कि किसानों को घाटे का ही सौदा होना है हालांकि गेहूं पंजीयन समाप्त होने के बाद भी पोर्टल की गति में कोई सुधार नहीं आया है। यही कारण है कि चना और सरसों के पंजीयन में भी दिक्कतें उत्पन्न हो रही है। ऐसे में लंबी दूरी तय कर लोगों को केंद्र के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है।

### मात्र ४२३ किसानों का हुआ पंजीयन

समर्थन मूल्य पर गेहूं ,चना और सरसों शासन को देने के लिए पंजीयन चल रहा है। जिसमें १० मार्च को गेहूं पंजीयन समाप्त हो गए हैं १५ मार्च तक चना और २० मार्च तक सरसों का पंजीयन होना है। पोर्टल की गति बहुत ज्यादा धीमी होने के कारण अभी तक ४२३ किसानों के ही पंजीयन समिति में हो पाए हैं। इसके अलावा गेहूं ,चना और सरसों के करीब ६० फॉर्म सोसायटी में जमा है जिसमें अधिकांश गेहूं के फॉर्म है। वहीं रोजाना चना और सरसों के लिए भी किसान आ रहे हैं। इस दौरान पंजीयन करने में मूल समस्या पोर्टल बना हुआ है और बीते १० दिनों से किसानों के द्वारा पोर्टल की गति में सुधार करने की मांग की जाती रही है। परंतु शासन के द्वारा तारीख बढ़ाने के अलावा पोर्टल पर कोई ध्यान नहीं दिया गया यही कारण है कि समस्या यथावत बनी हुई है। चना सरसों के किसान भी चिंतित है कि उनका पंजीयन नहीं हुआ तो क्या होगा।

### पंजीयन नही होने से किसानों में आक्रोश है- राजेश क्षीरसागर

किसान राजेश क्षीरसागर ने बताया कि गेहूं का पंजीयन करवाने के लिए ३ दिन से आ रहा हूँ पोर्टल बेहद खराब चल रहा है। एक भी पंजीयन नहीं हो रहा है गेहूं की समय अवधि अब समाप्त हो गई है मेरे जैसे ६० किसानों के पंजीयन फार्म यहां पर रखे हुए हैं। अब चाह रहे हैं कि सरसों का पंजीयन हो जाए परंतु काफी धीरे पोर्टल होने से दिक्कत हो रही है। इसमें ऑपरेटर और किसान दोनों परेशान हो रहे हैं सुबह से मैं आया हूं दो पंजीयन हुए हैं तीसरा कर रहे हैं। ऐसा रहा तो किसान की उपज शासन नहीं खरीदेगा अभी गेहूं का बाजार मूल्य २१०० रुपए प्रति क्विंटल बताया जा रहा है। जबकि समर्थन मूल्य करीब २६०० रुपए प्रति क्विंटल है गेहूं यदि बहुत गिरा हुआ रेट बिकेगा तो किसानो को समस्या होगी क्योंकि उसे सीधे ५०० रूपये का नुकसान हैं। पोर्टल की गति को बढ़ाना चाहिए ताकि सभी का पंजीयन समय पर हो।

### पंजीयन प्रक्रिया धीमी गति से पेरशान है किसान-योगेन्द्र मात्रे

लेखापाल योगेंद्र मात्रे ने बताया कि गेहूं के पंजीयन के लिए ६ मार्च से किसान बहुत ज्यादा बड़े १० मार्च को पंजीयन प्रक्रिया समाप्त हुई। जब किसान ज्यादा आए थे तो वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि फॉर्म जमा कर लो तो उसमें कुछ हुए कुछ नहीं हुए जो सरवर नहीं चलने के कारण चूक गए। अधिकारी ने कहा था कि फार्म और मोबाइल नंबर रख लो सर्वर चलने पर कर देना १० मार्च को गेहूं ,१५ मार्च को चना और २० मार्च को सरसों का पंजीयन समाप्त होगा। ऐसे में अभी ६० फॉर्म है जिनमें गेहूं पंजीयन तो नहीं हुआ चना, सरसों में भी दिक्कत आ रही है। अभी तक ४२३ पंजीयन गेहूं ,चना सरसों के हुए हैं गिरदावरी के अनुसार समस्या पंजीयन करने के लिए कहां पर सर्वर की दिक्कत है। एक दिन में ५ से १० या किसी दिन शून्य पंजीयन हो रहे हैं अधिकारी पंजीयन करने कहते हैं सर्वर पर कोई सुधार नहीं है।

# मवेशी कत्लखाने ले जा रहे चार आरोपी गिरफ्तार

## क्रूरतापूर्वक मवेशी ले जा रहे आरोपियों पर खैरलांजी पुलिस ने की कार्यवाही

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** खैरलांजी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम फूलचूल शंकर पिपरिया मार्ग पर पुलिस ने क्रूरतापूर्वक हाकते पिटते आठ मवेशियों को महाराष्ट्र कत्ल खाने ले जा रहे चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्यवाही जिले में चलाए जा रहे अवैध गौ तस्करी के अभियान के तहत की गई है। गिरफ्तार चार आरोपियों में श्रीकांत पिता सुखलाल शरणागत उम्र ३७ वर्ष हरदौली तुमसर थाना सिहोरा, विनोद पिता देवराम विठुले उम्र ३५ वर्ष सिंदपुरी तुमसर थाना सिहोरा, राधेश्याम पिता आत्माराम नदरधने उम्र ३९ वर्ष निवासी सिंदपुरी तुमसर थाना सिहोरा एवं रामप्रसाद पिता गणपत पारधी उम्र ५० वर्ष ग्राम हरदौली तुमसर थाना सिहोरा शामिल है , जिनके पास से पुलिस ने ८ नग मवेशी बरामद किए हैं जिनकी कीमत हजारों है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी मध्य प्रदेश महाराष्ट्र बॉर्डर का अंतिम क्षेत्र है जहां कुछ दूरी से महाराष्ट्र बॉर्डर प्रारंभ हो जाती है। ऐसे में मवेशी तस्करों के लिए यह रास्ता एक सर्वोत्तम मार्ग प्रतीत होता है,जहां पर गौ सेवकों के द्वारा लगातार मवेशी तस्कर के हौसले पस्त किए जाते हैं। ऐसे में कंटेनर पिकअप पैदल सहित अनेक प्रकार से तस्करों के द्वारा मवेशियों की तस्करी की जाती है। जिसकी सूचना लगातार पुलिस को मिलती रहती है जिस पर बीते दिनों कुछ कार्यवाहियां भी की गई थी। ऐसे ही खैरलांजी पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली थी कि कटंगी मोहगांव होते हुए मवेशियों को कत्लखाने ले जाया जा रहा है। जिस पर खैरलांजी पुलिस के द्वारा गस्ती के माध्यम से मार्ग पर मूखबीर सूचना के आधार पर घात लगाए हुए थे। जहां पर चार व्यक्तियों के द्वारा आठ मवेशियों को जोड़ी में बांधकर कील लगे डंडे से मारते हुए रस्सी से घसीटते हुए क्रूरता पूर्वक ले जाया जा रहा था। जिसमें पुलिस के द्वारा फूलचूर शंकर पिपरिया के बीच मेंन रोड शिव मंदिर के पास में घेराबंदी कर उन्हें रोका गया। जिनसे पूछताछ की गई परंतु इस दौरान उक्त व्यक्ति मवेशियों के संबंध में कोई वैद्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं कर पाए। वहीं उन्होंने बताया कि यह मवेशी वह आपस में बांधकर कटंगी मोहगांव से कत्लखाने ले जा रहे हैं। जिसमें पुलिस के द्वारा चारों व्यक्ति श्रीकांत पिता सुखलाल शरणागत उम्र ३७ वर्ष हरदौली तुमसर थाना सिहोरा, विनोद पिता देवराम विठुले उम्र ३५ वर्ष सिंदपुरी तुमसर थाना सिहोरा, राधेश्याम पिता आत्माराम नदरधने उम्र ३९ वर्ष निवासी सिंदपुरी तुमसर थाना सिहोरा एवं रामप्रसाद पिता गणपत पारधी उम्र ५० वर्ष ग्राम हरदौली तुमसर थाना सिहोरा को गिरफ्तार कर आठ मवेशियों को जप्त कर खैरलांजी थाने में लाया गया। पुलिस के द्वारा चारों व्यक्तियों के खिलाफ मध्य प्रदेश गौ वंश वध प्रतिषेध अधिनियम २००४ की धारा ४,६,९ मध्यप्रदेश पशु परीक्षण अधिनियम की धारा ४ ६ पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा ११ के तहत अपराध पंजीबध्द कर जांच में लिया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी दीपक गौतम ,सहायक उपनिरीक्षक सतीश गेडाम, प्रधान आरक्षक नवनीत कुम्हरे ,आरक्षक विष्णु जाट, राम सिंह मेवाड़ा ,आकाश अहिरवार ,उमेश यूके की सराहनीय भूमिका रही।

# दिनेश मेश्राम को न्यायालय ने भेजा जेल

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी थाना अंतर्गत ४५ वर्षीय महिला के द्वारा दिनेश मेश्राम पर दुराचार का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें पुलिस ने दिनेश मेश्राम को न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ४५ वर्षीय महिला की दिनेश मेश्राम से जान पहचान थी जो अक्सर बातें किया करते थे। ऐसे ही दिनेश मेश्राम के द्वारा महिला को शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म किया गया जिसमें आरोपी के द्वारा लगातार महिला के साथ दुराचार किया गया। परंतु जब महिला के द्वारा दिनेश मेश्राम को विवाह करने प्रस्ताव दिया गया तो उक्त व्यक्ति विवाह करने से मुकर गया। जिस पर ४५ वर्षीय महिला के द्वारा थाने में आकर घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

जिसमें पुलिस के द्वारा तत्काल दिनेश मेश्राम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जिसे अदालत ने जेल भेज दिया हैं। वहीं पुलिस के द्वारा मामले में विवेचना की जा रही है।

# जिला मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न

## वर्ष 2026-27 के लिए अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण पर हुई चर्चा

## प्रस्तावित मूल्य पर 16 मार्च तक सुझाव एवं आपत्तियॉ प्रस्तुत की जा सकती है

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कलेक्टर एवं जिला मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में 11 मार्च को वर्ष 2026-27 के लिए अचल संपत्तियों के बाजार मूल्यों के निर्धारण संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री गौरव सिंह पारधी, जिला पंजीयक श्रीमती कीर्ति असाटी, हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री श्री जयंत देशमुख सहित समिति में नामित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित गाइडलाइन मूल्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति द्वारा जिले में निर्धारित कुल 2283 लोकेशनों में से 1221 लोकेशनों की दरों में वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। जिला मूल्यांकन समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों को अवलोकन के लिए जिला पंजीयक कार्यालय एवं उप-पंजीयक कार्यालय में आमजनों के लिए उपलब्ध कराया गया है। नागरिक इन प्रस्तावों पर अपने सुझाव एवं आपत्तियां 16 मार्च 2026 को सायं 5 बजे तक जिला पंजीयक कार्यालय, बालाघाट में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों के आधार पर अंतिम प्रस्ताव तैयार कर अनुमोदन के लिए केंद्रीय मूल्यांकन समिति, भोपाल को भेजा जाएगा।

# ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली ख़ामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रंद्धाजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कमर्शियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है। अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं।

प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फ़ारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुग़लों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यत: सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं। अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है। ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है। आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इज़रायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है। वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं। पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इज़राइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया 'मत्स्य-न्याय' यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है।

विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निर्माता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डील्स्, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है।

आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह

किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां जिसकी लाठी उसकी भैंस ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा।

भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की हो ? पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट्र की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है।

यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से वसुधैव कुटुम्बकम् का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वहित की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

- ललित गर्ग

# लापता होते बचपन की भयावह तस्वीर और समाज प्रशासन की जिम्मेदारी

भारत में बच्चों के लापता होने की बढ़ती घटनाएं आज पूरे समाज के सामने एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती के रूप में खड़ी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यह स्थिति बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए हमारी व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता दोनों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति पश्चिम बंगाल की है जहां 19145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15465 बच्चों को ढूंढ लिया गया लेकिन 3680 बच्चे अभी भी लापता हैं। दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है जहां 4256 बच्चे गायब हुए और 1059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया। हरियाणा के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं जहां 2209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा केवल किसी एक राज्य का नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है।

कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। नागालैंड अरुणाचल प्रदेश मणिपुर त्रिपुरा गुजरात लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली जैसे क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि जहां समाज सतर्क है और प्रशासन सक्रिय है वहां ऐसी घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। हालांकि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या अधिक होने का कारण यह भी है कि वहां दूसरे राज्यों के बच्चे भी पाए गए।

लापता बच्चों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बच्चे पारिवारिक विवाद या गुस्से में घर छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं। वहीं कई मामलों में मानव तस्करी और बच्चों को अगवा करने वाले गिरोह भी सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि ऐसे मामलों को केवल एक सामान्य घटना समझकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार बच्चों को मजदूरी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों में धकेल दिया जाता है जिससे उनका पूरा भविष्य अंधकार में चला जाता है।

समाचारों में सामने आए कुछ उदाहरण इस दर्दनाक सच्चाई को और गहरा कर देते हैं। हरियाणा के अंबाला की 14 वर्षीय लड़की 8 जनवरी को अपनी सहेली के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वह वापस नहीं लौटी। बस स्टैंड की सीसीटीवी फुटेज में उसे जाते हुए देखा गया लेकिन उसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी तरह अंबाला कैंट की एक लड़की परिवार से नाराज होकर घर से निकली और अभी तक वापस नहीं लौटी। परिवार अपनी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहा है और पिता शहर में पर्चे बांटकर लोगों से जानकारी देने की अपील कर रहे हैं। ऐसे मामलों में परिवार की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल होता है।

हाल ही में मध्य प्रदेश के झाबुआ में भी एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई जहां साढ़े तीन साल की एक मासूम बच्ची बाजार से अचानक लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज में वह एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक महिला के साथ दिखाई दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन यह घटना बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कितनी सतर्कता आवश्यक है।

आजकल सोशल मीडिया और इंटरनेट पर ऐसे कई वीडियो सामने आ रहे हैं जिनमें बच्चों को अगवा करने वाले गिरोहों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। हालांकि हर वीडियो सही नहीं होता लेकिन कई मामलों में यह सच भी साबित हुआ है कि बच्चों को चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। ऐसे गिरोह बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें अगवा कर लेते हैं और फिर उन्हें दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने या अवैध कामों में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। यह केवल कानून का नहीं बल्कि मानवता का भी बड़ा अपराध है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन को और अधिक सख्ती से काम करना होगा। लापता बच्चों के मामलों में तुरंत कार्रवाई होना जरूरी है। हर जिले में विशेष टीम बनाई जानी चाहिए जो ऐसे मामलों की जांच करे। सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क मजबूत किया जाए और बस स्टैंड रेलवे स्टेशन बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही पुलिस को बच्चों को चुराने वाले गिरोहों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाना चाहिए।

जब तक पुलिस ऐसे गिरोहों को पकड़कर जेल में नहीं डालेगी तब तक यह सिलसिला पूरी तरह खत्म नहीं होगा। अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में एक मजबूत संदेश जाए कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही पुलिस को दूसरे राज्यों के साथ समन्वय बनाकर भी काम करना चाहिए क्योंकि कई मामलों में बच्चों को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जाता है।

सिर्फ प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। माता पिता को अपने बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अजनबियों से सावधान रहने की शिक्षा देनी चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना देना चाहिए। समाज की जागरूकता कई अपराधों को होने से पहले ही रोक सकती है।

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनका सुरक्षित बचपन ही एक मजबूत समाज की नींव रखता है। यदि बच्चे ही असुरक्षित महसूस करेंगे तो यह पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी है। इसलिए जरूरी है कि सरकार प्रशासन और समाज मिलकर इस समस्या से लड़ें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा असुरक्षित न रहे।

आज जरूरत इस बात की है कि लापता बच्चों के हर मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और उसे केवल एक आंकड़ा बनकर न रहने दिया जाए। जब तक हर बच्चे को सुरक्षित घर और सुरक्षित भविष्य नहीं मिलेगा तब तक समाज की प्रगति अधूरी रहेगी। बच्चों की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य है। जब प्रशासन की सख्ती और समाज की जागरूकता साथ आएगी तभी लापता होते बचपन की यह दर्दनाक कहानी रुक सकेगी और हर बच्चे को सुरक्षित जीवन मिल सकेगा।

- कांतिलाल मांडोत

# भारत तेज़ी से बढ़ती कौशल विशेषज्ञता से बेरोजगारी को जड़ से मिटा देनें में जुटा

वैश्विक स्तरपर आज दुनियां रूस यूक्रेन युद्ध से लेकर हमास-इसराइल के बीच भयंकर युद्ध तक की चुनौतियों से घिरा हुआ है वह अभी अमेरिका से टैरिफ वार, जिसमें आर्थिक चुनौतियां, जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक अविश्वास, बढ़ती गुटबाजी, विस्तारवाद,आतंकवाद से लेकर संवेदनशीलता तक की चुनौतियों से निपटने में अधिक वक्त निकलता जा रहा है जो समय के साथ-साथ अपनी जटिलताओं से जकड़ते जा रहा है, कहीं अपना वीटो पावर तो कहीं विस्तारवाद कहींआतंकवाद तो कहीं ज्वेलेसी की विशालता घर करते जा रही है। ऐसी सब चुनौतियों से घिरी दुनियाँ में अगर हम भारत को देखें तो उसकी आवाज बुलंद होती जा रही है, जिसका अंदेशा इसी से लगाया जा सकता है कि लगभग सारे पश्चिमी देशों का सकारात्मक संज्ञान लेकर भारत की ओर रुझान, भारत की ओर होते जा रहा है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वहीं रुस उसके अनेक समर्थन वाले देश भी भारत को पसंद करते हैं जिसका मूल कारण यह है कि भारत स्पेस प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक परिवहन स्वास्थ्य शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विदेश नीति सटीक है। चूंकि बात शिक्षा पर निकली है तो देश भर के सभी कौशल विकास संस्थाओं ने संयुक्त दीक्षांत समारोह का आयोजन नई दिल्ली में किया था जो सराहनीय कार्य था। इस सामूहिक प्रयास से चार चांद और लग गए जब माननीय पीएम ने इस दीक्षांत समारोह को वर्चुअल संबोधित किया, कौशलता विकास पूरा कर उसकी डिग्री लेने वाले छात्रों के प्रोत्साहन का ठिकाना नहीं रहा जो खुशी जोश जज्बे से लबालब होकर झूम उठे। चूंकि कौशलता विकास को प्राप्त करने मजबूत युवा शक्ति आगे आ रही है, जिससे देश केसंसाधनों से न्याय होता है। देश रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला बन रहा है, इसलिए उद्योग अनुसंधान और कौशल विकास संस्थाओं के लिए वर्तमान समय के अनुसार सामंजस्य स्थापित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए आज हम पीआईबी में उपलबध्य जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कौशलता विकास युवाओं को रोजगार देने वाला बनाने के दूरगामी परिणामों से भारत तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बननें वाला देश शीघ्र बनेगा।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन करने की करें तो उन्होंने कहा भारत में कौशल विकास का दायरा लगातार बढ़ रहा है। हम केवल मैकेनिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकी या किसी अन्य सेवा तक सीमित नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने उल्लेख किया था कि महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए तैयार किया जा रहा है। रोजमर्रा के जीवन में विश्वकर्माओं के महत्व पर जोर देते हुए, पीएम विश्वकर्मा योजना का उल्लेख किया जो विश्वकर्माओं को अपने पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक और उपकरणों के साथ जोड़ने में सक्षम बनाता है।स्किलिंग, अपस्किलिंग और री-स्किलिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने नौकरियों की तेजी से बदलती मांगों और प्रकृति पर ध्यान दिया तथा तदनुसार कौशल को उन्नत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसलिए उद्योग, अनुसंधान और कौशल विकास संस्थानों के लिए वर्तमान समय के अनुरूप सामंजस्य होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल पर बेहतर ध्यान देने का जिक्र करते हुए, पिछले वर्षों में देश में लगभग 5 हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं, जिसमें 4 लाख से अधिक नई आईटीआई सीटें शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के साथ कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थानों को मॉडल आईटीआई के रूप में उन्नत किया जा रहा है।भारत में कौशल विकास का दायरा लगातार बढ़ रहा है। हम केवल मैकेनिकों, इंजीनियरों, अन्य सेवा तक सीमित नहीं है। पीएम ने कहा क्योंकि उन्होंने उल्लेख किया था कि महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए तैयार किया जा रहा है। रोजमर्रा के जीवन में विश्वकर्माओं के महत्व पर जोर देते हुए, पीएम ने इसके लिए भारत की युवा आबादी को श्रेय देते हुए कहा, आज पूरी दुनिया इस बात पर विश्वास कर रही है कि यह सदी भारत की सदी होगी। पीएम ने रेखांकित किया कि जब दुनिया के कई देशों में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है, भारत हर गुजरते दिन के साथ युवा हो रहा है। भारत को इसका बहुत बड़ा फायदा है, उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया अपने कुशल युवाओं के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल स्किल मैपिंग को लेकर भारत के प्रस्ताव को हाल ही में जी 20 शिखर सम्मेलन में स्वीकार कर लिया गया, जिससे आने वाले समय में युवाओं के लिए बेहतर अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। पीएम ने किसी भी अवसर को बर्बाद न करने का सुझाव दिया और आश्वासन दिया कि सरकार इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए तैयार है। उन्होंने पिछली सरकारों में कौशल विकास के प्रति उपेक्षा की ओर इशारा करते हुए कहा, हमारी सरकार ने कौशल के महत्व को समझा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया और एक अलग बजट आवंटित किया। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत अपने युवाओं के कौशल में पहले से कहीं अधिक निवेश कर रहा है और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का उदाहरण दिया जिसने युवाओं को जमीनी स्तर पर मजबूत किया है। पीएम ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक करीब 1.5 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि औद्योगिक समूहों के पास नए कौशल केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं जो उद्योग को कौशल विकास संस्थानों के साथ अपनी आवश्यकताओं को साझा करने में सक्षम बनाएंगे, जिससे बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए युवाओं के बीच आवश्यक कौशल समूह विकसित प्राथमिकता से होंगे।

साथियों बात अगर हम स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया योजनाद्वारा दी नयी उड़ान की करें तो पीएमकेवीवाई के साथ केंद्र सरकार ने स्टार्ट अप को सहुलियतों के साथ बढ़ावा देने की बात है। स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया की नई योजना को गति देने के फैसले की यह प्रमुख वजह है। इसके तहत यूनिक बिजनेस आइडिया वाले बिजने पर सरकार 55 फीसदी तक सरकारी मदद मुहैया करा रही है।उद्यमिता के लिए पीएम मुद्रा बैंक योजना महत्वपूर्ण है। इसके जरिए गांव से शहरों की ओर पलायन कर रहे युवकों को उद्यमी बनाने का उपाय है। जो जहां है वह प्रधानमंत्री मुद्रा बैंक योजना का लाभ लेकर उद्यमिता शुरु कर सकता है। मुद्रा योजना में बैंक से बिना किसी गारंटी के 10 लाख तक की मुद्रा सहायता (ऋण मदद) का प्रावधान है। आवेदक की कुशलता, उद्योग का प्रकार और उद्योग की ?रूरत को ध्यान मे रखते हुए ऋण दी जा रही है। मुद्रा योजना का विस्तृत अर्थ माइक्रो यूनिट डेवलोपमेंट री-फाइनेंस एजेंसी है, जिसे संक्षिप्त नाम मुद्रा दिया गया है।रोजगार की समस्या से जूझते देश के छोटे और मध्यरम उद्योग नौकरी के नए अवसर पैदा करने के सबसे बड़े स्रोत हैं। जाहिर तौर पर कौशल विकास केंद्रों से निकलने वाले प्रशिक्षितों को इन उद्योगों में जगह मिलनी है। इन उद्योंगों की पुरानी मांग रही है कि पलायन की वजह से स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित कर्मचारी मिलने में समस्या आ रही है। कौशलयुक्त कमर्चारियों की उपलब्धता से उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्तकर पर मुकाबला करने में कठिनाइयां दूर होंगी।आंकड़ों के मुताबिक लघु उद्योग कुल उद्योग के करीब 90 प्रतिशत से ज्या दा हैं।पीएमकेवीवाई योजना से इनको कौशलयुक्त कर्मचारियों का मिलना बिन मांगी मुराद पूरी होने जैसा है। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की ओर से उपलब्ध जानकारी के मुताबिक बीते साल नवंबर से अबतक देश के अलग अलग हिस्सों में दस रोजगार मेलाओं का आयोजन किया गया है। इनमें एक लाख दस हजार आवेदक पहुंचे। जिनमें से अठारह हजार लोगों को कौशलयुक्त कर्मियों की चाहत रखने वाले साठ से ज्यादा कंपनियों ने आन स्पॉट नौकरी में बहाल कर लिया। पीएमकेवीवाई केंद्रों से निकलने वालेकौशलयुक्त कर्मियों के लिए आने वाले दिनों में और भी व्यापक पैमाने पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है। जाहिर तौर पर इसकी सफलता रोजगार के समाधान की कुंजी बनने वाली है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों पर बोलने की करें तो, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी हालिया आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए, पीएम ने बताया कि भारत आने वाले वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुखअर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में ले जाने के अपने संकल्प को भी याद किया और कहा कि आईएमएफ को भी भरोसा है कि अगले 3-4 वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने रेखांकित किया कि इससे देश में रोजगार और स्वरोजगार के नये अवसर पैदा होंगे।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत कौशलता विकास के बल पर चुनौतियों को चुनौती देकर आगे बढ़ रहा है।भारत तेज़ी से बढ़ती कौशल विशेषज्ञता से बेरोजगारी का नामोनिशान मिटा देनें में जुटा।कौशलता विकास युवाओं को रोज़गार देने वाला बनाने के दूरगामी परिणामों से भारत तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला देश शीघ्र बनेगा।

- किशन सनमुखदास भावनानीं

# इंदौर बाजार भाव

**इंदौर। एजेंसी।** ऊपरी स्तरों पर माँग ठंडी पड़ने से बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना मजबूत हुआ। किराना जिंसों में शक्कर में मजबूती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से बाजार नरमी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना मजबूत नज़र आया। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूती पर नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 4130-4170, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 275-277, सांगली 283-285, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 825-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-950, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

**तेल**- सींगदाना 1680-1700, मुम्बई 1720, राजकोट तेलिया 2600, सोया साल्वेंट 1350-1355, सोया रिफाइंड 1390-1395, कपास्या 1350, धूलिया 1360, कड़ी 1360,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1600-1650, मुम्बई पाम 1390, मुम्बई सोया 1400,

**खली**- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन**- सरसो 6200-6500, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5200-5300, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

**अनाज**- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

**मावा**- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर। एजेंसी।** बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 266000, चाँदी (99) 265000, टंच 264500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 161000,

## रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुम्बई। एजेंसी।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.07 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 91.96 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 91.57 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी आने और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक सफलता से मिली राहत के कारण रुपया उच्च स्तर पर खुला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.60 पर खुला, फिर कुछ बढ़त हासिल करते हुए 91.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।वहीं मंगलवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे बढ़कर 91.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

# शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

**मुम्बई। एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में छाये संशय के कारण आई हैं। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के साथ ही निवेशको के बाजार से दूर होने से भी बिकवाली हावी हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1313 अंकों की गिरावट के साथ ही अंत में सेंसेक्स 1342.2776,863.71 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी करीब 394.75 अंक फिसलकर 23,866.85 के स्तर पर बंद हुआ। इससे निवेशकों के करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए डूब गये। आज कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स में महिन्द्र एंड महिन्द्रा , बजाज फाइनेंस , भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 2 से 4 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अडानी पोर्ट और एनटीपीसी व सन फार्मा के शेयरों में हल्की बढ़त दर्त की

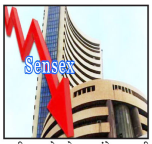


गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ऑटो और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो इंडेक्स सबसे ज्यादा करीब 2 फीसदी टूटा। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भी करीब 1.8 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावस फार्मा सेक्टर में हल्की तेजी रही।बाजार जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण निवेशक बाजार से दूरी बना रहे हैं जिससे बिकवाली हावी है। इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 78,238 अंक पर खुला। सुबह ये 177.85 अंक फिसलकर 78,028.13 पर था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी सुबह 52.20 अंक की गिरावट के साथ 24,209 पर कामकाज करता दिखा। वहीं कच्चे तेल की कीमतें कम होने से दुनिया भर के बाजार ऊपर आये हैं जिसका लाभ भी भारतीय बाजार को मिला। तेल की कीमतें कम होने से महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास प्रभावित होने की संभावनाएं भी कम हुई हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 3.24 फीसदी और जापान का निक्केई 225 1.98 फीसदी की बढ़त के साथ कामकाज कर रहे थे। एशियाई सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार में बढ़त रही। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़त पर कारोबार कर रहा था।

## सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

**नई दिल्ली। एजेंसी।** घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। घरेलू बाजार में सोना 1,62,850 रुपये , जबकि चांदी 2,76,350 रुपये के करीब है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में भी कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,54 रुपये की फिसलकर 1,63,149 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,63,303 रुपये पर रहा था। ये 1,63,849 रुपये के उच्च और 1,62,840 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 862 रुपये टूटकर 2,76,988 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,77,850 रुपये रहा था।

एक समय यह अनुबंध 1,504 रुपये नीचे आकर 2,76,346 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 2,76,999 रुपये के उच्च और 2,75,930 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी आई। कॉमेक्स पर सोना 5,194 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,242.10 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 22.50 डॉलर की गिरावट के साथ 5,219.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव इस साल 5,586.20 डॉलर के शीर्ष स्तर पर खुले। इसके अलावा कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 88.50 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 89.59 डॉलर था।

## ट्रंप के शुल्क आदेश के रद्द होने पर भारतीय चमड़ा कारोबार में फिर बढ़ी अनिश्चितता

**नई दिल्ली। एजेंसी।** करीब एक माह पहले कारोबार करार पर अमेरिका के साथ भारत के संयुक्त बयान से कोलकाता के चमड़ा उद्योग (लेदर हब) पर दबाव कुछ हद तक कम हुआ था। कारोबारी समझौते के तहत भारतीय उत्पादों के निर्यात पर अमेरिका में शुल्क 50 से कमकर 18 फीसदी करने की बात कही थी। शुल्क घटने से भारतीय चमड़ा उत्पाद दुनिया के बड़े उपभोक्ता बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति में आए और नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मगर अमेरिकी अदालत द्वारा ट्रंप प्रशासन के शुल्क आदेश को रद्द करने के बाद फिर से अनिश्चितता बढ़ी है। पूर्वी कोलकाता के बाहरी इलाके में मौजूद बांतला में क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट के कारखाने में इसके संकेत भी दिखाई देने लगे है। उत्पादन लाइन अमेरिकी बाजार के लिए हैंडबैग बनाने में व्यस्त हैं, जिनकी आपूर्ति करीब दो माह में होने वाली है। कुछ तैयार माल पहले से ही कार्टन में पैक हैं और वे अमेरिका भेजने के लिए तैयार हैं। इस बीच पश्चिम एशिया के संकट ने एक नई अनिश्चितता खड़ी की है। पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे चमड़ा निर्यातकों के लिए अब नई चुनौती आ गई है। क्रिसेंट के कारखाने में ह्यूगो बॉस के वैश्विक बाजारों के लिए हैंडबैग और वॉलेट बनाते हैं। क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट से जुड़े अधिकारी ने कहा, अमेरिका जाने वाली खेप रोकी गई थी क्योंकि ऊंचे शुल्क ने यहां से निर्यात को अव्यावहारिक बनाया था। इसलिए कंपनी ने खेपों को यूरोप के गोदामों में भेज दिया, जहां से उन्हें अमेरिका भेजा जा सकता था।' उन्होंने कहा कि अब अमेरिका, कनाडा और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर आ रहे हैं। कंपनी से जुड़े अधिकारी ने कहा, 'उत्पादन जारी है और करीब दो माह में तैयार होना चाहिए। इस बीच हमें उम्मीद है कि शुल्क पर स्पष्टता होगी। अदालत द्वारा शुल्क आदेश रद्द करने के बाद व्हाइट हाउस ने 10 फीसदी का अधिभार लगाया और बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि शुल्क 15 फीसदी होगा। एक अन्य कंपनी के अधिकारी ने कहा, 'इसकी ज्यादा संभावना है कि शुल्क 15 फीसदी होने वाला है।

**मेष**- आज का दिन भावनाओं से थोड़ा जुड़ा रह सकता है। दूर रह रहे किसी परिजन की याद आपको भावुक कर सकती है और मन में किसी बात को लेकर हल्का-सा क्रोध भी बना रह सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी निजी बातों को हर किसी के साथ साझा करने से बचें और अपने मन को शांत रखने की कोशिश करें। आज आपके जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं के साधनों में बढ़ोतरी के योग बन रहे हैं और आपकी आय के नए स्रोत भी खुल सकते हैं।

**वृषभ**- आज का दिन आपको संतुलन और समझदारी के साथ आगे बढ़ने की सलाह दे रहा है। बेफिजूल के खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा, क्योंकि आने वाले समय में कुछ नई योजनाओं में निवेश करने का अवसर मिल सकता है। घर में किसी खास अतिथि का आगमन होने से माहौल में रौनक बढ़ेगी। हालांकि आज आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा, क्योंकि चोट लगने या किसी छोटी-मोटी दुर्घटना की संभावना बन रही है, इसलिए उधार का वाहन चलाने से बचें।

**मिथुन**- आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। खासकर अपने बॉस की बातों को नजरअंदाज करने से बचें, क्योंकि इससे अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है। काम के सिलसिले में आप काफी व्यस्त रहेंगे। संतान की पढ़ाई से जुड़ी कुछ समस्याएं आपको थोड़ी चिंता में डाल सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति संभल जाएगी। आज लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन बहुत प्रसन्न होगा।

**कर्क**- आज का दिन आपके लिए खुशखबरी लेकर आ सकता है, खासकर संतान पक्ष की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम आज आपको देखने को मिलेगा। यदि कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके पूरे होने के भी योग बन रहे हैं। हालांकि वाहन चलाते समय या सड़क पर चलते समय सावधानी बरतना जरूरी रहेगा।

**सिंह**- आज का दिन आपके वैवाहिक जीवन के लिए काफी सुखद रहने वाला है। यदि परिवार में किसी बात को लेकर तनाव या कलह की स्थिति बनी हुई थी, तो आज वह धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है। हालांकि आपको दूसरों के मामलों में बोलने से बचना होगा, नहीं तो अनावश्यक विवाद हो सकता है। संतान पक्ष से भी कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए मध्यम फल देने वाला रहेगा। किसी सरकारी मामले को लेकर आपकी चिंता थोड़ी बढ़ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है और धन-धान्य में वृद्धि के योग बन रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए स्थिति थोड़ी उलझन भरी हो सकती है, क्योंकि बनते-बनते कोई काम बिगड़ सकता है। इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाना जरूरी रहेगा।

**तुला**- आज का दिन सामान्य रूप से बीतेगा, लेकिन सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव आपको परेशान कर सकता है। दूर रह रहे किसी परिजन से निराशाजनक खबर मिलने की संभावना भी बन रही है। नौकरी में बदलाव का विचार आपके मन में आ सकता है और आप किसी दूसरी जगह आवेदन भी कर सकते हैं।

**वृश्चिक**- आज आपको अपनी सेहत के प्रति थोड़ी अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। यदि माताजी आपको कोई जिम्मेदारी सौंपें, तो उसे गंभीरता से निभाएं और लापरवाही बिल्कुल न करें। आज आपके घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम या पूजा-पाठ का आयोजन हो सकता है, जिससे घर का वातावरण आध्यात्मिक और सकारात्मक रहेगा।

**धनु**- आज का दिन विशेष रूप से राजनीति से जुड़े लोगों के लिए शुभ संकेत दे रहा है। उन्हें कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल सकती है। आप संतान के साथ कहीं घूमने-फिरने या पिकनिक पर जाने की योजना भी बना सकते हैं। सेहत पहले से बेहतर रहेगी, लेकिन आपके मनमौजी स्वभाव के कारण कुछ काम अधूरे रह सकते हैं।

**मकर**- आज का दिन नई प्रॉपर्टी खरीदने या उससे जुड़ी योजना बनाने के लिए अच्छा रह सकता है। व्यापार में आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। जो धन लंबे समय से फंसा हुआ था, उसके वापस मिलने के भी योग बन रहे हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि भविष्य को ध्यान में रखते हुए निवेश करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

**कुंभ**- आज आपको अपने कामों में अपेक्षा से अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में बॉस के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उनकी बातों को महत्व देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर चिंता बनी रह सकती है।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए आनंद और मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और अच्छा खान-पान भी आपके दिन को और खास बना देगा। कोई सरकारी काम जो लंबे समय से अटका हुआ था, उसे पूरा करने की कोशिश आज सफल हो सकती है।

## शब्दजाल - 8195

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दा | रा | अ | ति | थि | ग | दा | मा | य | क | चि |
| मा | च | र | ह | रिं | लै | ता | दि | शा | को | भू |
| द | आ | ह | झि | दा | चि | सिं | बे | ला | ल | ख |
| प | जा | खि | च | ल | क | ड़ | हा | दा | र | ह |
| व | द | र | री | हा | मि | री | अ | न | प | ढ़ |
| ह | ह | प | व | ड़ | ह | ला | प | ड़ | न | ती |
| ट | ट | बु | अं | र | कू | ट | ना | ला | ह | क |
| दो | मु | सा | फि | र | छ | सौ | खू | ट | जू | ट |
| स | थो | तें | व | ह | ज | दा | न | दा | र | द |
| अं | खि | यों | के | झ | रो | खे | से | न | रु | थो |
| त | ड़ | पा | ब | द | ल | ते | रि | श्ते | ह | ट |

*शब्द जाल में 1978 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.*

आखिरी डाकू, अनपढ़, अपना खून, भूख, अतिथि,आजाद,बदलते रिश्ते, दामाद, दो मुसाफिर, अंखियों के झरोखे से

### शब्दजाल - 8194 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | धा | र | शि | ला | का | धि | का | र | प | गो |
| धा | म | क | म | इं | डे | बा | ग | ति | मा | ला |
| र | दा | ने | ला | मा | ग | जा | द | अ | शां | ति |
| सि | ग | ल | सा | जा | न | र | ध | प | लि | अ |
| त | अ | अ | र | म | न | मे | ह | मा | न | ग्नि |
| अ | ना | का | र | व | ने | का | त | न | र | प |
| ग | मा | ल | मा | व | अ | ला | र | मा | न | री |
| र | बे | मि | सा | ल | प | स | अं | ल | वि | क्षा |
| क | जु | बा | अ | लं | का | र | गू | न | जू | दे |
| र | बा | ति | मा | न | सिं | ब्रा | र | का | प | श |
| बां | न | ल | प | ब | गा | व | त | प | र | र |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 7139

**ऊपर से नीचे:-**

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

**बायें से दायें:-**

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

### फिल्म वर्ग पहेली- 7138

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ह | म | तु | म | | बं | दि | श | | जं |
| स्ती | | म | हा | रा | जा | | रा | जा | जी |
| | दी | | न | | र | | बी | | र |
| दी | वा | ना | | जी | न | त | | क | |
| | र | | अं | त | | ला | वा | रि | स |
| आ | | दा | दा | | जो | श | | श्मा | |
| क्रो | ध | | ज | मी | र | | अ | | इं |
| श | | आ | | रा | | ज | मा | न | त |
| | म | ह | ल | | जीं | | न | | का |
| दो | स्त | | क्ष्य | | स | पू | त | | म |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**12 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

**गुरुवार** 2026 वर्ष का 71 वा दिन
**दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
**तिथि** नवमी अहोरात्र।
**नक्षत्र** मूल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** सिद्धि(असृक) 09.59 बजे को समाप्त।
**करण** तैतिल 17.28 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 22.5 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 24'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872646
**जूलियन दिन** 2461111.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** रमजान
**तारीख** 22

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ | समय |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | मीन | 06.24 बजे से |
| चंद्र | धनु में | मेष | 07.54 बजे से |
| मंगल | कुंभ में | वृष | 09.35 बजे से |
| बुध | कुंभ में | मिथुन | 11.33 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | कर्क | 13.46 बजे से |
| शुक्र | मीन में | सिंह | 16.02 बजे से |
| शनि | मीन में | कन्या | 18.14 बजे से |
| राहु | कुंभ में | तुला | 20.25 बजे से |
| केतु | सिंह में | वृश्चिक | 22.40 ब.से |
| | | धनु | 00.56 बजे से |
| | | मकर | 03.01 बजे से |
| | | कुंभ | 04.47 बजे से |

**राहुकाल** 1.30 से 3.00 बजे तक

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | अमृत | 05.40 से | 07.11 बजे तक |
| रोग | 07.22 से | 08.51 बजे तक | चर | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | रोग | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| चर | 10.19 से | 11.47 बजे तक | काल | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | लाभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से | 02.43 बजे तक | उद्वेग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| काल | 02.43 से | 04.11 बजे तक | शुभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से | 05.40 बजे तक | अमृत | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः ईश्वर की खोज

एक सेठ के पास अपार धन-संपत्ति थी, पर उसका मन हमेशा अशांत रहता था। एक बार उसके शहर में एक सिद्ध महात्मा आए। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा को पाने पर ही सच्ची खुशी एवं पूर्ण शांति मिल सकती है। इसलिए ईश्वर की खोज करो और अपने जीवन को सार्थक करो। यह सुनकर सेठ ईश्वर की खोज में लग गया। वह इधर-उधर भटकने लगा। ऐसा करते हुए दो वर्ष बीत गए किंतु ईश्वर की प्राप्ति नहीं हुई। वह निराश होकर घर की ओर लौट पड़ा। रास्ते में उसे एक चिर-परिचित आवाज सुनाई पड़ी। उसे कोई बुला रहा था। उसने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि उसके पीछे वही सिद्ध महात्मा खड़े थे, जिन्होंने ईश्वर को ढूंढ्ने की बात कही थी। सेठ उनके पैरों में गिरकर बोला, 'बाबा, मैं अनेक स्थानों पर भटका किंतु मुझे अभी तक ईश्वर नहीं मिले। आखिर मेरी खोज कहां पूरी होगी? आप ने ही कहा था कि सच्ची खुशी ईश्वर के साथ मिल सकती है।' उसकी बात पर महात्मा मुस्कराए और उन्होंने उसे उठाते हुए कहा, 'पुत्र, मैंने सही कहा था। यदि तुमने ठीक ढंग से ईश्वर की खोज की होती तो अब तक तुम उन्हें पा चुके होते।' यह सुनकर सेठ हैरान रह गया और बोला, 'कैसे बाबा?' महात्मा बोले, 'पुत्र, ईश्वर किसी दूर-दराज के क्षेत्र में नहीं तुम्हारे अपने भीतर ही है। तुम अच्छे कर्म करोगे और नेक राह पर चलोगे तो वह स्वयं तुम्हें मिल जाएगा। तुम्हें उसे कहीं खोजने नहीं जाना पड़ेगा। हां, उसे पाने के लिए ईश्वर का नेक बंदा अवश्य बनना होगा।' यह सुनकर सेठ महात्मा के प्रति नतमस्तक हो गया और वापस अपने घर चला आया। घर आने के बाद उसने पाठशालाएं खुलवाईं, लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराया, गरीब कन्याओं के विवाह कराए और अपने पास आने वाले हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान किया। कुछ ही समय बाद उसके भीतर की अशांति जाती रही और उसने अपने भीतर नई स्फूर्ति महसूस की।

## सूडोकु नवताल- 7448

★★★★☆ कठिन

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 5 | | | | | | |
| 3 | | | | | | | | |
| | | | 6 | | | 7 | 4 | |
| 6 | | | 2 | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 8 |
| | | | 7 | | 5 | | | 3 |
| | 4 | 7 | | | 1 | | | |
| | | | | | | | | 6 |
| | | | | | | 5 | 2 | |

### सूडोकु नवताल -7447 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 8 | 1 | 6 | 7 | 4 | 5 | 9 | 2 | 3 |
| 7 | 5 | 2 | 9 | 3 | 1 | 6 | 4 | 8 |
| 1 | 7 | 5 | 4 | 2 | 6 | 8 | 3 | 9 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 9 | 2 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 8 | 1 | 7 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 5 | 2 | 1 | 6 | 8 | 7 | 3 | 9 | 4 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 3 | 4 | 1 | 6 | 2 |
| 3 | 6 | 4 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 5 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

## शब्द पहेली - 8663

**बाएँ से दाएँ**

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

**ऊपर से नीचे**

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम-2

### शब्द पहेली -8662 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| झ | न्डा | | ते | | प | | श | क |
| र | | दा | ल | | री | ता | | ल |
| ना | खु | दा | | पा | | रा | इ | मा |
| | श | | अ | ला | वा | | न्द्र | |
| ब | ग | दा | द | | स | म | ध | न |
| | बा | | द | ल | ना | | नु | |
| ग | र | म | | क्ष | | ऋ | ष | भ |
| र | | स्ता | र | | कृ | षि | | ला |
| ल | ब | | क्षा | | मि | | ता | ई |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# ग्राम कंडरा मे कृषक संगोष्ठी सह समूह दक्षता प्रशिक्षण आयोजित

**पद्मेश न्यूज। किरनापुर।**

आज दिनांक 11/3/2026 दिन- बुधवार को ग्राम पंचायत कंडरा में सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत कृषक संगोष्ठी सह समूह दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें ग्राम पंचायत कंडरा अंतर्गत कंडरा, कलकत्ता, चतरुटोला, कोदोबर्रा एवं अन्य कृषकों की भागीदारी रही । कार्यक्रम का संचालक करते हुए विकासखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ जगदीश कुटारिये के द्वारा कृषक संगोष्ठी सह समूह दक्षता प्रशिक्षण कराने का उद्देश्य के बारे में विस्तृत रूप से कृषकों को बताया गया । वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री डी. डी. रावतकर के द्वारा प्राकृतिक खेती द्वारा सब्जियों की उच्च गुणवत्तायुक्त एवं रासायनिक मुक्त सब्जियां उत्पादन करके अधिक मूल्य में बिक्री, समूह के माध्यम से प्राकृतिक एवं जैविक खेती सब्जी, फल उत्पादन कर वेल्यू एडिशन तकनीक, किचन गार्डनिंग, विभागीय योजनाएं जैसे- प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट एवं अन्य विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ एस. आर. धुवारे के द्वारा जायद मूंग, उड़द खेती की उन्नत तकनीक, रासायनिक उर्वरको की संतुलित मात्रा तकनीक, एन.पी.के. उर्वरको का प्रयोग विधि, ग्रीष्मकालीन धान एवं रासायनिक खेती का दुष्प्रभाव, रेसीडयूल इफेक्ट, प्राकृतिक खेती, मशीनीकरण में सुपर सीडर की उपयोगिता एवं फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी कृषकों को दी गई।कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव से मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे के द्वारा विपरीत मौसम का फसलों पर प्रभाव, मौसम संबंधित समसामयिक जानकारियां, प्राकृतिक खेती के फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रगतिशील कृषक श्री जियालाल रहांगडाले जी के द्वारा मातृभूमि के संरक्षण एवं गोवंश आधारित प्राकृतिक, जैविक खेती मे गोवंश की भूमिका, गौ समाधि खाद, सिंग खाद, वर्मी कंपोस्ट, प्राकृतिक आयाम जैसे बीजामृत, जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र, दशपरणी अर्क इत्यादि बनाने की तकनीक विधि, प्राकृतिक एवं जैविक खेती में महिलाओं की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । कृषि विस्तार अधिकारी संजय उके के द्वारा पराली प्रबंधन, जे फॉर्म एप्लीकेशन, मृदा परीक्षण के माध्यम से पौध पोषक प्रबंधन, जायद की दलहन-तिलहन फसले जैसे- मूंग, उड़द, तिल की फसल बोनी एवं मशीनीकरण में सुपर सीडर, हैप्पी सीडर के लिए किसानों को प्रेरित किया गया । प्रदान ह्नह से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्रेम कुमार के द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती क्यों जरूरी है, इसके फायदे, प्राकृतिक/जैविक उत्पाद की बिक्री, महिला समूह के द्वारा उत्पादन का वैल्यू एडिशन और उचित मूल्य बिक्री हेतु उपाय, उन्नत पशुपालन के तरीके, पशु नश्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भाधान, पशुओ में बिमारी से रोकथाम के उपाय, पशु कृमीकरण, पशु टीकाकरण, महिला आर्थिक सशक्तिकरण के तहत् महिलाओं का कृषि में भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्राम कोदोबर्रा से जनपद सदस्य श्रीमती सरिता उइके जी, कंडरा सरपंच श्री नोहर बागड़े जी, आत्मा समिति गवर्निंग बोर्ड सदस्य श्री भीकू मातरे जी प्रतिनिधि (पशुपालन), श्रीमती अनीता बिसेन जी प्रतिनिधि (उद्यानिकी), जनपद सदस्य प्रतिनिधि श्री शिवचरण उइके जी, पंच श्रीमती ललीता नामुरते जी, कृषि विस्तार अधिकारी श्री डी.के.बोरकर, कृषि ष्ट्रक्क्ष्य सुनिता सिहोरे, ललिता नगपुरे, अनिता सुलाखे, उषा चौहान, दुर्गा बोपचे, सरिता खरकाटे, सुरेखा कोड़ापे, सींधु उइके, प्रगतिशील कृषक श्री रामसिंह उइके, धनपाल उइके उपस्थित रहे ।

# भारत माता पब्लिक स्कूल के धैर्य व खुशी का सैनिक स्कूल में चयन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नगर में स्थित भारत माता पब्लिक स्कूल के लिए यह गर्व का क्षण है, स्कूल के दो होनहार छात्रों धैर्य इनवाती और खुशी दहीकर ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम में सफलता हासिल की है। दोनों छात्रों ने नेशनल लेवल की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सैनिक स्कूल सोसायटी में चयनित होने का गौरव प्राप्त किया है। स्कूल प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि धैर्य और खुशी की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। स्कूल के शिक्षकों की निरंतर मेहनत और अभिभावकों के मजबूत सहयोग ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रबंधन ने दोनों छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह उपलब्धि स्कूल के उच्च शैक्षणिक मानकों और मजबूत शैक्षिक आधार को दर्शाती है। भारत माता पब्लिक स्कूल लांजी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और समग्र विकास के लिए जाना जाता है। स्कूल न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता पर बल देता है, बल्कि छात्रों में नैतिक मूल्य, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने पर भी विशेष ध्यान देता है। अनुभवी शिक्षक, संरचित पाठ्यक्रम और नियमित मार्गदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है। स्कूल प्रशासन ने उम्मीद जताई कि धैर्य इनवाती और खुशी दहीकर की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी। यह उन्हें कड़ी मेहनत करने, लक्ष्य पर केंद्रित रहने और अपनी शैक्षणिक यात्रा में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। स्कूल ने कहा, यह हमारे संस्थान के लिए गर्व का क्षण है और क्षेत्र के युवा छात्रों के लिए एक मिसाल। हम लगातार छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करते रहेंगे। धैर्य इनवाती और खुशी दहीकर को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी ।

# मां काली मंदिर स्थापना दिवस पर आज विभिन्न कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के माँ काली मंदिर मंडई टेकरी लांजी में आज 12 मार्च 2026 को माँ काली मंदिर स्थापना दिवस के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन माँ कालीघाट जनकल्याण समिति लांजी के तत्वावधान में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात- 6 बजे से 9 बजे तक अभिषेक एवं पूजन के साथ होगी। इसके पश्चात सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक दुर्गा पाठ किया जाएगा। दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक शारदा महिला मंडल द्वारा छप्पन भोग अर्पण किया जायेगा। तदोपरांत हवन पूजन कार्यक्रम आयोजित कर शाम 4 बजे से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। माँ कालीघाट जनकल्याण समिति लांजी ने सभी श्रद्धालुओं एवं धर्म प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पूण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

# पेंशनर्स एसोसिएशन ने बहेला सेक्टर की कार्यकारिणी का किया मनोनयन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के द्वारा 11 मार्च से 18 मार्च तक सभी सेक्टरों में बैठक कर होली मिलन के साथ ही सेक्टर की कार्यकारिणी का मनोनयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 11 मार्च को बहेला सेक्टर की बैठक शीतला माता मंदिर चिचोली में विजय मस्करे के सानिध्य में संपन्न हुई। सभी पेंशनरों का गुलाल से तिलक लगाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर पेंशनर्स साथियों ने गीत ग़ज़ल प्रस्तुत किए। एन आर दहिकर, जी एल दमाहे, एस आर धारणे, एवं श्री लिल्हारे ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

### बहेला सेक्टर की कार्यकारिणी

इस दौरान बहेला सेक्टर की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष एन डी बावनथड़े, उपाध्यक्ष डी आर बनोठे, सचिव टी डी पटले, संयोजक सी एल मस्करे, कोषाध्यक्ष डी आर लिल्हारे तथा कार्यकारिणी में एल आर लिल्हारे, पी एल नगपुरे, अर्जुन नगपुरे, एच सी गोतमारे, एल आर नारनौरे, लखनलाल मुछावड़, एन पी मस्करे, एम एल कुतरिये, एल एस सिसोदिया, एन आर दहिकर, बी आर लिल्हारे, ईठाबाई लांडे, जनाबाई कोसरकर, आशा मानकर को शामिल किया गया।

बैठक के अंत में बहेला सेक्टर के दिवंगत पेंशनर साथी सुखदास मछिरके को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सरपंच विजय मस्करे ने सभी पेंशनरों को विभिन्न प्रजातियों के आम के पौधे भेंट किया।

# पाली अकादमिक संस्थान में मनाया गया अंतराष्ट्रीय महिला दिवस

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** शैक्षणिक संस्था पाली अकादमिक संस्थान बिसोनी में विद्यालय तथा महाविद्यालय विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती श्रृद्धा कांड्रा, महाविद्यालय के प्राचार्य भोजलाल लिल्हारे तथा संस्थान के प्रबंधक संजय चौरे के मार्गदर्शन में, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती तथा भारतीय समाज में सामाजिक-राजनैतिक परिवर्तन करने वाली नारीशक्तियों रानी अवन्तिबाई, सावित्रीबाई फुले, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, फातिमा शेख, एवं रानी दुर्गावती के छायाचित्रों के समक्ष माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित कर की गई। तत्पश्चात् संस्थान की प्रत्येक नारीशक्ति-संचालिका महोदया, प्राचार्या, शिक्षिकाओं, प्राध्यापिकाओं तथा दीदी लोगो का सम्मान और अभिनंदन संस्थान के शिक्षकों, प्राध्यापकगणों के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। मंचीय प्रदर्शन में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा गीत, भाषण, नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया गया। विश्व तथा भारतीय समाज में नारियों के योगदान, उनके महत्व, उपलब्धियों तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों के विषय में महाविद्यालय के प्राचार्य बी.एल. लिल्हारे, वरिष्ठ प्राध्यापक मेश्राम सर तथा प्रबंधक संजय चौरे द्वारा सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने प्रेरणादायी संक्षिप्त उद्बोधन में बताया कि - अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का उद्देश्य समाज में महिलाओं को बराबरी का हक दिलाना साथ ही किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के मकसद से भी इस दिवस को मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के अधिकारों की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें जागरूक करने के मकसद से कई कार्यक्रम और कैंपेन भी आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्थान में कार्यरत समस्त नारीशक्तियों को संस्थान की संचालिका श्रीमती वैद्य के हस्ते स्मृति चिन्ह तथा उपहार प्रदान किए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय विभाग से शिक्षक शिक्षिकाऐं जिनमें सामिया, ज्योति भीमटे, रोशनी, प्रतिभा, ममता बधारे , काजल चौरे, रोहिणी, नेहा, सुभद्रा कलपुरे, अलिशा खान, संध्या चौरे, यास्मिन खान, शिखा, महेंद्र ऐडे, जय श्रीवास, तरुण तिलवार, राजा विजयवार, निश्चल दोनोड़े, सिफान बेग मिर्जा, शुद्बोधन रामटेके, चन्द्रशेखर, योगेश सहारे, राजेश शुक्ला, तथा महाविद्यालय विभाग से अजित बोरकर, पटले, नगपुरे जी, भंडारकर जी, नागभिंडे जी, संतोष बोरकर , योगेश नंदनवार, संजय मेश्राम, गणेश सोनवाने, उमरे जी, राजेश गजभिए, एवं समस्त दीदी लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

# बाघाटोला दुर्गा मंदिर में नवरात्र पर्व पर संगीतमय शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र के बाघाटोला (बम्हनवाडा) स्थित दुर्गा मंदिर में 19 मार्च से 27 मार्च 2026 तक संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से भरपूर इस कथा का वाचन आचार्य पं. श्री गौरीकांत पाठक (कटंगी, बालाघाट) करेंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी।कार्यक्रम 19 मार्च को कलश यात्रा से शुभारंभ होगा। 20 मार्च को आदि शिवलिंग पूजन, कैलाश निर्माण व शिव महिमा; 21 मार्च को दक्ष प्रजापति वर्णन व काणावल यज्ञ; 22 मार्च को हिमाचल के घर मंगल शिव विवाह व शिव बारात; 23 मार्च को कार्तिक जन्म, ताड़कासुर वध व श्रीगणेश जन्मोत्सव; 24 मार्च को तुलसी-जलंधर कथा व गणेश विवाह; 25 मार्च को शिव अवतारों (नंदी व हनुमान) की कथा; तथा 26 मार्च को द्वादश ज्योतिर्लिंग महात्म्य व शिव परिवार दर्शन जैसे अनेक धार्मिक प्रसंग सुनाए जाएंगे।27 मार्च को घट विसर्जन, हवन पूजन व महाप्रसाद वितरण के साथ समापन होगा। आयोजन समस्त चौरागड़े परिवार द्वारा किया जा रहा है। परिवार ने सभी श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर धर्म लाभ लेने का आह्वान किया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल की छात्रा धारिता बिसेन का इंस्पायर अवार्ड्स में हुआ चयन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम से संचालित अशासकीय विद्यालय एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगाँव से भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंस्पायर अवार्ड्स मानक 2025-26 में विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा धारिता बिसेन पिता ओंकार बिसेन माता श्रीमती खेमलता बिसेन ग्राम चंगेरा कक्षा 8वी का चयन हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में दिनों दिन विद्यालय नये किर्तीमान रच रहा है जो बहुत ही गर्व की बात है। इसके पूर्व वर्षों में भी विद्यालय से 6 छात्रों का चयन इंस्पायर अवार्ड्स के लिए हुआ था। चयनित छात्रा धारिता बिसेन एवं उनके माता-पिता को स्कूल संचालक ए. आर. कुशले, प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले, विज्ञान शिक्षक सुभम मेश्राम व रोहित चंदेल, नरेन्द्र कटरे, सुरेन्द्र देवाहे, कार्यालय स्टाफ से कमलेश ठाकरे, सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े के साथ ही पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया, सचिव भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे, सहसचिव दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले, महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले, उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भर्रे, सुजाता रामटेके सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सीमा इनवाती सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं ने छात्रा की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये हार्दिक शुभकामनाएँ दी है।

# जल संसाधन विभाग में चुनिंदा फर्मों को मिल रहे ठेके

## - प्रदेश में चल रहे बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा करते हुए जीतू पटवारी बोले - भाजपा ऑफिस बनाने वाली कंपनी को मिला केन-बेतवा का काम

भोपाल। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को जल संसाधन विभाग में चल रहे बड़े भ्रष्टाचार के नेटवर्क का खुलासा किया है। पटवारी ने दस्तावेजों के साथ आरोप लगाया कि प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर केवल ठेकेदारी और कमीशन का खेल चल रहा है। उन्होंने सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जांच नहीं हुई, तो कांग्रेस सबूतों के साथ सीबीआई के पास जाएगी। पटवारी ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार इसे कृषि वर्ष कह रही है, जबकि यह कमीशन वर्ष है। कल ही सरकार ने 5800 करोड़ का कर्ज लिया है, लेकिन यह पैसा किसानों के पास नहीं, बल्कि चहेते ठेकेदारों की जेब में जा रहा है।

पटवारी आरोप लगाते हुए कहा कि बड़े टेंडरों में केवल फलोदी और गुप्ता कंस्ट्रक्शन जैसी कंपनियां ही दिखती हैं।

यह रोटेशन सिस्टम है, जहां कभी एक कंपनी एल1 (सबसे कम बोली) बनती है तो कभी दूसरी। प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी गई है। पटवारी ने दो रहस्यमयी नामों नौशाद और अश्विन नाटू का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि ये लोग कौन हैं और विभाग में इनकी क्या भूमिका है? आरोप लगाया कि इन लोगों के साथ मंत्रियों के रिश्तेदारों के दुबई में साझा बिजनेस हैं। यह मामला सीधे तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हो सकता है।

### फर्जी बैंक गारंटी का महाघोटाला

पटवारी ने कहा कि फर्जी बैंक गारंटी का महाघोटाला आरोप है कि विभाग में फर्जी बैंक गारंटी जमा कर ठेकेदार करोड़ों का एडवांस ले रहे हैं। जल निगम में फर्जीवाड़ा पकडने़ के बाद भी जल संसाधन विभाग और एनवीडीए में ई-बैंक गारंटी सिस्टम लागू नहीं किया गया, ताकि फर्जीवाड़ा जारी रहे। भाजपा कार्यालय और केन-बेतवा लिंक पटवारी ने आरोप लगाया कि केन-बेतवा प्रोजेक्ट का ठेका उस नागार्जुन कंपनी को दिया गया है जो भाजपा का दफ्तर बना रही है। सांठ-गांठ साफ है- पार्टी दफ्तर बनाओ, कमीशन दो और फिर मर्जी से काम करो या लटका दो। जीतू पटवारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और सीएम से सवाल किया कि आखिर कौन हैं ये नौशाद और अश्विन नाटू? क्या सरकार विभाग में जमा सभी बैंक गारंटियों की जांच कराएगी?

### 2023-24 के टेंडरों की न्यायिक जांच कराई जा

15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो सीबीआई दफ्तर जाएंगे पटवारी ने चेतावनी दी कि सरकार के पास 15 दिन का समय है। यदि स्वतंत्र ऑडिट और जांच नहीं हुई, तो कांग्रेस का डेलीगेशन दस्तावेजों के साथ सीबीआई को शिकायत सौंपेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिंचाई के रकबे का सरकारी दावा झूठा है, कांग्रेस खुद इसका सत्यापन कर सच सामने लाएगी।

# दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से कनेक्ट होगा उज्जैन

## - 80 किमी लंबे कॉरिडोर को केंद्र की मंजूरी

भोपाल। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के मद्देनजर देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए बाबा महाकाल की नगरी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम तेजी से चल रहा है। इसी कड़ी में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से जोडने़ के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

3 हजार 839 करोड़ की लागत से बनने वाले इस फोरलेन से आगामी सिंहस्थ में उज्जैन की कनेक्टिविटी शानदार तो होगी ही, साथ ही मालवा अंचल में औद्योगिक विकास में और गति आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि यह स्वीकृति इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि आगामी सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

### हाइब्रिड एन्युटी मोड के तहत मिली कैबिनेट मंजूरी

केंद्र सरकार द्वारा इस फोरलेन की मंजूरी हाइब्रिड एन्युटी मोड के तहत दी गयी है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश में दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे के तहत एन एच 752डी पर बदनावर-पेटलावद-थांदला-टिमरवानी सेक्शन के फोरलेन निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना के तहत 80.45 किमी लंबा कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसकी लागत 3 हजार 839 करोड होगी। यह कारीडोर उज्जैन से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के टिमरवानी इंटरचेंज तक सीधी फोललेन कनेक्टिविटी देगा।भारत में सडक़ परियोजना के लिए पीपीपी मॉडल के तहत हाइब्रिड एन्युटी मोड एनएचएआई द्वारा जनवरी 2016 में शुरू किया गया था। इसके तहत सडक़ निर्माण में 40 प्रतिशत राशि सरकार द्वारा दी जाती है और बाकी 60 प्रतिशत राशि निजी डेवलपर द्वारा बीओटी-एन्युटी के तहत इकट्ठा की जाती है। ये मॉडल सरकार पर वित्तीय जोखिम कम करता है और डेवलपर्स को मददगार होता है। इस परियोजना के तहत सडक़ निर्माण लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा एनएचएआई द्वारा निर्माण कार्य के दौरान 5 किश्तों में दिया जाता है, शेष 60 प्रतिशत राशि डेवलपर जुटाता है। इस मॉडल में परियोजना से संबंधित जोखिम सरकार और डेवलपर दोनों के होते हैं। इस मॉडल का उपयोग प्रमुख रूप से रूकी हुई सडक़ परियोजना को फिर से पटरी पर लाने के लिए किया जाता है।

### कनेक्टिविटी से यह मिलेंगी सुविधाएं

- उज्जैन की फोरलेन के जरिए दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेस वे से होगी कनेक्टिविटी। कुल लागत 3 हजार 839 करोड़ रूपए का प्रोजेक्ट है। सडक़ मार्ग की कुल लंबाई 80.45 किलोमीटर है। हाइब्रिड एन्युटी मोड के तहत पीपीपी मोड पर फोरलेन बनेगा । एन एच 752डी पर टिमरवानी इंटरचेंज तक उज्जैन से सीधी कनेक्टिविटी होगी। बदनावर-पेटलावद-थांदला-टिमरवानी सेक्शन के लिए फोरलेन निर्माण होगा। मालवा अंचल के औद्योगिक विकास की बढ़ेगी रफ्तार, धार झाबुआ को फायदा होगा। आगामी सिंहस्थ 2028 में आवागमन सुविधाजनक होगा ।

# आईटी विभाग ने की कारोबारी दिलीप गुप्ता के ठिकानों की सर्चिंग

भोपाल। राजधानी में आयकर विभाग ने माइनिंग कारोबारी दिलीप गुप्ता के ठिकानों पर बुधवार अल सुबह रेड डालते हुए सर्चिंग शुरु की है। जानकारी के अनुसार दिल्ली से आई आयकर विभाग की टीम ने शहर के कई स्थानों पर एक साथ छापा मारकर छानबीन शुरू की। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग की टीम सुबह से ही दिलीप गुप्ता के भोपाल स्थित ठिकानों पर पहुंच गई। टीम ने अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई करते हुए दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच शुरू की।

छापे की कार्रवाई के दौरान आयकर अधिकारी कारोबारी से जुड़े कागजात, बैंक लेनदेन और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की पड़ताल करते हुए कई महत्वपूर्ण कागजातो को जप्त किया हैं। टीम पूरे मामले में आय और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही है। गौरतलब है कि इससे पहले आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भी दिलीप गुप्ता के भोपाल स्थित दो ठिकानों पर छापा मार चुका है। उस कार्रवाई में टीम को बड़ी मात्रा में नकदी, दस्तावेज और कई महत्वपूर्ण फाइलें मिली थीं। फिलहाल आयकर विभाग की टीम जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों के अनुसार दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

# कॉलेजों में कुत्ते-पशु भगाने का जिम्मा प्राचार्यों पर!

## उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किया निर्देश, नोडल अधिकारी बनकर सुनिश्चित करेंगे परिसर की सुरक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में आवारा कुत्तों और अन्य पशुओं की समस्या से निपटने की जिम्मेदारी अब सीधे प्राचार्यों पर डाल दी गई है। उच्च शिक्षा विभाग ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें प्राचार्य या प्रभारी प्राचार्य को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश दिए गए हैं।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के अनुपालन में उठाया गया है, जिसमें देशभर के शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थलों को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने पर जोर दिया गया था। बढ़ते डॉग बाइट मामलों और छात्र-शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

प्रत्येक कॉलेज/विश्वविद्यालय में प्राचार्य या प्रभारी प्राचार्य को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि कॉलेज परिसर में आवारा पशुओं (खासकर कुत्तों) की एंट्री रोकी जाए और परिसर सुरक्षित रहे। परिसर की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जैसे बाउंड्री वॉल की मरम्मत, गेट्स बंद रखना, कचरा प्रबंधन और नियमित निगरानी। नोडल अधिकारी का नाम और मोबाइल नंबर कॉलेज के मुख्य द्वार पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि कोई समस्या होने पर तुरंत संपर्क किया जा सके। स्थानीय निकायों (नगर निगम/पंचायत) से समन्वय बनाकर पशुओं को हटवाने नियमों के तहत प्रबंधन किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग का कहना है कि यह कदम छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। कई कॉलेजों में पहले से ही आवारा कुत्तों के कारण छात्रों में डर और असुविधा की शिकायतें आ रही थीं।

# टीईटी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शिक्षकों में चिंता

## संगठनों ने सरकार से समाधान की मांग की, कोर्ट ने पात्रता परीक्षा की अनिवार्य

भोपाल। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश के शिक्षकों में चिंता का माहौल देखा जा रहा है। शिक्षक संगठनों ने राज्य सरकार से इस विषय में शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित समाधान निकालने की मांग की है।

मध्य प्रदेश कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित ने कहा कि प्रदेश के बड़ी संख्या में शिक्षक इस निर्णय को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि शिक्षकों के हित में इस विषय पर आवश्यक कदम उठाए जाएं। उनका कहना है कि जरूरत पडने़ पर कानूनी प्रक्रिया के तहत सुप्रीम कोर्ट में अपील जैसे विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है।

### सुप्रीम कोर्ट का यह था आदेश

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर परीक्षा पास नहीं करने की स्थिति में नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि इस विषय में सभी शिक्षक संगठनों से चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों को दो वर्षों के भीतर शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। उन्होंने बताया कि यदि तय समय में शिक्षक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करते और उनकी सेवानिवृत्ति में पांच वर्षों से अधिक समय शेष है, तो ऐसे मामलों में नियमानुसार सेवानिवृत्ति से संबंधित प्रावधान लागू हो सकते हैं।

### सभी पक्षों को ध्यान में रखकर निर्णय की मांग

पदाधिकारियों ने कहा कि इस विषय में सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए संतुलित निर्णय होना चाहिए। उनका कहना है कि शिक्षक किसी परीक्षा से घबराते नहीं हैं, लेकिन परीक्षा की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जो व्यावहारिक और सभी के लिए सहज हो। शिक्षक संगठनों का कहना है कि वे इस विषय में सरकार और संबंधित अधिकारियों से संवाद के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करेंगे, ताकि शिक्षकों के हित सुरक्षित रह सकें।

# मध्य प्रदेश में सरकारी शिक्षक बनना आसान

## - अब दो की जगह केवल एक एग्जाम से भर्ती

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में टीचर बनने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने अलग-अलग दो परीक्षाओं की जगह अब केवल शिक्षक पात्रता परीक्षा के आधार पर भर्ती करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल को प्रस्ताव भी भेजा जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों में शिक्षक बनने की प्रक्रिया जल्द ही आसान हो सकती है। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने भर्ती प्रणाली में बदलाव का निर्णय लिया है। प्रस्ताव के अनुसार अब अलग-अलग पात्रता और चयन परीक्षा कराने के बजाय केवल शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के आधार पर ही भर्ती की जाएगी।

### इसलिए किया गया व्यवस्था में बदलाव

अब तक प्रदेश में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती के लिए दो चरणों की प्रक्रिया अपनाई जाती थी। पहले अभ्यर्थियों को पात्रता परीक्षा पास करनी होती थी, उसके बाद चयन परीक्षा देनी पड़ती थी। वहीं चयन परीक्षा में सफल होने पर ही शिक्षक के रूप में नियुक्ति मिलती थी। इस व्यवस्था के कारण उम्मीदवारों को दो बार आवेदन करना पड़ता था और अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करनी पड़ती थी।

### सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को भी मिलेगा लाभ

नई व्यवस्था के अनुसार केवल पात्रता परीक्षा आयोजित की जाएगी और उसी के स्कोर के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर भर्ती की जाएगी। पात्रता परीक्षा के अंक आजीवन वैध रहेंगे, हालांकि अभ्यर्थियों को अपने अंक सुधारने के लिए दोबारा परीक्षा देने का अवसर भी मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से अभ्यर्थियों पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। अभी सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को पात्रता परीक्षा के लिए 500 रुपये और चयन परीक्षा के लिए अलग से 500 रुपये शुल्क देना पड़ता था। प्रदेश में शिक्षकों की भारी कमी भी इस बदलाव की बड़ी

# कूनो नेशनल पार्क में क्षमता से ज्यादा हुए चीते

## अब नौरादेही अभयारण्य बनेगा तीसरा घर

भोपाल। देश में 17 सितंबर 2022 को शुरू किए चीता प्रोजेक्ट के अंतर्गत अब चीतों की संख्या न सिर्फ अफ्रीकी देशों से लाए गए कुल 20 चीतों से बढक़र 53 हो गई है, बल्कि श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में यह आंकड़ा 50 पर पहुंच गया है। वहीं, मंदसौर जिले में स्थित गांधीसागर अभयारण्य में तीन चीतों को शिफ्ट किया जा चुका है।

चीतों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर ही पिछले दिनों मध्य प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा गया था कि सरकार का लक्ष्य साल के अंत तक चीतों की संख्या 50 पहुंचाने का है। इसके बाद अन्यत्र इनकी संख्या में वृद्धि की तैयारी की जाएगी, लेकिन बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों के अलावा पिछले 30 दिन में ही कूनो में 13 शावकों के जन्म से यहां चीतों की संख्या अचानक बढ़ गई है।

### रानी दुर्गावती अभयारण्य तीसरा घर बनेगा

ऐसे में, कूनो और गांधी सागर के बाद देश में रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) चीतों का तीसरा घर बनेगा। इसका क्षेत्र 1,197 वर्ग किलोमीटर है। मंगलवार को यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को दी। उन्होंने बताया कि मई-जून में यहां चीते छोड़े जाएंगे। चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत में ही मध्य प्रदेश के तत्कालीन प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जेएस चौहान ने बताया था कि 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला कूनो नेशनल पार्क 30 चीतों को बसाने के अनुकूल है। यहां शिकार कर उनके भोजन के लिए पर्याप्त वन्य जीव मौजूद हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, प्रत्येक चीते को लगभग 50-100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। यह आकलन चीतों के दौडने़ की क्षमता और उनकी प्रवृत्ति के अनुरूप किया गया है।

### चीतों की संख्या को देखते हुए बढ़ा इलाका

प्रोजेक्ट शुरू होने के छह माह बाद ही चीतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए न सिर्फ कूनो में श्योपुर व शिवपुरी वन मंडल का भाग भी जोड़ा गया बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के भी कुछ जिलों को जोडक़र कॉरिडोर तैयार करने की कवायद भी की गई है। चीते भी यहां के प्राकृतिक माहौल में ढलकर मुरैना से लेकर ग्वालियर तक पहुंचने के अलावा श्योपुर की राजस्थान से सटी सीमा पर बसे जिलों तक घूम रहे हैं।

### ऐसे फलफूल रहा है चीतों का कुनबा

कूनो में मौजूद सभी छह मादा चीता मां बन चुकी हैं। इनके द्वारा जन्मे कुल 33 शावकों में से कई वयस्क हो चुके हैं। केवल मंदसौर में बसी चीता धीरा ही मां नहीं बन सकी है। सबसे पहले मां बनी ज्वाला चीता का तीन बार प्रसव हो चुका है। उसके द्वारा जन्मे कुल नौ शावक में से एक मुखी वयस्क होकर पांच शावकों को जन्म भी दे चुकी है। ऐसे में, इस परिवार के ही कुल 15 चीता हो चुके हैं। इस वर्ष 30 दिनों के भीतर ही सात फरवरी को आशा ने पांच, 18 फरवरी को गामिनी ने तीन और नौ मार्च को ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है।

# आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को मिलेगी 15 करोड़ की छात्रवृत्ति

भोपाल । मप्र में 11वीं-12वीं और कॉलेज के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने के लिए राज्य सरकार ने करीब 15 करोड़ 40 हजार रुपये का बजट मंजूर किया है। यह राशि ऐसे विद्यार्थियों को दी जाएगी, जिनके परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक है। जानकारी के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जाएगा, जो अभी तक आय सीमा के कारण कई योजनाओं से बाहर रह जाते थे। जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त ने विभाग के सभी आहरण और संवितरण अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए 15 करोड़ 40 हजार रुपये का बजट आवंटित किया गया है। विभाग ने निर्देश दिया है कि छात्रवृत्ति वितरण में शासन के मितव्ययिता संबंधी आदेशों का पालन किया जाए और खर्च का पूरा ब्यौरा निर्धारित समय पर भेजा जाए। हर माह खर्च की समीक्षा करते हुए व्यय का लेखा योजना के तहत संधारित करने और ट्रेजरी क्लाउड नंबर के साथ अगले माह की 10 तारीख तक रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। सरकार का मानना है कि इस बजट से आरक्षित वर्ग के उन विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी, जिनके परिवार की आय ढाई लाख रुपए से अधिक है और जिन्हें अब तक छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था।

# पटवारी, राजस्व निरिक्षक और बिल्डर ने मिलीभगत कर की लाखो की स्टाम्प और डायवर्जन शुल्क की चोरी

भोपाल। ईओडब्ल्यू जबलपुर ने स्टाम्प डयूटी और डायवर्जन शुल्क चोरी की शिकायत में जॉच के बाद बिल्डर और अधिकारियों सहित तीन नामजद आरोपियो के खिलाफ धारा 409,467,468,471, 120,बी एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओ में मामला दर्ज किया है। हेराफेरी का यह मामला 28 मार्च 2018 से 21 जनवरी 2022 के बीच ग्राम बंधी तहसील व जिला नरसिंहपुर का है। आरोपियो में विश्व प्रताप सिंह राजपूत(हल्का पटवारी),अरूण तिवारी (तत्कालीन राजस्व निरीक्षक), सुभाष त्यागी(डायरेक्टर),मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी) सहित अन्य शामलि है। मामले में विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू जबलपुर में शिकायत मिली थी कि कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक सुभाष त्यागी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर ग्राम बंधी (एन.एच. 12 जबलपुर-भोपाल रोड) में किसानों की कृषि भूमि को लीज पर लिया था। इस प्रक्रिया में लीज रजिस्ट्रेशन शुल्क और भूमि डायवर्जन (व्यपवर्तन) की राशि में हेराफेरी कर शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाई गई।

जांच में कम डायवर्जन शुल्क- कंपनी द्वारा वर्ष 2018 से कृषि भूमि का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, लेकिन इसका डायवर्जन नहीं कराया गया। पटवारी और राजस्व निरीक्षक ने मिलीभगत कर पोर्टल पर वास्तविक भूमि से कम भूमि दर्ज की, जिससे शासन को लगभग 9 लाख रुपये की क्षति हुई।

**- स्टाम्प शुल्क की चोरी**

जिला पंजीयक की रिपोर्ट के अनुसार, लीज एग्रीमेंट में उचित स्टाम्प शुल्क नहीं चुकाया गया। विभिन्न खसरा नंबरों की जांच में पाया गया कि लगभग 50 हजार रुपये कम स्टाम्प शुल्क जमा न कर शासन को चूना लगाया गया।

**- सामने आई अधिकारियो की मिलीभगत**

आगे की जॉच में सामने आया की पटवारी और राजस्व निरीक्षक ने मौके का निरीक्षण किए बिना और बिना किसी वैध दस्तावेज (किरायानामा) के ही गलत गणना पत्रक तैयार किया,जिससे कंपनी को अनुचित लाभ पहुँचा। पूरी जांच के बाद शासन को 9 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक क्षति पहुँचाने के आरोप में आरोपियो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

# प्रदेश में पहली बार 17 जिलों की कमान महिला कलेक्टरों के हाथ

## मोहन सरकार का महिला अधिकारियों पर बढ़ता भरोसा, दो-तीन कार्यकाल से महिलाओं को मिल रहा मौका

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रशासनिक इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि राज्य के 55 जिलों में से 17 जिलों की कमान महिला आईएएस अधिकारियों के हाथों में है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार में सबसे ज्यादा महिला आईएएस अफसरों को कलेक्टर बनाने का मौका मिला है.

राज्य में कुछ ऐसे जिले भी हैं जहां पिछले दो-तीन कार्यकाल से लगातार महिला अधिकारियों को कलेक्टर बनाया जा रहा है. वहीं एक संभाग की जिम्मेदारी भी महिला आईएएस अधिकारी के पास है. हालांकि अभी भी करीब एक दर्जन जिले ऐसे हैं जहां आज तक किसी महिला आईएएस की पोस्टिंग कलेक्टर के रूप में नहीं हुई, जिनमें भोपाल और इंदौर जैसे बड़े जिले भी शामिल हैं. प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2011 से 2017 बैच तक की करीब 45 महिला आईएएस अधिकारियों में से एक दर्जन को पहली बार कलेक्टर बनने का अवसर मिल सकता है. राज्य में कुछ ऐसे जिले भी हैं जहां पिछले दो-तीन कार्यकाल से लगातार महिला अधिकारियों को कलेक्टर बनाया जा रहा है. वहीं एक संभाग की जिम्मेदारी भी महिला आईएएस अधिकारी के पास है. हालांकि अभी भी करीब

### 2014 बैच की सबसे ज्यादा महिला कलेक्टर

वर्तमान में वर्ष 2016 बैच के अधिकारियों को कलेक्टर बनाने का क्रम चल रहा है, जिनमें तीन महिला आईएएस शामिल हैं. सबसे ज्यादा संख्या 2014 बैच की है. इस बैच की दस में से आठ महिला अधिकारी अलग-अलग जिलों की कलेक्टर हैं।

### इन जिलों में महिला कलेक्टर

राज्य में वर्तमान में सिवनी, झाबुआ, शाजापुर, खरगोन, मैहर, आलीराजपुर, डिंडोरी और निवाड़ी सहित कई जिलों की जिम्मेदारी महिला कलेक्टर संभाल रही हैं. इनमें प्रमुख रूप से शीतला पटले (सिवनी), नेहा मीना (झाबुआ), ऋजु बाफना (शाजापुर), भव्या मित्तल (खरगोन), रानी बाटड (मैहर), नीतू माथुर (आलीराजपुर), अंजू पवन भदौरिया (डिंडोरी) और जमुना भिड़े (निवाड़ी) शामिल हैं.

### इन जिलों को अब भी महिला कलेक्टर का इंतजार

प्रदेश के इंदौर, धार, उज्जैन, ग्वालियर, सतना, सिंगरौली , मऊगंज, शहडोल, छतरपुर, भोपाल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जैसे जिलों में अभी तक किसी महिला आईएएस को कलेक्टर के रूप में पदस्थ नहीं किया गया है.

### संभागवार स्थिति

इंदौर संभाग- भव्या मित्तल (खरगोन), ज्योति सिंह (बड़वानी), नेहा मीना (झाबुआ), नीतू माथुर (आलीराजपुर)

उज्जैन संभाग- मीशा सिंह (रतलाम), ऋजु बाफना (शाजापुर), प्रीति यादव (आगर-मालवा), अदिति गर्ग (मंदसौर)

ग्वालियर संभाग- रुचिका चौहान (ग्वालियर)

रीवा संभाग- प्रतिभा पाल (रीवा), रानी बाटड (मैहर)

सागर संभाग- ऊषा परमार (पन्ना), जमुना भिड़े (निवाड़ी)

नर्मदापुरम संभाग- सोनिया मीना (नर्मदापुरम)

जबलपुर संभाग- रजनी सिंह (नरसिंहपुर), शीतला पटले (सिवनी), अंजू पवन भदौरिया (डिंडोरी)

# न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे एकदिवसीय में भी हराया

## 3-0 से सीरीज जीती , अमेलिया रही प्लेयर ऑफ द सीरीज

डुनेडिन। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी जिम्बाब्वे को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 की स्पष्ट जीत दर्ज की है। केर ने इस मुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए 80 रन बनाये और हैट्रिक भी लगायी। अमेलियाने कुल 5 विकेट लिए। अमेलिया को सीरीज में 140 रन बनाने और 16 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी मिला।

इसए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 303 रन बनाये। अमेलिया ने सबसे अधिक 80 रन बनाए। वहीं मैडी ग्रीन ने 94 रन बनाये। वहीं वहीं जिम्बाब्वे की ओर से टेंडाई मकुशा ने , एडेल ज़िमुनु , और प्रेशियस मारेंज ने एक-एक विकेट लिया। क्रिस्टाबेल चैटोंज़वा ने 2 विकेट लिए।

कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 27.1 ओवर में केवल

103 रन पर ही आउट हो गए। लोरेन शुमा ने सबसे अधिक 34 रन बनाये। कीवी गेंदबाजों के सामने टीम टिक नहीं पायी। न्यूजीलैंड के बॉलर्स के टाइट कंट्रोल की वजह से मेजबान टीम ने रेगुलर इंटरवल पर विकेट गंवाए। न्यूजीलैंड के बॉलिंग अटैक ने शुरुआती विकेट हासिल किए जिसमें रोजमेरी मायर ने 16 रन देकर 2 विकेट लेकर शानदार वापसी की जबकि नेन्सी पटेल ने 16 रन देकर 1 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों पर प्रेशर बनाए रखा।

इसके बाद केर ने लोअर ऑर्डर को तहस-नहस करके सेंटर स्टेज पर जगह बनाई। ऑलराउंडर ने सिर्फ 3.1 ओवर में पांच विकेट लिए जिसमें चेज के 24वें ओवर में एक शानदार हैट्रिक भी शामिल है। उन्होंने ऑड्रे माजविशाया, टेंडाई मकुशा और नोमवेलो सिबांडा को लगातार गेंदों पर आउट करके जिम्बाब्वे की इनिंग खत्म की और महमान टीम को जबरदस्त जीत दिलाई। इस नतीजे के साथ न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज में 3-0 से जबरदस्त जीत हासिल की, जिसमें मेहमान टीम ने तीनों मैचों में जिम्बाब्वे से बेहतर प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड अब 15 मार्च से साउथ अफ्रीका के साथ घर पर पांच झ20द्ध और तीन वनडे मैच खेलेगा।

# न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

## विश्वकप फाइनल खेले आठ अनुभवी खिलाड़ियों की जगह युवाओं को किया शामिल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में टी20 विश्वकप फाइनल में शामिल रहे आठ अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। इसमें अनुभवी टिम सिफर्ट, फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, मैट हेनरी और जैकब डफी को जगह नहीं मिली है। इन खिलाड़ियों में से कई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा लेंगे। इस कारण भी इनको आराम दिया गया है।

15 मार्च से होने वाली इस सीरीज में कप्तान मिचेल सैंटनर पहले तीन टी20 मैच ही खेलेंगे। इसके बाद बचे हुए मैचों में टॉम लैथम कप्तानी करेंगे। वहीं कैटेने क्लार्क, निक केली और जेडन

लेनॉक्स को पहली बार शामिल किया गया है। क्लार्क और लेनॉक्स को आखिरी दो एकदिवसीय के लिए रखा गया है। डेवोन कॉनवे की जगह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज डेन क्लेवर को टीम में शामिल किया गया है।

चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा, 'इस टीम का चयन करते समय हमने युवाओं को प्राथमिकता दी। इससे हमें कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देने और नए चेहरों को अवसर देने का मौका मिला है। यह कई खिलाड़ियों के लिए टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर है, क्योंकि हम एक नए विश्वकप चरण की शुरुआत कर रहे हैं।

मिचेल सैंटनर (कप्तान) (तीन मैच), कैटेने क्लार्क (आखिरी दो मैच), जोश क्लार्कसन, डेन क्लेवर (विकेटकीपर) (आखिरी दो मैच), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर) (पहले तीन मैच), लॉकी फर्ग्यूसन (दूसरा और तीसरा मैच), जैक फॉल्क्स, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, निक केली, टॉम लैथम (कप्तान) (आखिरी दो मैच), जेडन लेनॉक्स (आखिरी दो मैच), कोल मैककोंची, जिम्मी नीशम, टिम रॉबिन्सन, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

# जय शाह ने दिया था मुझे मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव –गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते है। उनके मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्वकप जीता है। गंभीर हालांकि टेस्ट प्रारुप में टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके कारण वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे हैं। गंभीर का कहना है कि उन्हें कोचिंग को कोई अनुभव नहीं था पर तत्कालीन बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उन्हें मुख्य कोच बनने का प्रस्तान दिया था जिसके लिए वह मना नहीं कर पाये हालांकि इससे पहले उन्होंने अपने परिवार और पत्नी से बात की थी। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गंभीर को मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी थी। उनको कोच बनाना इसलिए हैरानी की बात रही कि उनके पास पहले का कोई अनुभव नहीं था।

गंभीर ने हाल ही में बताया कि जब शाह ने उन्हें यह प्रस्ताव दिया, तो वह इसके लिए तैयार नहीं थे पर शाह को मना नहीं कर पाये। गंभीर ने कहा, 'मुझे याद है हम मुंबई में एक आईपीएल मैच खेल रहे थे। केकेआर बनाम मुंबई इंडियंस था, और हम सेंट रेजिस होटल में ठहरे थे। जय भाई ने मुझे सुबह-सुबह फोन कर कहा, 'मुझे तुम्हें एक प्रस्ताव देना है और तुम मुझे मना नहीं कर सकते।' मैंने पूछा, 'क्या?' तो उन्होंने कहा, 'तुम्हें मुख्य कोच बनना है,' उस समय मैं इसके लिए तैयार भी नहीं था।' उन्होंने आगे कहा, 'यह मेरे लिए हैरानी की भी बात थी क्योंकि मुझे लगता है कि भारतीय टीम का मुख्य कोच बनना एक सम्मान की बात है। यह एक खास अवसर है, क्योंकि बहुत कम लोगों को दोबारा ड्रेसिंग रूम में जाकर इंडिया की जर्सी पहनने और देश के लिए कुछ खास करने का मौका मिलता है।' गंभीर के मुताबिक, उन्हें पता था कि उनके पास कोचिंग का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई, जिसके लिए वह जय शाह का जितना धन्यवाद करें कम है।'

# सैमसन के नाम दर्ज हुआ अनौखा रिकार्ड

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन छाये रहे। सैमसन ने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन अर्धशतक सहित कई रिकार्ड बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक अनोखा रिकार्ड भी बनाया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैचों में बाहर रहने के बाद भी 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार प्राप्त

सैमसन से पहले केवल चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था पर इन सभी खिलाड़ियों ने केवल एक मैच नहीं खेला था। वहीं सैमसन शुरुआत के चार मैचों से बाहर रहे थे। वह टूर्नामेंट की शुरूआत में सैमसन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला जिसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह टीम में जम गये। सुपर-8 में शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाज होने के कारण टीम संयोजन को बेहतर बनाने दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण सैमसन को जगह मिली जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले, जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। वहीं आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे।

## विश्वकप के बाद ट्रेन में प्रशंसकों से किसी प्रकार छिपकर मुम्बई पहुंचे शिवम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे विश्वकप के बाद अहमदाबाद से ट्रेन से मुम्बई पहुंचे। शिवम ने ट्रेन में पहचाने जाने के डर से कंबल ओड़ा हुआ था। ट्रेन से मुम्बई जाने का कारण ये था कि सभी फ्लाइट बुक थी इसलिए उन्हें थर्ड एसी से यात्र करनी पड़ी। यात्रा के दौरान बीच-बीच में टीसी भी आया, पर उन्होंने किसी को अपने पहचान का पता नहीं चलने दिया। इस दौरान उनकी पत्नी भी साथ थीं।

अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली फ्लाइट्स नहीं मिली तो शिवम ने ट्रेन के जरिये जाना ठीक समझा। शिवम अपने बच्चों से मिलने की जल्दी में थे। इसलिए ट्रेन से लौटे पहचान छिपाने के लिए शिवम ने फुल स्लीव टी-शर्ट, कैप और मास्क का सहारा लिया। स्टेशन पर हंगामा न हो, इसलिए वो ट्रेन छूटने के महज 5 मिनट पहले कोच में दाखिल हुए और चुपचाप अपनी अपर बर्थ पर जाकर सो गए। सफर के दौरान सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब टिकट चेकर वहां पहुंचा। चार्ट पर शिवम दुबे नाम देखते ही हैरान रह गया और पूछा, शिवम दुबे? वही क्रिकेटर? तो वह डर गये पर पत्नी अंजुम ने बात संभाली और मुस्कुराते हुए कहा— अरे नहीं-नहीं, वो यहां कहां से आएगा? ये सुनते ही टीटीई आगे बढ़ गया।

पूरे 8 घंटे की यात्रा के दौरान शिवम ऊपर वाली सीट से नीचे नहीं उतरे। लेकिन असली चुनौती थी मुंबई का बोरीवली स्टेशन। दिन के उजाले में वहां से सुरक्षित निकलना टेढ़ी खीर था। आखिरकार उन्हें पुलिस की मदद लेनी पड़ी। जब पुलिस वालों को पता चला कि विश्व कप का हीरो एयरपोर्ट से नहीं बल्कि ट्रेन के डिब्बे से बाहर आने वाला है, तो उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गईं। कड़ी सुरक्षा के बीच अंडरकवर दुबे को स्टेशन से बाहर ले गये।

# बीसीसीसी ने 15 मार्च को रखा नमन अवार्ड समारोह

### पांच आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली टीमों का होगा सम्मान

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पिछले कुछ समय में जीती गयी पांच आईसीसी ट्रॉफी का जश्न मनाने जा रहा है। भारतीय पुरुष और महिला टीम ही नहीं बल्कि यूथ मेंस और वुमेंस टीम को भी पिछले कुछ समय में आईसीसी ट्रॉफी मिली हैं। इससे पिछले सवा साल में भारत की अलग-अलग टीमों ने 5 आईसीसी खिताब जीते हैं। इसी को लेकर बीसीसीआई भी अपने खिलाड़ियों को सम्मानित करने जा रहा है। इसके लिए रविवार 15 मार्च को बोर्ड दिल्ली में अपने सालाना नमन अवॉर्ड्स आयोजित करेगा। यह इवेंट एयरपोर्ट के पास एक शानदार फाइव स्टार होटल में होगा। यह जगह खास तौर पर उन खिलाड़ियों के लिए यात्रा को आसान बनाने के लिए चुनी गई थी जो जल्द ही आईपीएल टीमों से जुड़ने जा रहे हैं। बीसीसीआई ने पहले ही टी20 विश्व कप 2026 की विजेता टीम के लिए 131 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की है।

बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह समारोह चैंपियंस का एक बड़ा गेट-टुगेदर होगा। उन्होंने बताया, हम हाल ही के टी20 विश्व कप चैंपियंस सहित सभी आईसीसी टूर्नामेंट विजेताओं को उनके कोच के साथ बुलाने जा रहे हैं। जिन पांच टीमों को सम्मानित किया जाएगा। उनमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 विजेता टीम, आईसीसी वुमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 विनिंग टीम, आईसीसी अंडर 19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम, आईसीसी अंडर 19 वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2025 विजेता टीम और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 विजेता टीम शामिल है।प्रशंसक इस इवेंट में अपने कुछ पसंदीदा क्रिकेट सितारों को देखने की उम्मीद कर सकते हैं। इस समारोह में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को भी बुलाया जाएगा।

# द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है।

हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की

थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा। पिछले सत्र में उन्होंने 8 पारियों में 122 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 3 विकेट लिए, हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा।वहीं फीनिक्स ने ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को लगातार दूसरे सत्र के लिए बर्मिंघम फीनिक्स की महिला टीम का कप्तान बनाया है।

# आईपीएल 2026 सत्र के कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र की जाएगी – बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इसी माह के अंत में शुरु होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद से ही प्रशंसक अब आईपीएल के 19 सत्र का इंतजार कर रहे हैं। ये सत्र 28 मार्च से होना है पर अभी तक कार्यक्रम घोषित नहीं होने से प्रशंसक संशय में है कि किस टीम को मैच कब खेला जाएगा। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा में हो रही देरी का भी कारण बताया और कहा कि कुछ राज्यों के चुनाव की तारीखों का इंतजार किया जा रहा है। इसी कारण अब बोर्ड कार्यक्रम के सभी मैचों की एकसाथ घोषणा न करते हुए दो चरणों में करेगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि अगले 2-3 दिनों में आईपीएल के पहले 20 दिनों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ये फैसला पश्चिम बंगाल, केरल, असम और तमिलनाडु में चुनाव को देखते हुए लिया गया हैहैं। इन राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल मई महीने में खत्म हो रहे हैं। उनके कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव कराए जाने जरूरी हैं और निर्वाचन आयोग आने वाले दिनों में इन राज्यों के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। उसी हिसाब से इस राज्यों में होने वाले आईपीएल मैच रखे जाएंगे। आईपीएल 2026 सत्र आधिकारिक तौर पर 28 मार्च से शुरू होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस सत्र में पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। पिछले सत्र में उसने आईपीएल फाइनल में पंजाब को 6 रन से हराया था।

# हरभजन ने कीर्ती आजाद को दिया करारा जवाव, खेल को राजनीति में न घसीटें

नई दिल्ली । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विश्वकप ट्रॉफी को धार्मिक विवाद में घसीटने के लिए टीएमसी सांसद कीर्ती आजाद की कड़ी आलोचना की है। पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की विश्वकप जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के स्टेडियम के पास में बने हनुमान मंदिर में ट्रॉफी लेकर जाने पर सवाल उठाये थे। पूर्व क्रिकेटर रहे आजाद ने कहा था कि ट्रॉफी को किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, उसे अन्य धर्मस्थलों पर क्यों लेकर नहीं गये। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि इस प्रकार की विवादास्पद बातों की उन्हें आजाद जैसे पूर्व क्रिकेटर से उम्मीद नहीं थी। साथ कहा कि वे खेल को राजनीति में घसीटने का प्रयास न करें। हरभजन ने कहा, यह अजीब है कि आजाद इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं, जो समझ से परे है। भारतीय टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है, तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन ने कहा है कि उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत ने विश्व कप जीता है।

उन्होंने कहा, साथी क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। इससे लगता है कि आजाद शायद खेल से ज्यादा राजनीति को पसंद कर रहे हैं। यह और भी बुरा है कि वह एक खिलाड़ी होते हुए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। देश ने विश्व कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ पर तुम राजनीति करने में व्यस्त हो।

# रिंकू हवाई अड्डे पर आगे निकले, तो मंगेतर प्रिया बोली, मुझे भूल गये क्या

लखनऊ । आईसीसी टी20 खिताब विजेता भारतीय टीम के क्रिकेटर रिंकू सिंह आज जब अपने गृहनगर पहुंचे तो हवाई अड्डे के बार उनके प्रशंसकों और दोस्तों की भीड़ भी। रिंकू भी अपनी दोस्तों से मिल रहे थे। इस दौरान उनकी मंगेतर प्रिया सरोज भी आईं थी पर रिंकू गलती से प्रिया सरोज से आगे निकल गए। उन्हें आगे जाते देख प्रिया ने भोलेपन से कहा, क्या तुम मुझे भूल गए? रिंकू इस बात से हंस पड़े। वे वापस आए प्रिया के कंधों पर हाथ रखा और फिर अपने दोस्तों से मिलने चले गए। रिंकू और प्रिया का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। रिंकू सिंह ने पिछले साल 8 जून को सपा सांसद प्रिया सरोज से सगाई की थी। रिंकू के लिए पिछले कुछ दिन बेहद मुश्किल रहे हैं। विश्वकप के बीच ही उनके पिता का निधन हो गया था। ऐसे में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप 2026 सुपर 8 मैच के बाद रिंकू अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे और फिर वेस्ट इंडीज के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले के लिए वापस टीम से जुड़ गये। भारत की टी20 विश्व कप 2026 की जीत के बाद एक भावपूर्ण पोस्ट में रिंकू ने कहा कि अपने पिता से बात किए बिना एक दिन भी अधूरा लगता है और उनके बिना आगे के जीवन की कल्पना करना उनके लिए कठिन है। रिंकू ने लिखा मैंने तुमसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं बिताए। मुझे नहीं पता कि तुम्हारे बिना जिंदगी कैसे आगे बढ़ेगी लेकिन मुझे पता है कि मुझे हर कदम पर तुम्हारी जरूरत होगी।में लिखा तुमने हमेशा मुझे सिखाया कि कर्तव्य पहले आता है, इसलिए मैदान पर में सिर्फ तुम्हारे सपने को पूरा करने की कोशिश कर रहा था।

# मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप और वंशिका

मसूरी । भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव की शादी 14 मार्च को मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में होने वाली है। ये वही होटल है जिसमें कभी भारतीयों का प्रवेश भी वर्जित था। कुलदीप ब्रिटिश दौर में बने इस प्रतिष्ठित होटल में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। होटल कर्मचार भी स्टार खिलाड़ी की शादी के कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं। इस होटल का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है। अब यही जगह एक भारतीय खिलाड़ी की शादी की मेजबानी करने जा रही है। साल 1902 में शुरू हुआ सेवॉय होटल मसूरी की पहचान माना जाता है। ब्रिटिश काल में यह होटल अंग्रेज अधिकारियों और यूरोपीय मेहमानों के लिए बनाया गया था। अंग्रेजों ने गर्मियों में मसूरी की खूबसूरत वादियों का आनंद उठाने के लिए इस होटल का निर्माण कराया था। उस समय भारतीयों को यहां ठहरने की अनुमति नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे यह होटल सभी के लिए खुला और समय के साथ देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित लोगों की मेजबानी करता रहा।

गौरतलब है कि सेवॉय होटल अपनी भव्य वास्तुकला, पुराने ब्रिटिश दौर की झलक और ऐतिहासिक महत्व के कारण आज भी विशेष माना जाता है। अब इसी ऐतिहासिक होटल में कुलदीप यादव का विवाह समारोह आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर मसूरी में बेहद उत्साह का माहौल है। क्रिकेट प्रेमियों और स्थानीय लोगों के बीच इस शादी को लेकर चर्चा का माहौल है। पहाड़ों की खूबसूरत वादियों के बीच होने वाला यह समारोह सेवॉय होटल के इतिहास में एक और यादगार अध्याय जोड़ने जा रहा है।

# पीएम मोदी का कोई राज तो ट्रंप के पास है, जिसकी वजह से वह गुलाम बने हुए हैं

## -केजरीवाल ने एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। केजरीवाल ने पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए उन्हें ट्रंप का गुलाम तक बताया दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी का कोई राज ट्रंप के पास है जिसकी वजह से वह देश को बर्बाद कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने युद्ध में अमेरिका और इजराइल का पक्ष लिया और ईरान को दुश्मन बना लिया है, इसी वजह से यह संकट पैदा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एलपीजी संकट पर सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने गैस आपूर्ति में कमी के लिए पीएम मोदी को सीधे जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इससे एक करोड़ लोगों का रोजगार जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है। इसका कारण है कि देशभर में जितना उत्पादन होता है उसमें से 50 फीसदी कम हो गई है। 60 फीसदी गैस देश में आयात होता है और इसमें से 90 फीसदी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता था, जो युद्ध की वजह से बंद कर दिया गया है।

केजरीवाल ने कहा कि ईरान रूस और चीन जैसे दोस्तों को यहां से गुजरने की इजाजत दे रहा है, लेकिन भारत को नहीं।

केजरीवाल ने मुंबई, तमिलनाडु, दिल्ली-एनसीआर, बिहार, राजस्थान आदि का नाम लेते हुए कहा कि हजारों होटल बंद हो गए हैं और आने वाले दिनों और ज्यादा बंद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मोरबी में ही टाइल्स कारोबार से जुड़े एक लाख लोग बेरोजगार हो चुके हैं और देश में तुरंत एक करोड़ से ज्यादा लोगों को बेरोजगार होने की संभावना है। पूर्व सीएम ने कहा कि 75 साल से भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता की थी जिसे पीएम मोदी ने ध्वस्त कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले उन्हें इजराइल जाने की क्या जरूरत थी। उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया है। वह ऐसा क्यों कर रहे हैं यह समझ से परे हैं। भारत हमेशा से गुटनिरपेक्षता का पक्षधर था। ईरान जो हमारा पुराना दोस्त था उसे हमने अपना दुश्मन बना लिया है।

केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे ये शब्द इस्तेमाल करने में बहुत शर्म महसूस हो रही है, प्रधानमंत्री जी ट्रंप के गुलाम बने हुए हैं। 140 करोड़ लोगों के महान देश को पीएम मोदी ने अमेरिका की कॉलोनी बना दिया है। अंग्रेजों ने इसलिए कब्जा कर लिया क्योंकि उस समय के राजा कमजोर थे, उन्हें ब्लैकमेल किया जा सकता था। उन्हें खरीदा जा सकता था। आज अमेरिका ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया है, क्योंकि पीएम कमजोर हैं। उसको ब्लैकमेल किया जा रहा है। उसको क्यों ब्लैकमेल किया जा रहा है। एक एक देशवासी का खून खौल रहा है जिस तरह अमेरिका के राष्ट्रपति से छोटे कर्मचारी तक हमारे प्रधानमंत्री का मजाक उड़ा रहे हैं। हमारा यही कसूर है कि हमारा प्रधानमंत्री कमजोर है।

केजरीवाल ने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि कॉटन ड्यूटी हटा लो पीएम मोदी ने कहा जी हुजूर। ट्रंप ने कहा कि रूस से तेल मत खरीदो- मोदी ने कहा जी हुजूर। इससे देश को 8 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सामान पर जीरो ड्यूटी होगी। मोदी जी ने कहा जी हुजूर। हम जानना चाहते हैं कि मोदी की क्या मजबूरी है? कुछ तो है मोदी जी का ट्रंप के पास, जिसकी वजह से मोदी इतने मजबूर हैं। ट्रंप खुलेआम कह रहा है कि मेरे पास मोदी जी का राज है जिसे पब्लिक कर दूंगा तो उनका करियर खत्म हो जाएगा। अगर मोदी जी को लगता है कि ऐसी कुछ शर्मनाक बातें हैं जिनके पब्लिक में आने से उनका नुकसान होगा। यदि उन्हें राज खुलने का डर है तो इस्तीफा दे दें लेकिन देश को बर्बाद ना करें।

## आजम खां और उनके बेटे से जुड़े दो पैन कार्ड मामले में अंतिम सुनवाई 16 को

रामपुर। उत्तरप्रदेश के रामपुर में आजम खां और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खान के खिलाफ दो पैन कार्ड मामले में चल रही अपील पर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने अपीलकर्ता पक्ष को अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर देकर मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च तय की है।

यह मामला वर्ष 2019 में आकाश सक्सेना (भाजपा विधायक) की शिकायत पर रामपुर की सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आजम खां ने अपने बेटे अब्दुल्ला के लिए अलग-अलग जन्मतिथि के आधार पर दो पैन कार्ड बनवाए, और उनका इस्तेमाल किया। पुलिस ने जांच पूरी कर पिता-पुत्र के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के बाद 17 अक्टूबर 2025 को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने आजम और अब्दुल्ला को दोषी ठहराते हुए सात-सात साल के कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ दोनों ने सेशन ट्रायल कोर्ट में अलग-अलग अपील दाखिल की थी और साथ ही जमानत याचिका भी दी थी। इन अपीलों पर संयुक्त रूप से सुनवाई चल रही है। पहले अपीलकर्ता पक्ष के अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें रखीं, जिसके बाद अभियोजन पक्ष ने अपनी बहस पूरी कर ली। वहीं दूसरी ओर आजम खां के खिलाफ गवाह को धमकाने के एक अन्य मामले में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। यह मामला मुहल्ला बेरियान निवासी नन्हे की शिकायत पर 17 अगस्त 2022 को शहर कोतवाली में दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि डूंगरपुर प्रकरण में गवाही देने से रोकने के लिए कुछ लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी।

## देश में एलपीजी संकट पर सदन में आकर बयान दें पीएम मोदी, राजद सांसद की मांग

नई दिल्ली। देश में एलपीजी (एलपीजी) सप्लाई को लेकर बढ़ते संकट के बीच मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज है। विपक्षी दलों ने मोदी सरकार से मांग की है कि इस गंभीर विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा हो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद सदन में आकर स्थिति स्पष्ट करें।

आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि कमर्शियल सिलेंडरों की कमी को लेकर लोगों के मन में अनिश्चितता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद में आकर इस मुद्दे पर बयान देना चाहिए, ताकि देश को स्पष्ट जानकारी मिल सके। उनका कहना है कि जब विदेश मंत्रालय बयान देता है, तब उसमें कई सवालों के जवाब नहीं मिलते, जिससे स्थिति और अस्पष्ट हो जाती है।

वहीं केंद्र सरकार की ओर से बताया गया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है और एलपीजी की सप्लाई पहले की तरह जारी रखने की कोशिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि मोदी सरकार इस समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है और जल्द ही सप्लाई सामान्य होगी। मोदी सरकार ने रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद कई रिफाइनरियों ने गैस उत्पादन में करीब 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की है। वहीं केंद्र सरकार ने संकट से निपटने के लिए आवश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू कर दिया है और तय किया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सप्लाई में प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, सिलेंडरों की जमाखोरी रोकने और पैनिक बुकिंग से बचने के लिए नया नियम लागू किया गया है, इसके तहत उपभोक्ता बीते सिलेंडर मिलने के 25 दिन बाद ही नया सिलेंडर बुक कर सकते है। इधर विपक्ष के कुछ नेताओं ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए हैं। सीपीआई(एम) सांसद डॉ.जॉन ब्रिटास ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अंतराष्ट्रीय मुद्दों में ज्यादा सक्रिय है, जबकि देश में एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कमी का असर होटल और रेस्तरां उद्योग पर पड़ सकता है। लागत बढ़ने के कारण खाने-पीने की चीजें महंगी होने की संभावना है। केंद्र सरकार फिलहाल अमेरिका और नॉर्वे जैसे देशों से गैस आयात बढ़ाने जैसे विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

## कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट पर मुआवजा दे सरकार- सुप्रीम कोर्ट

**अदालत ने 'नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी' बनाने का दिया निर्देश, साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग का मौजूदा सिस्टम रहेगा जारी**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 वैक्सीनेशन से जुड़े मामलों पर अहम फैसला सुनाते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिया है, कि वैक्सीन के संभावित साइड इफेक्ट से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने के लिए एक स्पष्ट नीति बनाई जाए। अदालत ने कहा कि सरकार को इसके लिए 'नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी' तैयार करनी चाहिए, ताकि जिन लोगों को वैक्सीन के कारण नुकसान हुआ है उन्हें राहत मिल सके।

यह फैसला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को सुनाया। अदालत ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन के कारण नुकसान होता है, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इस मामले में किसी की गलती साबित न हुई हो। इसे ही 'नो-फॉल्ट कम्पनसेशन' व्यवस्था कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि कोविड वैक्सीनेशन के बाद होने वाले साइड इफेक्ट्स की निगरानी के लिए जो मौजूदा व्यवस्था लागू है, वही आगे भी जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि इसके लिए अलग से किसी नए विशेषज्ञ पैनल के गठन की आवश्यकता नहीं है।

यह मामला 2021 में दायर एक याचिका से जुड़ा है, जिसे रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन ने दायर किया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मृत्यु कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को वैक्सीनेशन से जुड़े संभावित जोखिमों के मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अदालत ने अपने फैसले में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को भी स्पष्ट किया।

इनमें पहला, कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से संबंधित आंकड़ों को समय-समय पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि लोगों को सही जानकारी मिल सके। दूसरा, मुआवजा नीति लागू होने का यह अर्थ नहीं होगा कि पीड़ित व्यक्ति अन्य कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता। यदि कोई व्यक्ति चाहे तो वह अलग से न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से भी न्याय मांग सकता है। तीसरा, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मुआवजा नीति बनाने का मतलब यह नहीं है कि सरकार या किसी अन्य प्राधिकरण ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। यह केवल एक राहत व्यवस्था होगी, ताकि संभावित नुकसान की स्थिति में प्रभावित लोगों को सहायता मिल सके।

## पैसे वापस आ जाना किसी को सजा से बचाने का आधार नहीं, राज्यपाल की दो टूक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल ने आईडीएफसी बैंक से जुड़े 116 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय घोटाले पर अपना कड़ा रुख दिखाया है। राज्यपाल ने दो टूक शब्दों में कहा है कि प्रशासन की मुस्तैदी से रकम वापस मिल गई है, लेकिन यह किसी भी दोषी के लिए क्लीन चिट नहीं है। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने पूरे रिकॉर्ड की गहन जांच कर ली है। उन्होंने कहा कि अगर सरकारी खजाने से पैसा बाहर गया है, तब निश्चित रूप से किसी न किसी स्तर पर बड़ी चूक या मिलीभगत हुई है। केवल पैसे वापस आ जाना किसी को सजा से बचाने का आधार नहीं बन सकता।

## सरकार बना सकती है एनओसी हटाने का प्रावधान, अंतरराज्यीय वाहन ट्रांसफर होगा आसान

नई दिल्ली। सरकार अंतरराज्यीय वाहन हस्तांतरण को सरल बनाने के लिए कदम उठा रही है। इस प्रस्ताव के तहत वाहन मालिकों को वर्तमान पंजीकृत राज्य से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) प्राप्त करने और इसे नए राज्य के आरटीओ (सड़क परिवहन कार्यालय) में जमा करने की जटिल प्रक्रिया से मुक्ति मिल सकती है।

नीति आयोग द्वारा गठित गैर-वित्तीय नियामक सुधारों की उच्चस्तरीय समिति ने सुझाव दिया है कि स्वतः जनित क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से अंतरराज्यीय वाहन ट्रांसफर को सक्षम बनाया जाए। इस पर कार्य सड़क परिवहन मंत्रालय कर रहा है। यदि लागू हुआ, तो यह उन लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगा जो अपने वाहन को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित कराना चाहते हैं।

वर्तमान में अंतरराज्यीय वाहन हस्तांतरण के लिए एनओसी आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वाहन पर कोई लंबित सड़क कर, चालान या अन्य बकाया राशि न हो। वाहन मालिक को नए आरटीओ में पंजीकरण, फिटनेस प्रमाण पत्र और कर रसीदें जमा करनी होती हैं। यह प्रक्रिया ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से आरटीओ जाकर पूरी की जाती है, और नए पंजीकरण की प्रक्रिया एनओसी जमा होने के बाद ही शुरू होती है। अधिकारियों के अनुसार, वाहन संबंधी दस्तावेज अब केंद्रीय वाहन डेटाबेस में सुरक्षित रूप से ऑनलाइन संग्रहित किए जाते हैं। इस वजह से एनओसी की हार्ड कॉपी की आवश्यकता समाप्त हो सकती है। वर्तमान में एनओसी के लिए जरूरी दस्तावेजों में यातायात उप आयुक्त को संबोधित पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, वाहन बीमा दस्तावेज, प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र, वाहन मालिक का पता प्रमाण और यदि वाहन पर ऋण है, तो वित्तपोषण बैंक से मंजूरी पत्र प्रमुख हैं। इस तरह से यह सुधार लागू होने पर वाहन ट्रांसफर की प्रक्रिया सरल, तेज और डिजिटल होगी, जिससे समय और कागजी कार्रवाई दोनों की बचत होगी।

## शरद पवार, सिंघवी सहित कौन से 26 नेता पहुंचे राज्यसभा, हरियाणा और बिहार में चुनाव से होगा फैसला

### हरियाणा में फिर बीजेपी कर सकती हैं खेला

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले सहित 26 उम्मीदवार सोमवार को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए। नाम वापसी की आखिरी तारीख बीत जाने के बाद, अब उच्च सदन की 11 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होगा। बिहार में पांच, ओडिशा में चार और हरियाणा में दो सीटें हैं जहां चुनाव होना है। इन द्विवार्षिक चुनावों में बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने की पूरी संभावना है। 10 राज्यों में खाली हुई 37 सीटों के लिए कुल 40 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया था। नाम वापसी के बाद, अब बिहार, ओडिशा और हरियाणा में एक-एक सीट के लिए कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। 11 सीटों के लिए अब कुल 14 उम्मीदवार चुनावी मैदान में बचे हैं।

**भाजपा ने नियुक्त किए केंद्रीय पर्यवेक्षक**

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को बिहार, हरियाणा और ओडिशा में राज्यसभा चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की एक अधिसूचना जारी की। इसमें बिहार से केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, हरियाणा से गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी और ओडिशा के लिए महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का नाम शामिल है।

**बिहार (5 सीटें)**

बिहार में एक सीट के लिए दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा क्योंकि राजद (राजद) ने कारोबारी से राजनेता बने अपने मौजूदा सांसद अमरेंद्र धारी सिंह को फिर से उम्मीदवार बनाया है। वहीं एनडीए की ओर से केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर (हैट्रिक की कोशिश में), रालोमो (आरएलएम) अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा (लगातार दूसरे कार्यकाल की उम्मीद में) और भाजपा के प्रदेश महासचिव शिवेश कुमार अपना संसदीय पदार्पण कर रहे हैं।

जहां राजद के पास 25 विधायक हैं और कांग्रेस-वाम दलों सहित महागठबंधन के 10 अन्य विधायकों का समर्थन है। पार्टी एआईएमआईएम और बसपा की मदद से छह वोटों की अपनी कमी को पूरा करने की उम्मीद कर रही है। बिहार विधानसभा सचिव ख्याति सिंह के अनुसार, छह उम्मीदवारों में से किसी ने भी अपना नामांकन वापस नहीं लिया, जिसके कारण राज्य में एक दशक से अधिक समय में पहली बार मतदान की आवश्यकता पड़ रही है।

ओडिशा से भाजपा उम्मीदवार प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार। वहीं बीजद ने संतरूप मिश्रा और प्रख्यात यूरोलॉजिस्ट डॉ. दातेश्वर को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा के समर्थन से दिलीप रे ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरा है, जिससे यहां क्रॉस-वोटिंग की संभावना बढ़ गई है।

हरियाणा में भी एक सीट के लिए कड़ा मुकाबला होना है, जहां पहले भी क्रॉस-वोटिंग का इतिहास रहा है। कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं और एक सीट जीतने के लिए विपक्षी पार्टी को केवल 31 पहली पसंद वाले वोटों की आवश्यकता है। उम्मीदवार में भाजपा से संजय भाटिया, कांग्रेस से करमवीर सिंह बौद्ध और निर्दलीय सतीश नांदल। नांदल ने 2019 में भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था और अब वह मैदान में तीसरे उम्मीदवार के रूप में उतरे हैं।

**विभिन्न राज्यों से निर्विरोध चुने गए उम्मीदवार**

चुनावों के इस दौर के बाद राज्यसभा में भाजपा की सीटें बढ़ने की उम्मीद है और वह उच्च सदन में सबसे अधिक सीटों वाली पार्टी बनी रहेगी। लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष एम. थंबीदुरई और कांग्रेस के जाने-माने वकील अभिषेक मनु सिंघवी भी उन नेताओं में शामिल हैं जो उच्च सदन के लिए निर्विरोध चुने गए हैं।

महाराष्ट्र से 7 सीटों पर सभी सात उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। इनमें सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के छह और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार शरद पवार शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, भाजपा नेता विनोद तावड़े, रामराव वडकुटे (भाजपा), नागपुर की पूर्व मेयर माया इवनाते (भाजपा), एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ज्योति वाघमारे और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार निर्विरोध निर्वाचित हुए।

पश्चिम बंगाल की पांच सीटों पर सत्तारूढ़ टीएमसी (टीएमसी) के चार उम्मीदवार बाबुल सुप्रियो, पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी राजीव कुमार, सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी और अभिनेत्री कोयल मल्लिक निर्विरोध चुने गए। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा भी निर्विरोध जीते।

असम की 3 सीटों पर सत्तारूढ़ एनडीए के तीन उम्मीदवार जोगेन गोवाला के साथ-साथ यूपीपीएल (यूपीपीएल) के प्रमोद बोरो निर्विरोध निर्वाचित हुए। तेलंगाना की 2 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक सिंघवी और वेम नरेन्दर रेड्डी निर्विरोध चुने गए।

तमिलनाडु की 6 सीटों सभी छह उम्मीदवार निर्विरोध जीते। अन्नाद्रमुक के मौजूदा सांसद एम. थंबीदुरई, पीएमके नेता अंबुमणि रामदास, सत्तारूढ़ द्रमुक (यूपीपीएल) के तिरुची शिवा और जे कॉन्स्टेंटाइन रवींद्रन, कांग्रेस के एम क्रिस्टोफर तिलक और डीएमडीके के कोषाध्यक्ष एल.के. सुधीश निर्वाचित हुए।

छत्तीसगढ़ की 2 सीटों पर भाजपा की लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस की फूलो देवी नेताम निर्विरोध जीतीं, क्योंकि दो सीटों के लिए केवल यही दो उम्मीदवार मैदान में थीं। वहीं हिमाचल प्रदेश की 1 सीट पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के करीबी विश्वासपात्र कांग्रेस उम्मीदवार अनुराग शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए।

## मोबाइल रिचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग बंद करना मनमानी

### आप सांसद राघव चड्ढा आप सांसद ने उच्च सदन में उठाया मामला

**मोबाइल उपभोक्ताओं के अधिकारों को लेकर राघव चड्ढा ने सरकार और ट्राई से की तीन अहम मांगें**

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद के उच्च सदन में मोबाइल उपभोक्ताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज समाप्त होने पर इनकमिंग कॉल और एसएमएस सेवा बंद कर देना मोबाइल कंपनियों की मनमानी है और इससे करोड़ों उपभोक्ता प्रभावित होते हैं।

सांसद राघव चड्ढा ने कहा, कि टेलिकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (टीआरएआई) के आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 125 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं, जिनमें लगभग 90 प्रतिशत प्रीपेड यूजर्स हैं। उन्होंने बताया कि प्रीपेड उपभोक्ताओं को दो प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनमें सबसे बड़ी समस्या रिचार्ज की वैधता खत्म होने पर इनकमिंग कॉल और एसएमएस का बंद हो जाना है।

राघव चड्ढा ने कहा कि जब किसी प्रीपेड प्लान की वैधता समाप्त हो जाती है तो आउटगोइंग कॉल बंद होना समझ में आता है, क्योंकि उसके लिए सेवा शुल्क देना होता है। लेकिन फोन, सिम कार्ड और मोबाइल नंबर उपभोक्ता का होने के बावजूद इनकमिंग कॉल और एसएमएस को बंद कर देना पूरी तरह अनुचित है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में मोबाइल नंबर केवल संचार का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यक्ति की डिजिटल पहचान बन चुका है। बैंकिंग सेवाओं, यूपीआई भुगतान, ट्रेन टिकट बुकिंग, पैन-आधार सत्यापन, नौकरी से जुड़े इंटरव्यू कॉल, अस्पतालों की जानकारी और पारिवारिक संपर्क जैसी अनेक जरूरी सूचनाएं मोबाइल पर आने वाले कॉल और एसएमएस के माध्यम से मिलती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति रिचार्ज करना भूल जाए और उसकी इनकमिंग सेवा बंद कर दी जाए, तो यह सफ्ते 'राइट टू कम्युनिकेशन' को बाधित करने जैसा है।

आप सांसद चड्ढा ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे आधार कार्ड इसलिए एक्सपायर नहीं होता क्योंकि किसी ने समय पर जानकारी अपडेट नहीं की, या बैंक खाता इसलिए बंद नहीं होता क्योंकि कोई मासिक जमा नहीं कर पाया, उसी तरह मोबाइल नंबर को भी केवल रिचार्ज न होने के कारण निष्क्रिय नहीं किया जाना चाहिए।

**सरकार और दूरसंचार नियामक से मांग**

सांसद चड्ढा ने इस मुद्दे पर सरकार और दूरसंचार नियामक से तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, प्रीपेड मोबाइल कनेक्शन में इनकमिंग कॉल और एसएमएस की सुविधा अंतिम रिचार्ज की तारीख से कम से कम एक वर्ष तक जारी रहनी चाहिए। दूसरी, किसी भी मोबाइल नंबर को तीन साल से पहले डिएक्टिवेट नहीं किया जाना चाहिए ताकि उसे किसी अन्य व्यक्ति को तुरंत आवंटित न किया जाए। तीसरी, मोबाइल कंपनियों को इनकमिंग कॉल और एसएमएस की सुविधा के लिए कम कीमत वाले विशेष रिचार्ज प्लान उपलब्ध कराने चाहिए।

उच्च सदन में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मांग मुफ्त आउटगोइंग कॉल या डेटा की नहीं है, बल्कि केवल उपभोक्ताओं को बुनियादी इनकमिंग सुविधा की गारंटी देने की है, ताकि मोबाइल सेवाओं का उपयोग करने वाले करोड़ों लोगों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके।

## ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद एसआईआर के विरोध में अपना धरना समाप्त किया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपना धरना पांचवें दिन समाप्त कर दिया और कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा मतदाता सूची संशोधन के संबंध में अपीलीय न्यायाधिकरण गठित करने के आदेश के बाद विरोध-प्रदर्शन को अस्थायी रूप से स्थगित किया जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा अपीलीय प्राधिकरण के गठन के कदम का स्वागत करते हुए बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा बंद किया गया दरवाजा अब खुल गया है, जिससे उन लोगों के लिए आशा की एक नई किरण जगी है। जिनके नाम एसआईआर के तहत तार्किक विसंगति के कारण हटा दिए गए थे या विचाराधीन थे।

मुख्यमंत्री ने धरना अस्थायी रूप से समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय का आदेश बंगाल की जनता की जीत है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन परीक्षण के दौरान मतदाता सूची से नाम हटा दिये गये लोगों की अपीलें सुनने के लिए एक स्वतंत्र अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने का मंगलवार को आदेश दिया, जिसकी अध्यक्षता उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश करेंगे।

न्यायालय ने उन प्रयासों के खिलाफ भी सख्त चेतावनी दी, जो एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बाहर कर दिये गये व्यक्तियों के दावे और आपत्तियों को निपटाने के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों की निष्पक्षता को कमजोर करने के लिए किए जा रहे हैं।

वहीं इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है।स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो।

कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

बालाघाट
गुरुवार 12 मार्च 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

# पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव



बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com


## न्यूज गैलरी

### जनगणना-2027 के मकान सूचीकरण हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण 12 मार्च को

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के लिए जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 12 मार्च 2026 को किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पुराना कलेक्टर कार्यालय बालाघाट स्थित ई-दक्ष केंद्र में प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक आयोजित होगा। प्रशिक्षण में बैहर, लांजी, परसवाड़ा, कटंगी, बिरसा एवं तिरोड़ी के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे जनगणना लिपिक/ऑपरेटर के साथ लैपटॉप एवं जनगणना कैलेंडर के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण में समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

### पानी में डूबने से मृतक के परिवार को 04 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** तहसील के ग्राम खोडसिवनी निवासी शिवलाल पांचे की 13 सितम्बर 2025 को कुए के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री गापोल सोनी से राजस्व पुस्तक परिपत्र 06-04 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारिस पुत्र रूपलाल पांचे को 04 लाख रुपए की सहायता राशि मंजूर की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर रूपलाल पांचे के बैंक खाते में ई-पेमेंट से 04 लाख रुपए की राशि शीघ्र जमा कराए।

# फसल बीमा के नाम पर किसानों को आ रहे फर्जी फोन कॉल

## कृषि मंत्रालय के नाम से आ रहे फोन, खसरा नंबर पूछकर ओटीपी लेने का प्रयास

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**इन दिनों जिले के किसानों को फसल बीमा कराने के नाम पर फर्जी फोन कॉल किए जा रहे हैं। कॉल करने वाले लोग स्वयं को कृषि मंत्रालय भारत सरकार से जुड़ा बताकर किसानों से उनकी फसल और जमीन से संबंधित जानकारी मांग रहे हैं। फोन करने वाले पहले किसानों से उनके खेतों का खसरा नंबर पूछकर जमीन की पुष्टि करते हैं और फिर फसल बीमा कराने का झांसा देकर उनसे ओटीपी साझा करने के लिए कहते हैं। आशंका जताई जा रही है कि ओटीपी के माध्यम से किसानों के मोबाइल या बैंक खाते से ठगी करने का प्रयास किया जा सकता है। इस संबंध में संबंधित विभाग द्वारा किसानों के लिए अलर्ट जारी करते हुए स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार के फोन कॉल किसी भी शासकीय विभाग, मंत्रालय , कृषि विभाग की ओर से नहीं किए जा रहे हैं। ये पूरी तरह फर्जी कॉल हैं और ठग किसानों को फसल बीमा के नाम पर निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं।**

जिले में इन दिनों साइबर अपराधियों की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन अलग-अलग तरीकों से भोली-भाली जनता को ठगने के प्रयास किए जा रहे हैं। कभी नौकरी दिलाने का झांसा देकर तो कभी सोशल मीडिया के माध्यम से लुभावने प्रस्ताव देकर लोगों को अपने जाल में फंसाया जाता है। अब साइबर ठगों ने जिले के किसानों को अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया है और फसल बीमा कराने के नाम पर उनसे जानकारी हासिल करने की कोशिश की जा रही है। बीते दो से तीन दिनों के भीतर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों के किसानों को फोन कॉल प्राप्त हुए हैं। इन कॉल में कॉल करने वाले व्यक्ति खुद को कृषि मंत्रालय भारत सरकार से जुड़ा हुआ बताते हैं और किसानों से उनकी जमीन से संबंधित जानकारी मांगते हैं। सबसे पहले किसानों से उनके खेतों के खसरा नंबर की पुष्टि करवाई जाती है और यह भी पूछा जाता है कि उनकी जमीन पर इस समय कौन-सी फसल लगी हुई है। इसके बाद उनसे पूछा जाता है कि क्या वे अपनी फसल का बीमा करवाना चाहते हैं। कुछ किसानों ने इन कॉल करने वालों को कोई जानकारी नहीं दी, जबकि कुछ किसानों ने केवल सामान्य जानकारी साझा की। वहीं कुछ किसानों ने साइबर ठगों की बातों पर सहमति भी जताई, लेकिन जागरूक किसानों ने पूरे मामले की जानकारी संबंधित विभागों को दे दी। इसके बाद स्पष्ट हुआ कि इस प्रकार की कॉल पूरी तरह फर्जी हैं और किसानों को फसल बीमा के नाम पर ठगने की कोशिश की जा रही है। ठग किसानों से बातचीत के दौरान ओटीपी की जानकारी हासिल करने का प्रयास भी कर रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि ओटीपी प्राप्त कर साइबर अपराधी किसानों के मोबाइल या बैंक खातों तक पहुंच बनाकर आर्थिक नुकसान पहुंचा सकते हैं। अभी तक जिले के किसी भी क्षेत्र से इस तरह की कॉल के कारण बड़ी ठगी की घटना सामने नहीं आई है, लेकिन जिस तरह से लगातार कॉल किए जा रहे हैं, उससे यह खतरा बढ़ता जा रहा है कि भविष्य में किसान ठगी का शिकार हो सकते हैं।

### फसल बीमा कराने के नाम पर आया कॉल

लालबर्रा क्षेत्र के किसान भूपेंद्र ने बताया कि 10 मार्च को उनके मोबाइल नंबर पर भी एक कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उनसे पूछा कि इस समय उनके खेत में फसल क्यों नहीं लगी है। जबकि किसान भूपेंद्र के अनुसार उनके खेत में फसल लगी हुई थी। इस सवाल से उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने थोड़ी देर बात करने के बाद कॉल काट दिया। इसके बाद उन्होंने अपने परिचितों से संपर्क कर इस घटना की जानकारी साझा की, तब उन्हें पता चला कि यह कॉल फर्जी था ।

### खसरा नंबर बताकर करते हैं भरोसा

कुछ किसानों ने यह भी बताया कि कॉल करने वाले लोग पहले किसानों के खेतों से संबंधित खसरा नंबर बताते हैं और उनसे पुष्टि करवाते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि उनके द्वारा बताया गया खसरा नंबर सही होता है, जिससे किसानों को भरोसा हो जाता है। इसके बाद वे फसल बीमा कराने की बात करते हैं और मोबाइल पर आने वाला ओटीपी मांगते हैं। हालांकि अभी तक जिले में इस प्रकार के कॉल के चलते किसी किसान के साथ ठगी की बड़ी घटना सामने नहीं आई है।

### किसान भाई सतर्क और सावधान रहें - फूलसिंह मालवीय

इस संबंध में फूलसिंह मालवीय, उपसंचालक, कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात कॉल करने वाले व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी, मोबाइल पर आने वाला वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) साझा न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी विभाग द्वारा किसानों को फसल बीमा के लिए इस प्रकार के फोन कॉल नहीं किए जा रहे हैं। उपसंचालक ने किसानों को सलाह दी है कि वे इस प्रकार की कॉल से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध कॉल की जानकारी तुरंत संबंधित पुलिस को दें, ताकि समय रहते ऐसी साइबर ठगी पर रोक लगाई जा सके।

### अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय का मामला

## वारासिवनी एसडीएम ने 17 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया

### 08 कॉलोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 09 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल ने नियम विरूद्ध अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जाने के मामले में 17 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61 एवं मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियम 2014 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

एसडीएम श्री जायसवाल ने 08 कालोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 09 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है और 10 दिनों के भीतर यह राशि चालान के माध्यम से जमा कर एसडीएम कोर्ट में चालान की प्रति जमा करने कहा गया है। इन कालोनाईजर द्वारा छोटे-छोटे भूखंड विक्रय किये जाने पर तत्काल रोक लगायी गई है। तहसीलदार वारासिवनी एवं लालबर्रा को निर्देशित किया गया है कि इन कालोनाईजर्स द्वारा ग्राम वारा एवं कनकी में भूखंड विक्रय की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल एसडीएम कोर्ट को सूचित करें।

अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के मामले में कालोनाईजर वारासिवनी निवासी घनश्याम वल्द जोशीलाल व रोहित पुरी वल्द रेवेंद्र पुरी, नितिन वल्द बिहारीलाल बोपचे, संदेश मिश्रा, अभिनंदन पिता निर्मल कोचर व निर्मल पिता ज्ञानचंद कोचर, बालाघाट निवासी संजय पिता धरमचंद बोथरा व मनीष सोनी पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन कालोनाईजर द्वारा वारासिवनी तहसील के ग्राम वारा में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जा रहे थे।

इसी प्रकार कालोनाईजर वारासिवनी निवासी श्रीमती भारती पति नारायण कोलानी, लालबर्रा तहसील के ग्राम जाम निवासी सुरेंद्र पिता बेनीराम बलोने व वारासिवनी निवासी मनीष पिता सत्यनारायण सोनी, निर्मल पिता ज्ञानचंद कोचर व नमन पिता निर्मल कोचर, संजय सिंह पिता गुरुदेव सिंह, बालाघाट निवासी मनीष सोनी पर ग्राम पंचायत क्षेत्र वारा में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के कारण 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बालाघाट निवासी ऋषभ कुमार वल्द पदमचंद जैन व गर्रा निवासी श्रीमती हिमानी पति सुनील हनवत द्वारा लालबर्रा तहसील के ग्राम कनकी में अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के कारण उन पर 01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

इन सभी कालोनाईजर्स के भूखंड विक्रय पर एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही इन कालोनाईजर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

# भटेरा में एक महिला ने अपने बेडरूम में फांसी लगाकर की आत्महत्या

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम भटेरा में एक महिला ने अपने घर के बेडरूम में सीलिंग फैन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 11 मार्च को दोपहर में यह घटना उस समय हुई जब इस महिला का पति घर में ही टीवी पर कार्यक्रम देख रहा था। कोतवाली पुलिस में मृतिका तरूणा पति नवनीत वराडे 32 वर्ष का शव बरामद किए और पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भिजवा दी है। कोतवाली पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है प्राप्त जानकारी के अनुसार नवनीत वराडे कृषि कार्य के अलावा और फाइनेंस कंपनी में भी काम करते हैं ।उनके परिवार में पत्नी तरुणा और दो बच्चे हैं। मां और बहन मकान में ऊपर वाले कमरे में रहते हैं। 11 मार्च को दोपहर में तरुणा ने अपने परिवार के साथ खाना खाई थी और सभी लोग घर में थे। बच्चे घर में खेल रहे थे और नवनीत घर में ही टीवी पर कार्यक्रम देख रहा था। इसी दौरान तरुणा बेडरूम में गई। नवनीत समझा कि वह आराम करने गई होगी। तरुणा ने अंदर से दरवाजा बंद कर दी। 4:00 बजे करीब तरुणा को उसकी बेटी ने दरवाजे के छेद से देखी। उसकी मां बेडरूम में ऊपर लटकी हुई थी और उसके नाक से खून निकल रहा था। तब उसने अपने पिता नवनीत को बताई। नवनीत ने दरवाजा खटखटाया किन्तु दरवाजा नहीं खुला। इसी दौरान परिवार के अन्य लोग भी आ गए थे। बेडरूम का दरवाजा तोड़े अंदर जाकर देखें, तरुणा ने सीलिंग फैन में दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली थी ।जिसे तुरंत ही नीचे उतारे किंतु उसकी की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचे और पंचनामा कार्यवाही पश्चात तरुणा का शव पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भिजवा दिए रात होने से शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है शव को मरचुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। इस महिला द्वारा किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। किंतु किसी पारिवारिक विवाद के चलते इस महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मामले की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है

लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से 31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु इ छुक व्यक्ति संपर्क करें।

**सुविधाएं** - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।

-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

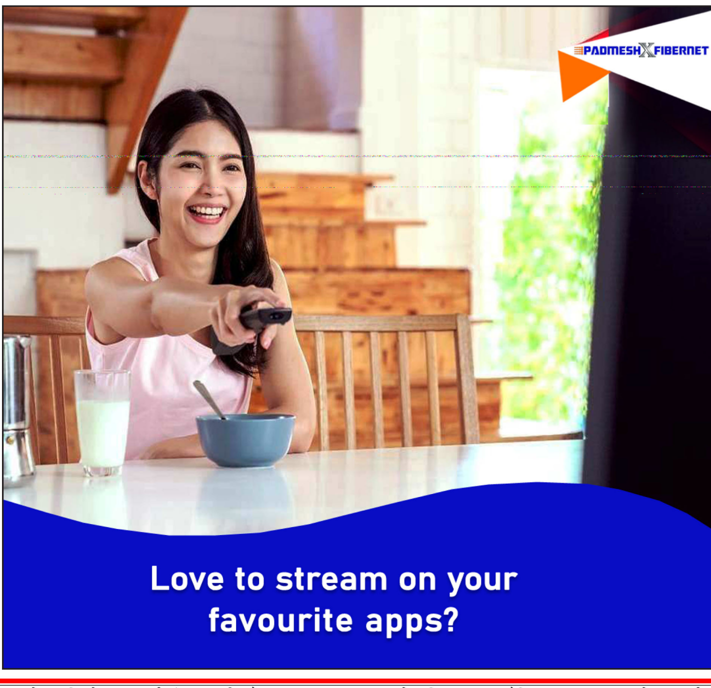

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट